@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 21 फरवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 108 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

इंडिया एआई समिट की बड़ी कामयाबी

होगा 250 अरब डॉलर का निवेश, 70 से अधिक देश घोषणापत्र पर करेंगे हस्ताक्षर

एजेंसी

लखनऊ । नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई समिट' भारत के तकनीकी और आर्थिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन साबित हो रहा है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता करार दिया है। इस वैश्विक महासम्मेलन में न केवल बुनियादी ढांचे के लिए 250 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हासिल हुआ है, बल्कि 70 देशों ने भारत के कूटनीतिक नेतृत्व में 'दिल्ली घोषणापत्र' पर अपनी सहमति भी जता दी है। आसान शब्दों में कहें तो, यह समिट भारत को तकनीक की दुनिया में एक नए ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन का सबसे अहम कूटनीतिक हिस्सा 'दिल्ली घोषणापत्र' रहा है। शुक्रवार को 20 फरवरी 2026 को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि अब तक 70 राष्ट्र इस घोषणापत्र पर

हस्ताक्षर कर चुके हैं और कई अन्य देशों के साथ बातचीत अभी भी जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शनिवार को इस आयोजन के समापन तक सहमति जताने वाले देशों का अंतिम आंकड़ा 80 को पार कर जाएगा। इस दिल्ली घोषणापत्र की विस्तृत रूपरेखा और इसके अहम बिंदुओं को शनिवार को पूरी पारदर्शिता के साथ दुनिया के सामने साझा किया जाएगा।

निवेश का अंबार और जनता की भारी भागीदारी

भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत को घरेलू स्तर पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आईटी मंत्री ने बताया कि इस प्रदर्शनी में पांच से अधिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया, जो देश में उन्नत तकनीक के प्रति भारी उत्साह को दर्शाता है।

इसके अलावा, इस आयोजन के दौरान बुनियादी ढांचे से जुड़े 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश कमिटमेंट प्राप्त हुए हैं। यह भारी-भरकम निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा।

विपक्ष का विरोध और युवाओं का करारा जवाब

इस बड़े तकनीकी आयोजन के बीच कुछ राजनीतिक हलचल भी देखने को मिली। कांग्रेस पार्टी द्वारा इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को बाधित करने के प्रयासों पर टिप्पणी करते हुए आईटी मंत्री ने स्पष्ट किया कि विपक्षी दल के इस छोटे से प्रयास को भारत के युवाओं ने मजबूती से और पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

- **बुनियादी ढांचा:** 250 अरब डॉलर के निवेश कमिटमेंट से देश के टेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अभूतपूर्व गति मिलेगी, जिससे विकास के नए रास्ते खुलेंगे।
- **वैश्विक कूटनीति:** 'दिल्ली घोषणापत्र' पर 70 से अधिक देशों का एक साथ आना यह प्रमाणित करता है कि अंतरराष्ट्रीय एआई नीतियों को तय करने में भारत एक अहम कूटनीतिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभा रहा है।

गुजरात के वलसाड में भीषण सड़क हादसा

एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

एजेंसी

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले में कपारड़ा-नानापोंढा हाईवे पर कुंभघाट के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक कपारड़ा तालुका के अंबा जंगल गांव के निवासी थे। हादसे के समय कार में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। यह दुर्घटना कुंभघाट के उस तीखे मोड़ पर हुई, जिसे अधिकारी पहले से ही दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र बताते रहे हैं। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। आपातकालीन सेवाओं की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो गंभीर रूप से घायल पुरुषों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या सात हो गई। इंस्पेक्टर सूरजसिंह वसावा ने आईएएनएस से कहा, 'हादसे के समय कार में सात लोग सवार थे, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो पुरुषों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में उनकी भी मृत्यु हो गई। यह मार्ग पहले भी दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है और ज्यादातर मामलों में ट्रक शामिल रहे हैं। ' हादसे में ट्रक चालक भी

घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अभी उसका बयान दर्ज नहीं किया गया है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही से हुई या किसी अन्य कारण से। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा राज्य के सीमावर्ती गांवों को नीति आयोग के कार्यक्रमों में शामिल करने की वकालत

कौमी पत्रिका

चंडीगढ, 20 फरवरी। पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने आज औपचारिक रूप से राज्य के सीमावर्ती ब्लॉकों को नीति आयोग के 'एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट्स' और 'एस्पिरेशनल ब्लॉकस' कार्यक्रमों के अंतर्गत शामिल करने का सुझाव दिया। उन्होंने यह प्रस्ताव 'बॉर्डर एरिया डेवलपमेंट' कार्यक्रम के बंद होने के मद्देनजर एक रणनीतिक कदम के रूप में पेश किया। राज्यपाल ने जोर देकर कहा कि इन ब्लॉकों को एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे देश की विकास यात्रा में पीछे न रह जाएं। नीति आयोग के कार्यक्रमों के तहत जिलों और ब्लॉकों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए आयोजित 'संपूर्णता अभियान सम्मान समारोह' की अध्यक्षता करते हुए पंजाब के राज्यपाल ने कहा कि सरकार इन सीमावर्ती क्षेत्रों को

'एस्पिरेशनल' फ्रेमवर्क में शामिल करके, पुराने फंडिंग ढांचे के कारण उत्पन्न हुए खालीपन को भर सकती है। राज्यपाल ने समन्वित शासन की प्रशंसा की जिसने पंजाब में विकास को एक जन आंदोलन में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मामूली प्रगति की बजाय लक्ष्य-आधारित परिवर्तन और विभिन्न योजनाओं की बजाय समन्वित कार्रवाई की ओर एक ब ?ा कदम हैं। उन्होंने कहा कि वास्तविक विकास सबसे आगे चलने वाले की तरक्की से नहीं, बल्कि सबसे कमजोर वर्ग के उत्थान से मापा जाता है। इस अवसर पर अपने मुख्य भाषण में भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव एवं नीति आयोग में इन कार्यक्रमों के मिशन डायरेक्टर रोहित कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम की सफलता तीन 'सी' पर टिकी हुई है- कन्वर्जेंस (समन्वय), कोलैबोरेशन (सहयोग) और कॉम्पिटिशन (प्रतिस्पर्धा)। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आकांक्षी जिलों और ब्लॉकों को प्रेरणादायक मॉडलों में बदलना है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि थो ? समय में ही देश भर के कई जिलों और ब्लॉकों ने न केवल राष्ट्रीय और राज्य के औसत आंक ?ों को पीछे छो ?ा है, बल्कि नए मील के पत्थर भी स्थापित किए हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय सामूहिक टीम वर्क को दिया और भरोसा दिलाया कि वे नीति आयोग की बैठक में सीमावर्ती गांवों को कार्यक्रम में शामिल करने के राज्य के प्रस्ताव को पेश करेंगे।

शेष पृष्ठ 3 पर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्षों के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर समेत अन्य मुद्दों पर की बात

एक बेहतर धरती के लिए एआई का इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश के लिए भारत का समर्थन दोहराया : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम मोदी ने लिकटेंस्टीन के राजकुमार, एलोइस फिलिप मारिया, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और स्लोवाकिया गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं और बताया कि दोनों पक्षों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएन महासचिव गुटेरेस के साथ तस्वीरें साझा कर लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ मीटिंग के दौरान हमने एआई को शामिल करने वाला बनाने और इस मामले में यूएन कैसे एक कंस्ट्रक्टिव रोल निभा सकता है, इस बारे में बात की। एक बेहतर धरती के लिए एआई का इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश के लिए भारत का समर्थन दोहराया। हमने यूएन रिफॉर्म्स, खासकर ग्लोबल साउथ को ज्यादा आवाज देने पर भी अपने विचार शेयर किए।' उन्होंने श्रीलंका के

राष्ट्रपति दिसानायके के साथ हुई बैठक को लेकर लिखा, 'एक कीमती पड़ोसी के साथ दोस्ती को मजबूत करना। दिल्ली में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने हाल के दिनों में भारत-श्रीलंका संबंधों में हुई तरक्की का जायजा लिया। हमने एनर्जी, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर, स्किलिंग, कल्चर, ब्लू इकॉनमी और दूसरे एरिया में सहयोग के तरीकों पर भी बात की। ' वहीं, श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'आज दोपहर नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मीटिंग में शामिल हुआ। मैंने एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के इनविटेशन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हमने अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक, व्यापार और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। मैंने हाल ही में आए तूफान दित्वाह के दौरान भारत के शानदार समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त किया। ' पीएम मोदी ने एलोइस फिलिप मारिया के साथ मुलाकात पर कहा, 'आज दिल्ली में लिकटेंस्टीन के हेरेडिटरी प्रिंस एलोइस से मुलाकात हुई। हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों की मजबूत संभावना पर चर्चा हुई, खासकर इंडिया-ईएफटीए के बाद, और इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, स्किलिंग, आरएंडडी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी बात हुई।

- वहीं स्लोवाकिया रिपब्लिक के राष्ट्रपति के साथ बैठक को लेकर प्रधानमंत्री ने लिखा, 'स्लोवाकिया रिपब्लिक के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ मेरी मीटिंग बहुत प्रोडक्टिव रही। हाल ही में हुए इंडिया-ईयू एफटीए से हमारे देशों के बीच ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के कई मौके मिलेंगे। हमने जिन दूसरे विषयों पर बात की, उनमें डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, डिफेंस, स्पेस और भी बहुत कुछ में कोऑपरेशन शामिल था। '

33 मासूमों से दरिंदगी करने वाले को दंपत्ति को फांसी

बांदा पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

एजेंसी

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने आज मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में अपना कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंचाई विभाग के पूर्व जूनियर इंजीनियर रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को 33 मासूम बच्चों के साथ यौन शोषण और उनकी पोर्नोग्राफी बनाने के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 31 अक्टूबर 2020 को रामभवन और अन्य के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण, पोर्नोग्राफी बनाने और उसे इंटरनेट पर प्रसारित करने के आरोपों में मामला दर्ज किया था. जांच में सामने आया कि ये शिकारी 2010 से 2020 के बीच बांदा और चित्रकूट के इलाकों में सक्रिय थे. आरोपी रामभवन बच्चों को ऑनलाइन वीडियो गेम, पैसे और उपहारों का लालच देकर अपनी हवस का शिकार बनाता था। सीबीआई की जांच में जो तथ्य

सामने आए, वे रूह कपा देने वाले हैं। दरिंदगी के शिकार 33 लड़कों में से कुछ की उम्र महज तीन वर्ष थी। यौन हमले के दौरान कई मासूमों के निजी अंगों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस आघात के कारण कुछ बच्चों की आंखों में भेंगापन तक विकसित हो गया। पीड़ित आज भी उस भयानक मनोवैज्ञानिक आघात (Psychological Trauma) से जूझ रहे हैं। विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों के कृत्य को दुर्लभ से दुर्लभतम (Rarest of Rare) श्रेणी का माना. अदालत ने कहा कि 33 बच्चों का व्यवस्थित तरीके से शोषण करना और उनके प्रति ऐसी नैतिक गिरावट समाज के लिए असहनीय है, जहां सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

अदालत ने केवल सजा ही नहीं सुनाई, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए भी कड़े निर्देश दिए कि सरकार प्रत्येक पीड़ित बच्चे को 10 लाख रुपए का मुआवजा प्रदान करेगी। आरोपियों के घर से जब्त की गई नकदी को भी सभी पीड़ितों में बराबर अनुपात में बांटने का आदेश दिया गया है। सीबीआई ने इस मामले में 10 फरवरी 2021 को आरोप पत्र दाखिल किया था और 26 मई 2023 को आरोप तय किए गए थे. आज के फैसले ने यह साफ कर दिया है कि बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में कानून किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरतेगा।

असम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 की शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम के नाथनपुर गांव में 6,839 करोड़ रुपए की लागत वाले वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 (वीवीपी-2) की शुरुआत की। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज शुरू हो रहे वाइब्रेंट विलेजेज-2 कार्यक्रम के माध्यम से पूरी बराक घाटी और असम के सीमांत जिलों के सभी गांवों में भारत के अन्य गांवों जितनी सुविधाएं देने का प्रयास और शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब सीमांत गांव को देश का आखिरी गांव कहा जाता था क्योंकि वह विकास, रोजगार, बिजली कनेक्टिविटी और शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेजेज-1 कार्यक्रम में तय किया कि सीमा पर स्थित हर गांव आखिरी नहीं बल्कि भारत का प्रथम गांव है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज से असम का यह गांव भी देश का प्रथम गांव बनने जा रहा है। यह गांव न सिर्फ विकास की दौड़

- *शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजज-2 में लगभग 6,900 करोड़ रुपए के खर्च से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांव शामिल हैं।*

में बल्कि रोजगार, शिक्षा, सड़क और दूरसंचार के क्षेत्र में भी देश के प्रथम गांव होंगे। शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजज-2 में लगभग 6,900 करोड़ रुपए के खर्च से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांव शामिल हैं। इनमें 9 जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव असम के हैं। असम के 140 गांवों में भारत के हर गांव जैसी पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गांव भी शामिल हैं।

शाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे 334 ब्लॉक्स में लगभग 2000 गांवों के विकास का लगभग 7,000 करोड़ रुपए का कार्यक्रम आज से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें सुरक्षा, स्कीम सैचुरेशन और कनेक्टिविटी से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं।

अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने असम में सालों तक शासन किया,लेकिन राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने अपने 10 साल के शासन में वो कर दिखाया जो पिछली सरकारें 50 साल में भी नहीं कर सकीं।

प्रधानमंत्री ने साहित्यकार मणि शंकर के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बंगाली साहित्यकार मणि शंकर मुखोपाध्याय के

निधन पर शोक जताया। वह 93 साल के थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, मणि शंकर मुखोपाध्याय बंगाली साहित्य के एक महान व्यक्तित्व थे। उनके शब्दों ने लोगों के जीवन को संवेदनशीलता और अंतर्दृष्टि से चित्रित किया। अपनी अविस्मरणीय रचनाओं के माध्यम से उन्होंने पाठकों की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और भारत के साहित्यिक जगत को समृद्ध किया। उन्होंने बताया कि उनके प्रशंसक उनको प्यार से 'शंकर' बुलाते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके परिवार, मित्रों और दुनिया भर में फैले उनके प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं!

प्रधानमंत्री रविवार को करेंगे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ का दौरा करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को मेरठ में संपूर्ण 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और लगभग 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ का दौरा करेंगे। दोपहर में वे शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यहां से वे मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा करेंगे। इसके बाद लगभग 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री पहली नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) के शेष खंडों का भी उद्घाटन करेंगे। इनमें दिल्ली में सराय काले खान और न्यू अशोक नगर के बीच का 5 किलोमीटर का खंड और उत्तर प्रदेश में मेरठ साउथ और मोदीपुरम के बीच का 21 किलोमीटर का खंड शामिल है। 180 किलोमीटर प्रति घंटे की डिज़ाइन गति के साथ, नमो भारत देश की पहली क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली है। यह कॉरिडोर साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों को दिल्ली से तेजी से जोड़ेगा। कॉरिडोर का शुरुआती स्टेशन सराय काले खान है, जो इस उद्घाटन के साथ शुरू होने वाले चार नमो भारत स्टेशनों में से एक है।

अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस बनी राष्ट्रीय शर्म का विषय : अनुराग ठाकुर

कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान डालने का बहुत ही शर्मनाक रास्ता चुना

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को दिल्ली में इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया और इसकी निंदा की। उन्होंने इसपर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है और जब जब देश प्रगति करता है, कांग्रेस प्रदर्शन करती है। अनुराग ठाकुर ने कहा, 'आज जब पूरी दुनिया भारत को एआई समिट की मेजबानी की गवाह बन रही है, ऐसे में कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान डालने का बहुत ही शर्मनाक रास्ता चुना। कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी व एनडीए सरकार का विरोध करते-करते भारत विरोधी पार्टी बन चुकी है। अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी से राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को भारत की प्रगति से कोई सरोकार

नहीं मगर भारत विरोधी एजेंडे को हवा देने में, अपने विदेशी आकाओं को खुश करने में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी अव्वल स्थान पर है। एक तरफ जहां दुनिया भारत की तकनीकी क्षमताओं का लोहा मान रही है।

भारत के कंधों पर ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के सौ साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर पत्रकारों से बात की और कहा कि भारत के कंधों पर ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, '1926 में स्थापित हुए श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। पिछले 25 सालों से यहां एक प्रसिद्ध स्कूल चल रहा है। ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशन (जीबीओ) पढ़ाने के लिए एक अच्छा सेंटर चल रहा है। भारत की नई पीढ़ी को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विकसित भारत लक्ष्य तक पहुंचना है, जिसके लिए यंग और इनोवेटिव लीडरशिप चाहिए। अभी

देश में एआई समिट हुआ है, जिसमें हमारे देश की अतुलनीय नवोन्मेषी क्षमता सामने आई है। इस क्षमता को ऊंचाई तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही ढंग से लागू करना पड़ेगा।' धर्मेंद्र प्रधान ने आगे कहा कि एसआरसीसी और जीबीओ जैसे कोर्स लीडरशिप पोजीशन पर रहेंगे। जीबीओ को मास्टर्स की डिग्री दी जानी चाहिए, जिस पर बात हुई है, और जल्द मिलने की उम्मीद करता हूं। मीडिया के एक सवाल पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी ले ली है। विश्व के जरूरतमंद देशों की क्षमता बढ़ाने और जरूरतें पूरी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिम्मेदारी ली है। इसे लेकर एआई इम्पैक्ट समिट हो रहा है। विश्व के मेजर एआई प्लेयर के साथ भारत के दो प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी में कंधे से कंधा मिला रहे हैं। ये हैं 'सर्वम एआई' और 'भारत-जेन' एआई।

निवेशकों को झांसा देकर 14 करोड़ हड़पने वाली महिला अधिकारी गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों के 14 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में पियर्स एलाइड कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी की अतिरिक्त निदेशक मंजू दूबे उर्फ मंजू उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। इस संदर्भ में निवेशकों की शिकायत पर लखनऊ के आलमबाग थाने में 2017 में मामला दर्ज किया गया था। शासन के निर्देश पर मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि दिल्ली व हरियाणा में पंजीकृत कंपनी के निदेशकों ने आरबीआइ में पंजीकरण के बिना ही कंपनी के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दूबे ने अन्य निदेशकों के साथ मिलकर बिजनौर समेत यूपी के कई जिलों में बैंकिंग कार्यालय खोले थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के निदेशकों ने निवेशकों को आरडी व एफडी योजना में निवेश पर लालच देकर 14 करोड़ रुपये निवेश कराए थे। कुछ समय बाद कंपनी के निदेशक, निवेशकों को कूटरचित बांड देकर फरार हो गए। निवेशकों को जब यह बात पता चली कि उन्हें दिए गए बांड व अन्य दस्तावेज कूटरचित हैं तो उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया था। ईओडब्ल्यू की जांच में कुल 13 अभियुक्त दोषी पाए गए थे। इनमें से छह आरोपितों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। शेष सात आरोपी की गिरफ्तारी के क्रम में मंजू दुबे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। मंजू ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र का पता दिया था, जबकि उनका स्थायी निवास ग्राम डोल छपरा, देवरिया है।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, ओबीसी रिपोर्ट का इंतजार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बताया कि प्रदेश में पंचायत और नगर निकाय के चुनाव जल्द कराने के लिए आवश्यक तैयारियाँ हो रही हैं। इसके साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, जिसके आधार पर पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण होना है, सक्षम प्राधिकारी के विचाराधीन है। विधायक मीर मोहम्मद फैयाज के प्रश्न पर निर्वाचन विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 और जम्मू-कश्मीर म्यूनिसिपल अधिनियम, 2000 के तहत मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव का संचालन प्रदेश चुनाव आयोग के द्वारा किया जाएगा। पंचायतों और बीडीसी का कार्यकाल नौ जनवरी 2024 को समाप्त हो गया, जबकि डीडीसी का कार्यकाल 24 फरवरी 2026 को समाप्त होगा। श्रीनगर नगर निगम का कार्यकाल पांच नवंबर 2023 को और जम्मू नगर निगम का कार्यकाल 14 नवंबर 2023 को समाप्त हो चुका है। अन्य नगर परिषदों और समितियों का कार्यकाल अक्टूबर से नवंबर 2023 के बीच समाप्त हो गया है। उमर सरकार ने बताया कि 77 यूएलबी के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें से 72 का सीमांकन पूरा हो चुका है। पंचायतों में सरपंच और पंच वार्डों का आरक्षण केवल ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की स्वीकृति के बाद किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद सैलजा ने पीयूसी नहीं होने पर 10,000 के चालान को गलत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में दोपहिया वाहनों के लिए प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) नहीं होने पर 10,000 रुपये तक के चालान को तर्कसंगत बनाने की मांग उठा दी है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर उच्च जुर्माने पर आपत्ति दर्ज करा दी है। कांग्रेस सांसद सैलजा ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत यह अधिकतम जुर्माना चार पहिया या भारी वाहनों के लिए उचित हो सकता है, लेकिन स्कूटी और बाइक जैसी छोटी दोपहिया गाड़ियों के लिए यह आम और मध्यम वर्ग के लिए आर्थिक रूप से भारी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जवाब में बताया कि 10,000 रुपये की अधिकतम सीमा अधिनियम में निर्धारित है, लेकिन राज्य सरकारें मोटर वाहन अधिनियम की धारा 200 के तहत अपराध को कंपाउंड कर जुर्माने की राशि तय कर सकती हैं। इस पर सैलजा ने हरियाणा सरकार से आग्रह किया कि वह जुर्माने की राशि वाहन की इंजन क्षमता (सीसी) के अनुसार निर्धारित करे। उन्होंने सुझाव दिया कि 100-150 सीसी तक की स्कूटी और मोटरसाइकिल के लिए जुर्माना 500 से 1,000 रुपये के बीच सीमित होना चाहिए। सैलजा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जनहित होना चाहिए, न कि आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालना। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि आम लोगों के हित में इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे नियम भी लागू हों और जनता पर अनावश्यक दंड न पड़े।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर एनएससीएन-आईएम के उग्रवादी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, स्पेशल टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने टिसिंग क्षेत्र में अभियान चलाया और 35 वर्षीय स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान को हिरासत में लिया। वह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का सदस्य और चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने कथित तौर पर किसी अज्ञात लक्ष्य का अपहरण या हत्या करने की योजना बनाई थी। तलाशी के दौरान उसके पास 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल बरामद किए। संयुक्त सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई ने नियोजित आतंकवादी घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया। पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और अन्य संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, ताकि शेष आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। इसी बीच, नामसाई जिले में पुलिस ने करीब सात लाख रुपये मूल्य की 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया। यह मामला एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी तत्परता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में सुरक्षा बल लगातार आतंकी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी दोनों के खिलाफ सक्रिय हैं। लोंगडिंग और नामसाई में की गई कार्रवाइयों ने संभावित आतंकवादी हमले और नशे की आपूर्ति को रोककर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अमेरिका-पाकिस्तान के बीच बढ़ती दोस्ती पर जयराम का तंज... मोदी सरकार की कूटनीति फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से हमला कर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि स्वघोषित विश्वगुरु दुनिया को संक्षिप्त शब्दों के माध्यम से ज्ञान देने में व्यस्त हैं। कांग्रेस नेता जयराम ने अपनी पोस्ट में गुरुवार को बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध पहले की तरह ही मजबूत हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले की साजिश रचने के लिए वैश्विक मंच पर कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ी है, और इस घटनाक्रम को मोदी सरकार की कूटनीति पर एक निराशाजनक टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में हाल के घटनाक्रमों से साफ है। भारत सरकार के कई प्रयासों के बाद भी पाकिस्तान की अमेरिका में इज्जत बनी हुई है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रमेश ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच का रोमांस बेरोकटोक जारी है। गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में फिर इसका प्रदर्शन देखने को मिला। इस बीच, स्वघोषित विश्वगुरु अपने संक्षिप्त नामों के माध्यम से दुनिया को ज्ञान देने और सीईओ को अपना हाथ थामकर उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर करने में व्यस्त हैं। यह मोदी शासन है, जो भारत को नुकसान पहुंचाने वाला अधिकतम दिखावा है।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट, ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन, एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करता है, जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए सुख) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है। यह शिखर सम्मेलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शासन, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित हो रही एक अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का हिस्सा है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के खिलाफ जारी किया 20 सूत्री आरोपपत्र

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में गुरुवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और अल्पसंख्यकों को डरने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने अमस में विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार 6 आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही। असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा की दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके करीबी मंत्रियों एवं उनके परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया।

जिस वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार थे भागवत... उस पर हरदोई में हुई पत्थरबाजी

हरदोई, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस पर कथित पत्थरबाजी की घटना सामने आई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कौधा गांव के पास दोपहर करीब 3:20 बजे हुई, जिसमें ट्रेन के सी4 कोच की एक खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत पूरी तरह सुरक्षित रहे और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग भी घायल नहीं हुए। वे लखनऊ-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ लौट रहे थे। इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर दी है। मेरठ में विशेष जांच दल पहुंचने की उम्मीद है, जो पत्थरबाजी की परिस्थितियों और आरोपियों की पहचान करेगी। भागवत को भारी सुरक्षा के बीच रात 9 बजे मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और वे शताब्दी नगर स्थित माधव कुंज पहुंच गए। उन्होंने 20 और 21 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में भाग लेना है, जिसमें खिलाड़ी और बुद्धिजीवी शामिल होने वाले हैं। इसके पहले, 9 फरवरी को महाराष्ट्र में कोंकण रेलवे लाइन पर वंदे भारत ट्रेन का एक और हादसा हुआ था। मुंबई से गोवा जा रही ट्रेन मवेशियों से टकरा गई, जिससे ट्रेन के ओवरहेड बिजली उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए और रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं। दोनों घटनाओं ने वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा और संचालन पर चिंता बढ़ा दी है। रेलवे प्रशासन ने इन घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा और निगरानी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। हरदोई की घटना में किसी के हताहत न होने और भागवत की सुरक्षा बनाए रखने के बावजूद, पत्थरबाजी ने यात्रियों और अधिकारियों में डर और चिंता पैदा कर दी है। अब मामले की गहन छानबीन की जा रही है ताकि जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा सके।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ सिस्टम, 7 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

मौसम ने अचानक ली करवट, जाते-जाते सर्दी लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिसके चलते सर्दी जाते-जाते फिर लौट आई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 20 से 24 फरवरी के बीच देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय समुद्री सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम असामान्य रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। कई इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के कारण तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान है।

दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और श्रीलंका तट के आसपास समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तेज आंधी और बिजली गिरने से जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश और 40-50 किमी प्रति घंटे की हवाओं की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 26 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में अस्थायी सुधार हो सकता है, हालांकि ट्रैफिक और उड़ानों पर हल्का असर पड़ सकता है।

उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, चमोली और पिथौरागढ़ में 22 से 24 फरवरी के बीच बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मनाली में भी बर्फबारी की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ सकती है।

पूर्वी और मध्य भारत के राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तेज हवाओं और हल्की बारिश का असर रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-

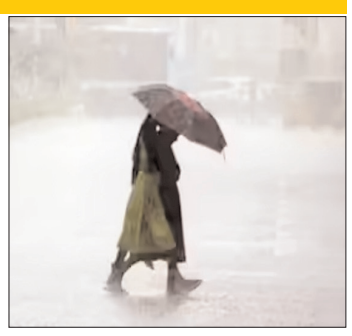

चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। आईएमडी ने नागरिकों को मौसम अपडेट पर नजर रखने और प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

रणवीर सिंह से हैरी बॉक्सर ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, स्टार की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस को जांच में आए दिन नई-नई जानकारी मिल रही है। जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने व्हाटसएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरूआती जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं।

नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने की मां-नानी से तीन घंटे पूछताछ

-जांच का फोकस हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा

पटना(एजेंसी)। पटना के एक निजी हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को सीबीआई तीसरी बार जहानाबाद पहुंची, जहां मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित मृतका के पैतृक गांव में परिजनों से लंबी पूछताछ की। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस छात्रा के इलाज के दौरान की परिस्थितियों और हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा। सीबीआई के अधिकारियों ने मृतका की मां और नानी से करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई टीम यह समझने की कोशिश कर रही है कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की स्थिति कैसी थी और संचालिका की भूमिका इसमें क्या रही। जहानाबाद में पूछताछ के बाद टीम गया स्थित छात्रा के ननिहाल गई। जहां मृतका के मामा और अन्य रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई गई। बताया जाता है कि मतक छात्रा के मामा चार भाई हैं। दो मामा बाहर नौकरी

करते हैं। उनके परिवार के लोग गया में रहते हैं। दो मामा और नाना- नानी गांव में ही रहते हैं। सीबीआई ने सभी कड़ियों को जोड़ने के लिए परिवार के सदस्यों से सामूहिक रूप से बयान दर्ज किए हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से करीब चार घंटे पूछताछ की। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही के आरोप में एसआई हेमंत झा और चित्रगुप्तनगर थानेदार रोशनी कुमार को निलंबित किया गया था।

सीबीआई ने सवाल किए कि छात्रा के प्रभात हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों बरामद नहीं किए गए। परिजनों को कपड़े कैसे मिले और पुलिस को किस आधार पर दिए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में रेप की बात आने के बावजूद पुलिस ने इसे सुसाइड कैसे मान लिया। हालांकि, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार रात फेसबुक लाइव आकर इस मामले में पटना एसएसपी और एसपी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसएसपी बताएं मनीष को किस केस में गिरफ्तार किया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मृतक छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार आज भी अपने दावे पर कायम है। हम शुरुआत से ही पटना के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल पर शक कर रहे है और यहीं उसके साथ गलत हुआ है। घटना की सारे रहस्य हॉस्टल के अंदर ही हैं। सीबीआई ने परिवार से पहले दिन बात की थी, तभी उन्हें बताया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और वहां की वार्डेन को सामने बैठाकर पूछताछ कीजिए। इसके बाद पूरी असलियत सामने आ जाएगी।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उद्यमशील नागरिकों से परिपूर्ण राज्य हैं।

उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि दोनों राज्यों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी प्रगति व समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहें, यही उनकी कामना है। वहीं उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, जैव विविधता, मठों, घने वनों और जीवंत जनजातीय परंपराओं से समृद्ध है। उन्होंने अरुणाचल को प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का प्रतीक बताया और राज्य के सतत विकास, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

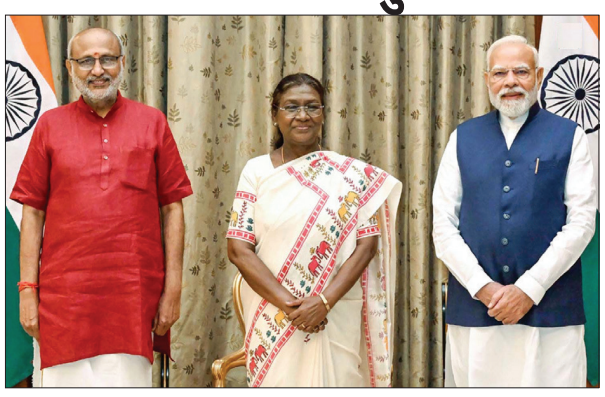

मिजोरम के लिए अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों और उच्च साक्षरता दर के कारण यह राज्य सामाजिक प्रगति और सामुदायिक सद्भाव का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मिजोरम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए सतत विकास और स्थायी शांति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश को प्राकृतिक दृश्यों और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर राज्य बताते हुए कहा कि यहां के मेहनती और ऊर्जावान नागरिक देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की विविध आदिवासी संस्कृति भारत की समृद्धि को और सुदृढ़ करती है तथा आने वाले समय में अरुणाचल प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुए।

मिजोरम के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने मिजो समुदाय की सामुदायिक भावना, करुणा और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हुए राज्य के निरंतर विकास और नई उपलब्धियों की कामना की।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

-ऑफिशियल अलर्ट जारी, एपीके फाइल को नहीं करें डाउनलोड यह मालवेयर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें ÷8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर÷ देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनैंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

असाधारण बहादुरी के लिए दो कांस्टेबल को मिला आउट-ऑफ-टर्न प्रमोशन, वीरता पुरस्कार के लिए भी नामांकित

दिल्ली। दोनों पुलिसकर्मियों ने बहादुरी का परिचय देते हुए एक हिंसक झड़प के बाद एक हथियारबंद आदतन अपराधी को गिरफ्तार किया। इस दौरान वे ड्यूटी पर रहते हुए चाकू लगने से घायल हो गए। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने जवानों को उनकी जान की परवाह किए बिना जनसुरक्षा को प्राथमिकता देने के लिए सराहा है।

बदलते मौसम में बीमारियों से बचाएगा आयुर्वेद

नई दिल्ली। सर्दियों का मौसम धीरे-धीरे खत्म हो रहा है और अब वसंत और ग्रीष्म ऋतु की तरफ बढ़ रहा है। मौसम बदलते ही लोगों में सर्दी, जुकाम, बुखार और वायरल जैसी बीमारियां बढ़ने लगी हैं। ऐसे में अस्पताल और क्लीनिक का चक्कर लगाने के बजाय आयुर्वेद की सरल पद्धतियों से घर बैठे स्वस्थ रहा जा सकता है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के निदेशक प्रो. वैध प्रदीप कुमार प्रजापति ने बताया कि बदलते मौसम में सर्दी, जुकाम और वायरल फीवर के मामले बढ़ते हैं। ऐसे में कुछ आयुर्वेदिक उपाय अपनाकर खुद को स्वस्थ रखा जा सकता है। डॉक्टर के अनुसार सबसे पहले हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है यानी हाथ धोना और साफ-सफाई बनाए रखना। अगर बुखार या कमजोरी महसूस हो रही हो तो पर्याप्त आराम करें और गर्म पानी पिएं। आयुर्वेदिक दवाओं जैसे सुदर्शन धनवटी और सुदर्शन चूर्ण को रोजाना सुबह और शाम लेने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और वायरल संक्रमण से बचाव होता है। वसंत के मौसम में हल्का काढ़ा पीने से शरीर में गर्मी बनी रहती है और संक्रमण कम होता है। प्रो. प्रजापति ने कहा कि आयुर्वेदिक दवाओं से बुखार और कमजोरी जल्द दूर होती है और शरीर को एनर्जी मिलती है। मलेरिया और टाइफायड जैसी बीमारियों से बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करना चाहिए।

एआई से हो रही शहर के सबसे गर्म हॉटस्पॉट्स की पहचान, कूल रूफ से तापमान 2 से 4.5 डिग्री तक होगा कम

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ती गर्मी बड़ी समस्या बन गई है। खासकर टिन, एस्बेस्टस या कंक्रीट से बनी झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग गर्मी से बहुत परेशान होते हैं। गर्मी और हीटवेव के खतरे के बीच अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) शहरों के सबसे ज्यादा गर्म इलाकों यानी हॉटस्पॉट की सटीक पहचान करने में अहम भूमिका निभा रहा है। डेटा और सैटेलाइट इमेज के विश्लेषण से यह तकनीक उन क्षेत्रों को चिन्हित कर रही है, जहां तापमान असामान्य रूप से अधिक रहता है। इसके साथ ही कूल रूफ जैसी पहल के जरिये इन इलाकों में तापमान 2 से 4.5 डिग्री सेल्सियस तक कम करने के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं, जिससे लोगों को राहत मिलने की उम्मीद बढ़ी है। यह मॉडल भारत मडंपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में महिला हाउसिंग ट्रस्ट की ओर से प्रदर्शित किया है। महिला हाउसिंग ट्रस्ट की डेवलपमेंट सेक्टर एक्सपर्ट श्रुति मोतीवाल ने बताया कि संस्था गरीब महिलाओं और शहरी समुदायों को जलवायु परिवर्तन से बचाने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने बताया कि यह एक एआई-पावर्ड मॉडल है, जो सैटेलाइट डेटा का विश्लेषण करके शहरों के अर्बन हीट आइलैंड्स यानी उन इलाकों की पहचान करता है, जहां मानवीय गतिविधियों और इमारतों की वजह से तापमान ज्यादा रहता है। श्रुति के अनुसार, शहरों में बढ़ती गर्मी और हीटवेव के खतरे को देखते हुए उन्होंने हीट रिस्क एनालिसिस के लिए एक खास डिजिटल डैशबोर्ड तैयार किया है। इस डैशबोर्ड के जरिए अलग-अलग इलाकों में गर्मी के जोखिम का आकलन किया जाता है और जरूरत के मुताबिक कार्रवाई की योजना बनाई जा सकती है। इस डैशबोर्ड को नीति-निर्माताओं और संबंधित सरकारी विभागों के साथ साझेदारी के तहत साझा करता है। यह प्लेटफॉर्म आम जनता के लिए फिलहाल खुला नहीं है, लेकिन जिन नगर निगमों के साथ साझेदारी होती है, उन्हें डेटा और डैशबोर्ड की पूरी जानकारी मुफ्त में उपलब्ध कराई जाती है। फिलहाल, यह डैशबोर्ड राजस्थान के चूरू, वाराणसी और इंदौर नगर निगम के साथ लॉन्च किया जा चुका है। इसके अलावा इसे राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के साथ भी शुरू किया गया है। गुजरात महिला आवास सेवा ट्रस्ट के एक अध्ययन के अनुसार, शहर की बढ़ती गर्मी से राहत पाने के लिए एमएचटी ने चार तरह की कूल रूफ तकनीकों का परीक्षण किया। इनमें मॉड रूफ यानी रिसाइकल प्लास्टिक से बना मॉड्यूलर रूफिंग सिस्टम सबसे प्रभावी पाया गया, जिसने टिन या एस्बेस्टोस की छतों की तुलना में करीब 4.5 डिग्री सेल्सियस कम तापमान बनाए रखा। एयर-लाइट वेंटिलेशन शीट, जिसे टिन की छत पर लगाया जाता है, ताकि हवा का प्रवाह बना रहे, रिपोर्ट में कम प्रभावी साबित हुई और कुछ मामलों में तापमान बढ़ता भी पाया गया। अध्ययन के अनुसार, सोलर रिफ्लेक्टिव व्हाइट पेंट, जिसे टिन की छत पर लगाया गया, सूरज की किरणों को परावर्तित कर लगभग 1 डिग्री तक तापमान कम करने में सहायक रहा। वहीं, एस्बेस्टस छत के नीचे लगाई गई थर्मोकूल सीलिंग से करीब 2.5 डिग्री तक कमी दर्ज की गई और इसका असर कंक्रीट छत के बराबर पाया गया। थर्मल इमेजिंग से यह भी सामने आया कि दोपहर में छतों का तापमान सबसे अधिक होता है, लेकिन कूल रूफ तकनीकों से इसमें स्पष्ट कमी आती है। खास बात यह है कि ये सभी उपाय अपेक्षाकृत सस्ते हैं और निम्न आय वर्ग के परिवार भी इन्हें आसानी से अपना सकते हैं। भारत मंडपम में चल रहे इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में मंगलवार को एमएचटी ने एक महत्वपूर्ण पैनल चर्चा आयोजित की। इसका विषयसमुदाय की अगुवाई वाली एआई पहलों से जलवायु सहनशीलता को मजबूत बनाना रहा। एमएचटी ने महिलाओं की नेतृत्व वाली दो केस स्टडीज साझा कीं, जो एआई और स्थानीय डेटा से गर्मी के जोखिमों से निपटने पर आधारित हैं। पैनल में चर्चा हुई कि एआई और महिलाओं की भूमिका से शहरों में गर्मी के खतरे कैसे कम किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों ने बताया कि सरकार, व्यापार और समाज मिलकर स्केलेबल समाधान बना सकते हैं। मुख्य बिंदुओं में एआई के क्षेत्र में उभरते नए ट्रेंड्स और विकास से जुड़े नवाचारों पर विशेष ध्यान दिया गया। इस बात पर विचार किया गया कि एआई तकनीक को बड़े पैमाने पर कैसे लागू किया जाए, ताकि समाज को व्यापक स्तर पर लाभ मिल सके। जलवायु सहनशीलता बढ़ाने में एआई की संभावनाओं और उसके सामने आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा हुई। साथ ही, एआई क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर जोर दिया गया। बैठक में लिंग संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए समावेशी विकास के लिए एक मजबूत और संतुलित ढांचे की आवश्यकता पर भी सहमति जताई गई।

ट्रैफिक और सुरक्षा चिंताओं के बीच दिल्ली में नई ई-रिक्शा नीति जल्द

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में तेजी से बढ़ रहे ई-रिक्शा संचालन को व्यवस्थित करने के लिए एक नई नीति ढांचा तैयार कर रही है। परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस नीति का उद्देश्य ई-रिक्शा के पंजीकरण, संचालन और प्रवर्तन से जुड़े नियमों को स्पष्ट करना है। ताकि सड़कों पर व्यवस्था बनी रहे और चालकों की आजीविका भी सुरक्षित रहे। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में 2 लाख से अधिक पंजीकृत ई-रिक्शा हैं। ये वाहन अनधिकृत कॉलोनियों, पुनर्वास क्षेत्रों और मेट्रो फीडर रूट्स पर हजारों यात्रियों को सस्ती और सुविधाजनक यात्रा उपलब्ध कराते हैं।हालांकि, व्यापक नीति के अभाव में मुख्य सड़कों पर भीड़, अव्यवस्थित पार्किंग और यात्रियों की सुरक्षा से जुड़ी शिकायतें बढ़ी हैं। इसी पृष्ठभूमि में सरकार एक संतुलित नीति लाने की दिशा में काम कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों का कहना है कि, प्रस्तावित नीति में अपंजीकृत ई-रिक्शा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश शामिल होंगे। नीति लागू होने के बाद मालिकों को एक निश्चित समयावधि दी जा सकती है, जिसके भीतर वे अपने वाहन का पंजीकरण करा सकें।इस कदम का उद्देश्य नियमों का पालन सुनिश्चित करना है, बिना चालकों की रोजी-रोटी पर अचानक असर डाले। नई नीति में ई-रिक्शा चालकों के लिए बैज और वर्दी अनिवार्य करने का प्रस्ताव भी शामिल हो सकता है। इससे यात्रियों की पहचान और सुरक्षा बेहतर करने में मदद मिलेगी। विचाराधीन नीति के तहत ई-रिक्शा के संचालन के लिए स्पष्ट रूप से निर्धारित जोन तय किए जा सकते हैं। तेज रफ्तार कॉरिडोर पर इनके संचालन पर प्रतिबंध और पंजीकरण व फिटनेस मानकों के सख्त अनुपालन पर जोर दिया जाएगा।सरकार का उद्देश्य ई-रिक्शा को रोकना नहीं, बल्कि उन्हें शहर की परिवहन व्यवस्था में बेहतर तरीके से एकीकृत करना है। नई नीति का लक्ष्य ट्रैफिक फ्लो को सुचारु बनाना और सड़क प्रबंधन को बेहतर करना है। वर्ष 2014 में सरकार ने शहर की 236 प्रमुख सड़कों पर ई-रिक्शा के संचालन और पार्किंग पर प्रतिबंध लगाया था, लेकिन इन नियमों का प्रभावी पालन चुनौतीपूर्ण रहा है। परिवहन विशेषज्ञों का मानना है कि ई-रिक्शा बसों और ऑटो के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और 'पहले व आखिरी मील' कनेक्टिविटी में अहम भूमिका निभाते हैं। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि नई नीति में ई-रिक्शा को अन्य साझा परिवहन साधनों के साथ जोड़ा जाए और चार्जिंग सुविधाओं की समस्या का समाधान किया जाए। अक्सर ई-रिक्शा अवैध बिजली कनेक्शन से चार्ज किए जाते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

एक्यूआई कम होने से ग्रेप- 2 के प्रतिबंध हटे, जानिए किन कामों की रहेगी छूट

नई दिल्ली। दिल्ली में तेज हवाओं और बूंदाबांदी से प्रदूषण में थोड़ी कमी आई है। ऐसे में बुधवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 249 दर्ज किया गया। यह हवा की खराब श्रेणी है। इसमें मंगलवार की तुलना में 35 सूचकांक की गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, एनसीआर में गुरुग्राम की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। यहां एक्यूआई 264 दर्ज किया गया, यह हवा की खराब श्रेणी है। वहीं, नोएडा में 232, ग्रेटर नोएडा में 247 और गाजियाबाद में 246 एक्यूआई दर्ज किया गया। हवा की सेहत सुधरने से ग्रेप-2 के प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। फरीदाबाद की हवा सबसे साफ रही। यहां सूचकांक 166 दर्ज किया गया। यह हवा की मध्यम श्रेणी है। सीपीसीबी के अनुसार, बुधवार को हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से 12 किलोमीटर प्रतिघंटे के गति से चली। वहीं, अनुमानित अधिकतम मिश्रण गहराई 1200 मीटर रही। इसके अलावा, वेंटिलेशन इंडेक्स 3000 मीटर प्रति वर्ग सेकंड रहा। दूसरी ओर, शाम चार बजे हवा में पीएम10 की मात्रा 205.6 और पीएम2.5 की मात्रा 99.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया द्वारा राज्य के सीमावर्ती गांवों को नीति आयोग के कार्यक्रमों में शामिल करने की वकालत

प्रथम पृष्ठ का शेष

अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना) जसप्रीत तलवार ने अपने स्वागत भाषण में पंजाब के इस कार्यक्रम में भागीदारी के बारे में बताते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में दो जिले, फिरोजपुर और मोगा, तथा सात जिलों के दस ब्लॉक शामिल हैं। उन्होंने बताया कि फिरोजपुर और मोगा के बेहतर प्रदर्शन के कारण वे प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन अनुदान के योग्य बन गए हैं। उन्होंने नीति आयोग से अपील की कि राज्य के सीमावर्ती ब्लॉकों को भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत लाया जाए। समारोह के दौरान मौजूदा और पूर्व जिला मजिस्ट्रेटों को उनकी अगुवाई के लिए सम्मानित किया गया। मौजूदा अधिकारियों में से डिप्टी कमिश्नर फिरोजपुर दीपशिखा शर्मा और डिप्टी कमिश्नर जालंधर हिमांशु अग्रवाल को 'कॉपर मेडल' प्राप्त हुए; जबकि डिप्टी कमिश्नर मोगा सागर सेतिया और डिप्टी कमिश्नर कपूरथला अमित कुमार पंचाल को 'ब्रॉन्ज मेडल' से सम्मानित किया गया। पूर्व डिप्टी कमिश्नरों में कुलवंत सिंह (मोगा), विशेष सारंगल (मोगा) और राजेश धीमान (फिरोजपुर) को भी उनके योगदान के लिए प्रमाणपत्रों और पुरस्कारों से मान्यता दी गई। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावा अतिरिक्त मुख्य सचिव डी.के. तिवारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव तेजवीर सिंह, प्रधान सचिव राहुल भंडारी, राज्यपाल पंजाब के प्रधान सचिव वी.पी. सिंह, प्रबंधकीय सचिव गुरकिरत कृपाल सिंह, वरुण रूजम, घनश्याम थोरी एवं अरशदीप सिंह थिंद, डायरेक्टर पंचायती राज (भारत सरकार) विपुल उज्जवल, डिप्टी कमिश्नर संगरूर राहुल चाबा और डी.सी. अमृतसर दलविंदरजीत सिंह भी मौजूद थे।

धुएं में घुटता रहा सोहन का दम, चाचा बाहर से लगाकर गए थे ताला, मौत

नई दिल्ली। इस बीच पता चला कि दूसरी मंजिल पर एक युवक फंसा हुआ है। टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया। इस बीच बचाव दल दूसरी मंजिल पर पहुंचा तो कमरे का ताला बाहर से लगा हुआ था। किसी तरह ताला तोड़ा गया। अंदर एक युवक अचेत अवस्था में मिला। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की शिनाख्त लकीसराय, बिहार निवासी सोहन उर्फ आशु (32) के रूप में हुई है। दरअसल हादसे के समय सोहन सो रहा था। उसके चाचा किसी काम से बाहर गए तो कमरे का ताला बाहर से लगाकर चले गए। वापस आए तो घर में आग लगी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस को पता चला है कि आग पहली मंजिल पर दीया जलाने से लगी। पहली मंजिल पर रहने वाली महिला घर में दीया जलाकर बाहर चली गई थी। इस दौरान घर के सामान में आग लगी। आग लगने से धुआं दूसरी मंजिल पर पहुंचा और सोहन उसकी चपेट में आ गया। यदि कमरे का ताला बाहर से न लगा होता तो शायद उसकी जान बच जाती। पुलिस के मुताबिक मंगलवार दोपहर करीब 2.15 बजे खबर मिली कि सदर बाजार की गली बर्ना, डिप्टीगंज स्थित 30 गज के मकान में आग लगी है। खबर मिलते ही पुलिस व दमकल की टीम मौके पर पहुंची। करीब 4.30 बजे आग पर काबू पाया गया। इसके बाद दूसरी मंजिल से सोहन का शव बरामद हुआ। बाद में क्राइम टीम व एफएसएल को मौके पर बुलाया गया। टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। फिलहाल आग लगने की वजह दीया बताया जा रहा है।

सदर बाजार थाना पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस सोहन के चाचा व अन्य लोगों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। सोहन के माता-पिता की मौत हो चुकी है। इसके परिवार में पत्नी, दो बेटियां एक बेटा है। परिवार गांव में रहता है। सोहन काम की तलाश में दिल्ली आया था। यहां उसके चाचा ने उसे माल ढुलाई का काम दिलवा दिया था। चाचा ने बर्ना गली में दूसरी मंजिल पर कमरा लिया हुआ था। सोहन चाचा के साथ ही रहता था। मंगलवार को तबीयत खराब होने की वजह से वह काम पर नहीं गया। वह घर में ही सो गया। दोपहर के समय उसके चाचा किसी काम से बाहर निकले तो सोहन सो रहा था। चाचा सुरक्षा के लिहाज से बाहर ताला लगाकर चले गए। आग लगी तो सोहन बाहर नहीं निकल पाया और उसका अंदर ही दम घुट गया।

सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दायर विरोध याचिका खारिज

नई दिल्ली। राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दायर विरोध याचिका खारिज की है। यह याचिका शिकायतकर्ता शिव कुमार सक्सेना ने दिल्ली पुलिस की ओर से दाखिल की गई अनट्रेस रिपोर्ट के खिलाफ दायर की थी। अदालत ने कहा कि वह पुलिस जांच से संतुष्ट है और आगे जांच कराने का कोई ठोस आधार नहीं है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने अपने आदेश में कहा कि पुलिस ने मामले में पर्याप्त जांच की है। इसलिए विरोध याचिका को खारिज किया जाता है। यह मामला द्वारका इलाके में वर्ष 2019 में कथित तौर पर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से जुड़ा है। अदालत के आदेश पर इस मामले में दिल्ली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। इसमें अरविंद केजरीवाल के अलावा पूर्व विधायक गुलाब सिंह और एमसीडी पार्षद नितिका शर्मा के नाम भी शामिल थे। दिल्ली पुलिस ने 4 दिसंबर 2025 को अपनी जांच पूरी कर अनट्रेस रिपोर्ट दाखिल की थी। इससे पहले 7 जनवरी 2026 को अदालत ने यह देखते हुए शिकायत का निपटारा कर दिया था कि एफआईआर दर्ज हो चुकी है और अनट्रेस रिपोर्ट विचाराधीन है।

इंद्रलोक इलाके में फैक्टरी में भीषण आग लगने से मचा हड़कंप

नई दिल्ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इंद्रलोक इलाके में स्थित एक फैक्ट्री में अचानक आग भड़क उठी। आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि यह शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य ज्वलनशील पदार्थ के कारण लगी हो सकती है। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को तुरंत सूचित किया गया। दमकल विभाग की सात गाडियां तत्काल मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने के अभियान में जुट गईं। दमकल कर्मियों द्वारा सावधानीपूर्वक और व्यवस्थित तरीके से आग बुझाने का कार्य किया जा रहा है, ताकि आग को और फैलने से रोका जा सके और किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान को कम किया जा सके।

NAME CHANGE
I Harmeet Singh S/o Bahadur Singh R/o C - 16, Old DLF Colony, Sector 14, Gurgaon have changed my name to Harmeet Singh Arora for all future purposes.

NAME CHANGE
I Mahendra Goyal S/o Satya Parkash R/o C 134, Gali No.7, Majlis Park, Azadpur, N. S Mandi, Model town North West Delhi - 110033 have changed my name to Mahender Goel for all future purposes.

NAME CHANGE
I Kamla Rani W/o Puneet Vij R/o FC - 119, Tagore Garden, Delhi have changed my name to Sonia Vij for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Ashok Kumar Chugh S/o Diwan Chand, R/o House No: 383, Pull Bazar, OBC Bank, Dashmesh Nagar, Narnaul, Mahendergarh - 123001, Haryana have changed my name to Ashok Kumar for all intends and purposes.

NAME CHANGE
I, Deepika D/o Som Nath Juneja, R/o House No: 474/23, DLF Colony, Rohtak - 124001, Haryana have changed my name to Deepika Juneja for all intends and purposes.

NAME CHANGE
I, VIMLASH DEVI Mother of No-16026501A, Rank-RFN, Name-BHUPENDRA presently residing at MOHALLA AZAMTARA, B B NAGAR, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245402, have changed my name from VIMLASH DEVI to VIMLESH for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1975 vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JAGBIR SINGH Father of No-16026501A, Rank-RFN, Name-BHUPENDRA presently residing at MOHALLA AZAMTARA, B B NAGAR, BULANDSHAHR, UTTAR PRADESH-245402, have changed my name from JAGBIR SINGH to JAGVEER for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/10/1968 instead of my correct date of birth as 01/01/1965 vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I SATYA PAL S/O SHRI RAM R/O HOUSE NO-110 SERVICE ROAD TIRKHA EXTENSION COLONY SECTOR-2 BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 HAVE CHANGED NAME TO SATYA PAL SINGH

NAME CHANGE
I HIMANK S/O RAJESH BATRA R/O PLOT 139 THIRD FLOOR AMOLIK RESIDENCY NEAR AMOLIK CHOWK SECTOR -86 KHERI KALAN (113) FARIDABAD HARYANA 121002 HAVE CHANGED NAME TO HIMANK BATRA

NAME CHANGE
I, Mohd Iqbal S/o Islamuddin R/o H.No.D-4/33, Street No.4, D-Block, Brijpuri, Delhi-110094 have changed my name to Mohammad Iqbal.

NAME CHANGE
I, Simran Sanjay Dhir W/o Avneet Singh Kapoor R/o 8/62, Geeta Colony, Delhi-110031 have changed my name to Simran Kaur Kapoor.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Rakhi Alias Rakhi Aswani, Mrs. Lovely Khurana & Mrs. Kanika Bhasin are the absolute owner of Freehold Built-on Property No. 858/7, area measuring 125 Sq. Yards, out of Khasra No. 600/92, situated at Govind Puri, Kalkaji, New Delhi-110019. by virtue, Sale Deed dated 21.02.2025 duly regd. as Doc. No. 2025/10/I/1393, Book No. 1, Vol. No. 18583, Page No. 113-138 dated 21.02.2025, SR- South East Mehrauli., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) SMC of Late Mr. Sita Ram & (2) Probate Order for Regd. Will dated 10.12.2007 now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and Shop No. 2, on Ground Floor (Front Side Right Side Portion), without roof rights will be Sale to Mrs. Sandhya Burman and Shop No. 1 on Ground Floor (Front Side, Left Side Portion) without roof right will be Sale to Mr. Bablu Prasad Sharma and same will be finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Kalkaji New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Vinita Kumari purchasing Freehold Residential Plot, area measuring 33 Sq. Yds., Out of Total Area Measuring 200 Sq. Yds., Out of Khasra No. 1041, Situated at Waka Sivana Mauja Hall Colony Raj Nagar, Tehsil & Distt. Gurgaon Haryana. from Mr. Shailender Kumar & Mr. Jitendra & Mrs. Lalita & Mr. Usha & Mr. Shivang & Mrs. Garima., initially Mr. Ram Narayan S/o Mr. Bhoop Singh was the absolute owner in respect of Plot, area measuring 200 Sq. Yds. Out Khasra No. 1041. Thereafter Mr. Ram Narayn died on 08.11.2013 & his wife Mrs. Prem Lata Died on 21.11.2017 & her son Mr. Shankar Lal Died on 05.04.2021., our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Piramal Finance Ltd. Branch: Dwarka, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I Parvesh Kumar S/o Shiv prasad R/o House no. B-292, Street No. 3, Meet Nagar, North East Delhi - 110094, Declare that name of my Father and Mother has been Wrongly written as Shiv Prashad and Vindmati in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father and Mother are Shiv Prasad and Bind Mati

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती विद्या गर्ग, एक फ्रीहोल्ड आवासीय भूखंड 200 वर्ग गज (अर्थात् 167.224 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल वाले जो खसरा संख्या 230 का भाग है, तथा ग्राम भंगेल बेगमपुर, ज्यूपिटर एन्क्लेव, महर्षि आश्रम के निकट, परगना एवं तहसील दादरी, जनपद गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है, की स्वामिनी हैं। श्रीमती विद्या गर्ग ने उक्त संपत्ति को श्रीमती अंजुला चतुर्वेदी से विक्रय विलेख दिनांक 23.08.2012 के माध्यम से क्रय किया था, जो दस्तावेज संख्या 4166 के रूप में पंजीकृत है। कृपया ध्यान दें कि उक्त संपत्ति से संबंधित मूल श्रृंखला दस्तावेज, अर्थात् विक्रय विलेख दिनांक 27.10.2006 (दस्तावेज संख्या 6128 के रूप में पंजीकृत), गुम हो गए हैं। अतः उक्त मूल दस्तावेज उपर्युक्त संपत्ति के संबंध में उपलब्ध नहीं है। उपरोक्त दस्तावेजों के गुम होने के संबंध में दिनांक 20.02.2026 को ऑनलाइन प्राथमिकी (लॉस्ट रिपोर्ट संख्या 116963/2026) दर्ज कराई गई है। यह भी सूचित किया जाता है कि उक्त संपत्ति का वित्तपोषण डीसीबी बैंक लिमिटेड (DCB Bank LTD), करोल बाग शाखा, नई दिल्ली, द्वारा वित्तपोषित किए जाने का प्रस्ताव है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I Dhanashri legally wife of Army no - 2806108F, Rank - NK, Name - Bhosale Amol Mansing , At - Gondawale B.K. Post - Gondawale B.K., Teh- man Dist - Satara , State - Maharastra, Pin Code - 415540 have changed my name from Dhanashri to Dhanashri Amol Bhosale for All future purposes. Vide affidavit dated 20/12/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SHALINI legally mother of Sir Army no - 2806108F, Rank - NK, Name - AMOL MANSING BHOSALE, presently residing At - Gondawale B.K., Post - Gondawale B.K., Teh - Man, Dist - Satara, State - Maharashtra, Pin - 415540 have changed my name from SHALAN to SHALINI MANSING BHOSALE and date of birth 30/07/1959 to 01/01/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 20/02/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I SAYED RAZIYA legally mother of Army no-2804512X Rank-Hav, Name-AKRAM SAYED, presently residing At-Gopalapatnam, Post-Gopalapatnam, Teh-Gopalapatnam, Dist-Visakhapatnam, State- Andhra Pradesh, Pin 530027 have changed my name from SAYED RAZIYA to SAYED RAJIYA and date of birth is 20/03/1963 to 10/10/1970 for all future purposes. Vide affidavit dated 20/02/2016 before Notary Delhi.

Date of Birth Change
I SAYED ANWAR legally father of Army no-2804512X, Rank-Hav, Name-AKRAM SAYED, presently residing At-Gopalapatnam, Post-Gopalapatnam, Teh-Gopalapatnam, Dist-Visakhapatnam, State- Andhra Pradesh, Pin 530027 have changed my date of birth 20/03/1958 to 03/03/1965 for all future purposes. Vide affidavit dated 20/02/2016 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I eliz majid D/O Abdul Majid residing at D-7/12 m.i g flats Sarai Khalil sadar bazar . Delhi -110006. have changed my name to eliza

NAME CHANGE
I LEENA W/O XAVIER FRANCIS R/O HOUSE NO-165 BASANT APARTMENT VASANT VIHAR SOUTH WEST DELHI-110057 HAVE CHANGED MY NAME TO LEENA XAVIER

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mrs. Anisa Begum is the owner of Freehold Residential House No. 1006, area measuring 50 Sq. Yds., out of Khasra No. 66, situated at Gali No. 33, in the area of Village Jafrabad, Illaqa Shahdara, Delhi-53. Initially Mr. Islam S/o Late Mr. Matroo & Mrs. Anisa Begum W/o Mr. Islam were the joint owners of said property, and after the death of Mr. Islam S/o Late Mr. Matroo leaving behind his legal heirs i.e., Mrs. Anisa Begum (Wife) & Mohd. Aqib (Son), and now Mohd. Aqib will be executed Regd. Relinquishment Deed in favour of his mother Mrs. Anisa Begum. And then Mrs. Anisa Begum will be solely owner of the said property. our client is declaring that any other Person does not have any right over the said property, which is to be financed by Home First Finance Company India Ltd. Branch: Vaishali Ghaziabad, Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I Kanu Priya Sinha D/o Krishna Gopal Sinha and W/o Vineet Shrivastava R/o Flat No.-402, Tower No.-38, Louts Boulevard, Espacia, Sector-100, Noida, Maharishi Nagar, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201304, have changed my name to Kanu Priya Shrivastava.

NAME CHANGE
I Shivani D/o Man Mohan Singh R/o Bihat Gaur, Sitapur, Uttar Pradesh - 261141, have changed my name to Arati Singh.

NAME CHANGE
I Janki Devi W/o Ayodhya R/o Sidhiyavan, Jagdishpur, Amethi, Uttar Pradesh - 227809, have changed my name to Ramjanaki.

NAME CHANGE
I, Shashi Kant Shukla S/o Surya Prakash Shukla R/o 13/476 Arya Nagar, Near Shri Durga Mandir, Firozabad, Uttar Pradesh - 283203, have changed my minor daughter's name from Anshika Shukla aged 12 years to Anika Shukla forever.

NAME CHANGE
It is for general information that I SHASHWAT SODHANI S/O VIJAY SODHANI R/O 46A, Gali No-15, East Azad Nagar, East Delhi, Delhi-110051 declare that the name of mine, my father and my mother has been wrongly written as SHASWAT SODANI, VIJAY SODANI and USHA SODANI in my all educational documents and name of my father has been wrongly written as VIJAY KUMAR in my Pan Card No-GSWPS2326K. The actual name of mine,my father and my mother are SHASHWAT SODHANI, VIJAY SODHANI and USHA SODHANI respectively which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I RAJEEV kumar sharma s/o Ram Sudershan Sharma r/o house no J-27,gali no 05 , vijay colony 3-1/2 pusta, Kartar Nagar, Delhi 110053 changed my name to RAJEEV SHARMA for all purpose .

NAME CHANGE
I RISHI KUMAR s/o HANUMAN DASS GOLYAN r/o E2/20 Right portion , upper ground floor , near jain market , gali no O, Shastri nagar, Delhi 110052 changed my name to RISHI KUMAR GOLYAN for all purpose.

NAME CHANGE
I, SUBHAS KUMAR DAS is a real father of No 15679611X Rank HAV Name GOUTAM KUMAR DAS unit-3IDSR presently residing VPO-KHODAMBARI, TEH-HALDIA, DIST-PURBA MEDINIPUR, (WEST BENGAL)-721650 have changed my name from SUBHAS KUMAR DAS TO SUBHAS CHANDRA DAS for all future purposes. Vide Affidavit Dated 20/02/2026 before Notary Public New Delhi.

NAME CHANGE
I, KUMARI SEEMA THAKUR Wife of JC-285521M Rank-SUB, NAME-KISHORI LAL presently residing VILL-BAMOT, POST-PAHAL, TEH-DHAMI, DISTT-SHIMLA, HIMACHAL PRADESH - 171007, have changed my name from KUMARI SEEMA THAKUR to SEEMA for all future purposes vide affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, MUKESH KUMAR S/O DEVI SHARAN TYAGI residing V-25, TOP FLOOR, NAVEEN SHAHDARA, DELHI-110032. have changed my name to MUKESH TYAGI for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I, MOHD BILAL Son of YUNUS residing at L-2-1641, GALI NO-30B, SANGAM VIHAR, NEW DELHI-110062, declare that name of my mother has been wrongly written as SABNAM in my 10th Class Educational Documents and my Birth Certificate No-3179. The actual name of my mother is SHABNAM respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection

NAME CHANGE
I, VIRENDRA KUMAR S/O AMRIT LAL residing H NO-532, DARIBA KALAN, CHANDANI CHOWK, DELHI-110006 have changed my name to VIRENDER for all future purposes.

NAME CHANGE
I, GAYYUR ALI S/O MUKIM AHMED residing T-404 2ND FLOOR BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to GAYYUR AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE
I, MUQEEM AHMED S/O SHRIF AHMED residing T-404 2ND FLOOR BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to MUKIM AHMED for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SEHNAZ KHATOON W/O MUKIM AHMED residing T-404 2ND FLOOR BASTI HAZRAT NIZAMUDDIN DELHI-110013 have changed my name to ASGARI BEGAM for all future purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, KAMLESH mother of No.17013495P Rank-NK Name-SOHAN residing at VPO-GULYANA, TEHSIL & DIST-KAITHAL, HARYANA-136027, in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 28/03/1971 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शकुंतला, पत्नी श्री कृष्ण लाल, तीसरी मंजिल, छत के अधिकारों सहित, निर्मित संपत्ति संख्या 28-ए, क्षेत्रफल 49 वर्ग गज, यानी 40.96 वर्ग मीटर के संबंध में... श्री राकेश जैन, पुत्र श्री सुखबीर सिंह चैन द्वारा निष्पादित वसीयत और वसीयत के अनुसार, गुस्तविल संख्या 19, किला संख्या 12, राशिद मार्केट की आबादी में, गाँव सुरेवी खास, इलाका शाहदरा, दिल्ली-51 में स्थित संपत्ति, दिनांक 16.08.2011 के आईजीपीए (IGPA) के तहत, जो एसआरओ VIII, नई दिल्ली/दिल्ली में विधिवत पंजीकृत है, दस्तावेज संख्या 7154, पुस्तक संख्या 4, खंड संख्या 3854, पृष्ठ संख्या 63-68, दिनांक 16.08.2011 के अंतर्गत, उक्त संपत्ति फरहीन को बेची जानी है और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का कोई विवाद है, तो कृपया वर्तमान तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में मुझे सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

NAME CHANGE
I, POONAM wife of JC-284119W, Rank-SUB, Name-MAHESH KUMAR residing at H.NO-7A, GALI NO-3, NEAR GOLDEN ERA PUBLIC SCHOOL, KALAWATI VIHAR, SONIPAT, HARYANA-131001, have changed my name from POONAM to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, PRATYUSH YADAV son of SURENDRA PRATAP residing at R-303 Great Value Sharanam Apartment, Near Starling Mall, Sector 107, Noida, PO: Maharishi Nagar, DIST: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201304 have changed the name of my minor son IVAAN YADAV aged 4 years and he shall hereafter be known as ABHYUDAY IVAAN YADAV.

NAME CHANGE
I, MANSI Daughter of JC-284119W, Rank-SUB, Name-MAHESH KUMAR residing at H.NO-7A, GALI NO-3, NEAR GOLDEN ERA PUBLIC SCHOOL, KALAWATI VIHAR, SONIPAT, HARYANA-131001, have changed my name from MANSI to MANSI SHARMA for all future purposes vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, M GANTHI MATHI mother of No-15680027M Rank-HAV Name-M SELVARAJ residing at 3/6, NORTH STREET, SHUNMUGANALLUR, PERIYAKOILANKULAM, TIRUNELVELI, TAMIL NADU-627953, have changed my name from M GANTHI MATHI to GANDHIYAMMAL M for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1958 instead of my correct date of birth as 26/05/1965 Vide Affidavit dated 20/02/2026 before Notary Public Delhi.

Public Notice
I, DARA CHARAN S/o MOUJEELAL R/o Donkeli, P.O. Dokeli, Distt. Firozabad, Uttar Pradesh-283203 has embraced Sikhism and renounced Hinduism on 31.08.2025. In future my name will be considered as DARA CHARAN SINGH and not DARA CHARAN.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेा से छापकर प्रकाित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में एक साल में मिले 5877 एचआईवी पॉजिटिव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 12,40,205 लोगों की एचआईवी जांच की गई, जिनमें से 5,877 व्यक्ति एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने जारी जानकारी में कहा कि राज्य में वर्तमान में 104 एकीकृत परामर्श एवं जांच केंद्र संचालित हैं, जिनमें फरीदाबाद में एक मोबाइल इकाई भी शामिल है। इन सभी केंद्रों पर निःशुल्क सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। डॉ.मिश्रा ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि समाज के प्रत्येक वर्ग तक बिना किसी भेदभाव के जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। इस वित्त वर्ष में राज्य ने मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी उपलब्धि हासिल की है। पांच लाख 65 हजार 830 गर्भवती महिलाओं की एचआईवी जांच की गई, जिनमें से 613 महिलाएं एचआईवी पॉजिटिव पाई गईं और उन्हें समय पर उपचार से जोड़ा गया, जो एचआईवी/एड्स के ऊर्ध्वाधर संचरण के उन्मूलन में मदद करता है। उपचार सुविधाओं के विस्तार के तहत राज्य में 24 एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी केंद्र रोहतक, गुरुग्राम, फरीदाबाद, करनाल, हिसार, अंबाला और मेवात सहित प्रमुख जिलों में संचालित हैं। इनमें से 13 नए केंद्र मेडिकल कॉलेजों में स्थापित किए गए हैं, जिससे मरीजों को उन्नत उपचार सुविधाएं अपने निकट ही उपलब्ध हो रही हैं और उन्हें लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ रही। इसके अतिरिक्त 5 फैसलिटी इंटीग्रेटेड एआरटी केंद्र तथा 4 लिंक एआरटी केंद्र भी कार्यरत हैं।

सूरजकुंड झूला हादसा को लेकर मानव आयोग ने मांगी विस्तृत रिपोर्ट

फरीदाबाद। ह्यूमन राइट्स कमीशन ने 39वें सूरजकुंड इंटरनेशनल सेल्फ-रिलायंट क्राफ्ट्स मेले में 7 फरवरी को हुए झूले हादसे का संज्ञान लिया है और अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है। डिस्ट्रिक्ट डिप्टी कमिश्नर आयुष सिन्हा को एक महीने के अंदर एक डिटेल्ड रिपोर्ट देने को कहा गया है, जिसमें जांच कमिटी के नतीजे, एफआईआर का मौजूदा स्टेटस और आरोपियों के खिलाफ की गई कार्रवाई शामिल हो। शहीद इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद के परिवार को दिए गए मुआवजे और पब्लिक इवेंट्स में तैनात पुलिसवालों की सुरक्षा पक्का करने के लिए उठाए गए कदमों पर भी रिपोर्ट मांगी गई है। कमीशन के चेयरपर्सन जस्टिस ललित बत्रा, कुलदीप जैन और दीप भाटिया ने बताया कि सुनामी झूला, जो लगभग 26 लोगों के साथ पूरी कैपेसिटी से चल रहा था, अचानक गिर गया। हादसे में 13 से ज़्यादा लोग घायल हो गए, जबकि इंस्पेक्टर जगदीश प्रसाद ने दूसरों को बचाने की कोशिश में अपनी जान गंवा दी। हरियाणा सरकार, हेरिटेज और टूरिज्म डिपार्टमेंट और सूरजकुंड मेला अथॉरिटी को मेलों और अम्यूजमेंट राइड्स के लिए मौजूदा सेफ्टी गाइडलाइंस पर एक डिटेल्ड रिपोर्ट देने और उन्हें मजबूत करने के लिए सुझाए गए कदमों के बारे में बताने को कहा गया है।

लुवास के नॉन-टीचिंग कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

हिसार। लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), के नॉन-टीचिंग कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से चंडीगढ़ में शिष्टाचार भेंट कर अपनी लंबित मांगों को उनके समक्ष विस्तार से रखा। इन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। इस अवसर पर कर्मचारियों ने सेवा सुरक्षा अधिनियम (जॉब सिक्योरिटी एक्ट) को विश्वविद्यालयों में लागू किए जाने की मांग प्रमुखता से उठाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा उन्हें आश्वस्त किया कि संबंधित अधिकारी इस विषय पर कार्य कर रहे हैं और शीघ्र ही विश्वविद्यालयों के कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों को सेवा सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत शामिल करने की दिशा में सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा सरकार द्वारा सेवा सुरक्षा अधिनियम को कैबिनेट एवं विधानसभा से पारित किया जा चुका है, किंतु अभी तक इसे राज्य के विश्वविद्यालयों में लागू नहीं किया गया है। इस कारण कॉन्ट्रैक्चुअल कर्मचारियों में असंतोष की स्थिति बनी हुई है। कर्मचारी लंबे समय से इस अधिनियम को विश्वविद्यालय में लागू करने की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें भी सेवा सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

विधानसभा का बजट सत्रः विपक्ष के सवालों का जवाब देने को तैयार सरकार

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। बजट सत्र के दौरान विपक्ष के सवालों का जवाब देने के लिए सरकार ने दिनभर बैठकों का आयोजन करके रणनीति बनाई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चंडीगढ़ आवास में दो अहम बैठकों के जरिए सत्र की रूपरेखा तय की। पहले चरण में मुख्यमंत्री ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ अनौपचारिक बैठक की। इसमें प्रश्नकाल और शून्यकाल में विपक्ष द्वारा उठाए जाने वाले संभावित मुद्दों की समीक्षा की गई। साथ ही सरकार की ओर से पेश किए जाने वाले संभावित विधेयकों पर भी चर्चा हुई। मंत्रियों को विभागवार तैयारी रखने और तथ्यात्मक जवाबों के साथ सदन में उपस्थित रहने को कहा गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने विधायक दल की बैठक ली, जिसमें मंत्रियों के साथ अधिकांश विधायक मौजूद रहे। सरकार को समर्थन दे रहे तीनों निर्दलीय विधायक - सावित्री जिंदल (हिसार), देवेंद्र कादियान (गन्नौर) और राजेश जून (बहादुरगढ़) भी बैठक में शामिल हुए। उनकी मौजूदगी ने सत्तापक्ष की एकजुटता का संकेत दिया। बैठक में विधायकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे अधिकतम समय सदन में मौजूद रहें।

हरियाणा विधानसभाः 18 मार्च तक चलेगा बजट सत्र, कार्य सलाहकार समिति ने लगाई मुहर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र 18 मार्च तक चलेगा। वीरवार को विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की अध्यक्षता में आयोजित कार्य सलाहकार समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। समिति की रिपोर्ट सदन में प्रस्तुत की जाएगी। सदन कंसिडर करके इस रिपोर्ट को स्वीकृत करेगा। विधान सभा का बजट सत्र महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के साथ 11 बजे शुरू होगा। पहले दिन शोक प्रस्ताव भी पढ़े जाएंगे। 21 व 22 फरवरी को सदन में अवकाश रहेगा। 23 फरवरी को सदन 2 बजे शुरू होगा। 24 से 27 फरवरी तक सत्र की बैठकें प्रातः 11 बजे शुरू होंगी। 27 फरवरी को मुख्यमंत्री राज्यपाल के अभिभाषण का जवाब देंगे। इसी कड़ी में 2 मार्च को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर वित्त मंत्री बजट पेश करेंगे। कई दिन चर्चा के बाद प्रस्ताव पर वोटिंग होगी। 17 मार्च को बजट एस्टीमेट पर वोटिंग होगी। समिति में शून्य काल तथा प्रश्नकाल भी होंगे। विस्तृत जानकारी सदन की स्वीकृति के बाद सांझी की जाएगी। कार्य सलाहकार समिति की बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह, संसदीय कार्य मंत्री महिपाल ढांडा, सामाजिक न्याय, सशक्तिकरण, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग; कल्याण एवं अंत्योदय (सेवा) मंत्री कृष्ण कुमार बेदी, नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक गीता भुक्कल, विशेष आमंत्रित सदस्य विधान सभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, विधायक सावित्री जिंदल और अर्जुन चौटाला मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार कर रही ऐतिहासिक कार्य : भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। आदमपुर के पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार विकास, पारदर्शिता और जनकल्याण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रही है। सरकार ने अपने कार्यकाल में हर वर्ग के हित में नीतियां बनाकर उन्हें लागू किया है। भव्य बिश्नोई आदमपुर हलके के कई गांवों में सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत कर रहे थे। इस दौरान लोगों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में पिछले समय में जो योजनाएं शुरू की गई हैं, उन्होंने युवाओं, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों और कर्मचारियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य किया है। भव्य बिश्नोई ने कहा कि नायब सैनी सरकार ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के मूल मंत्र को धरातल पर उतारते हुए प्रदेश के हर वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया है। भव्य बिश्नोई ने कहा कि युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता रही है। युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए स्टार्टअप और कौशल विकास कार्यक्रमों को गति दी गई है। आईटी, खेल और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है। किसानों के हितों की रक्षा करते हुए सरकार ने फसल खरीद प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद, समय पर भुगतान और फसल बीमा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से किसानों को राहत मिली है। सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं से कृषि क्षेत्र को मजबूती मिली है। भव्य बिश्नोई ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत वृद्धावस्था पेंशन में ढ़ोतरी करके 3200 रुपया मासिक करना, दिव्यांगजन सहायता और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचाने से जनता का सरकार पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

बजट सत्र में विधानसभा का घेराव करेगी कांग्रेस, विधायक दल की बैठक में फैसला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में बजट सत्र के दौरान कांग्रेस ने लगातार दो दिन तक विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया है। विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में 24 व 25 फरवरी को दो दिन विधानसभा का घिराव करने का निर्णय लिया गया। 24 फरवरी को विधायक नारेबाजी करते हुए विधानसभा परिसर तक पहुंचेंगे। अगले दिन 25 फरवरी को मनरेगा को खत्म करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस विधायकों द्वारा विधानसभा का घिराव किया जाएगा। इन दोनों प्रदर्शनों का नेतृत्व विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा करेंगे, जबकि हरियाणा कांग्रेस के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी इनमें शामिल होंगे।पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के चंडीगढ़ निवास पर हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में विधानसभा में उठाए जाने वाले मुद्दों पर चर्चा हुई। विधानसभा का बजट सत्र 20 फरवरी को आरंभ हो रहा है। बैठक में विधायकों के साथ चर्चा करने के बाद विपक्ष के नेता ने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा चुकी है। आम आदमी सुरक्षित नहीं है। प्रदेश में जलभराव की स्थिति में अभी तक सुधार नहीं हुआ है। लाखों लोगों की पेंशन काट दी गई है।भूपेंद्र हुड्डा ने आरोप लगाया कि राज्य लगातार कर्ज में डूब रहा है।

प्रदेश की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है। एसवाईएल नहर के निर्माण पर हरियाणा के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू नहीं किया जा रहा है। राज्य सरकार ने राजधानी चंडीगढ़ पर अपना दावा छोड़ दिया है। प्रदेश में अवैध माइनिंग माफिया पूरी तरह से सक्रिय है।

राजनीतिक हताशा में आरोपों की राजनीति कर रहा विपक्ष : नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब कोई राजनीतिक दल जनता के बीच अपनी स्वीकार्यता खोने लगता है तो वह मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए आरोपों की राजनीति करता है। पंजाब में भाजपा की बढ़ती सक्रियता और जनसमर्थन को देखते हुए लगाए जा रहे तथाकथित 'ऑपरेशन लोट्स' जैसे आरोप पूरी तरह निराधार हैं और राजनीतिक हताशा का प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री वीरवार को चंडीगढ़ में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि जनता स्वयं तुलना कर रही है और विकल्प तलाश रही है तो इसका दोष किसी अन्य पर नहीं डाला जाना चाहिए। पंजाब की जनता अब शांति और विकास चाहती है और यह केवल भाजपा ही दे सकती है। जैसे हरियाणा विकास के पथ पर अग्रसर है, वैसे ही पंजाब भी बदलाव के लिए तैयार है। *एमएसपी खरीद पर खुली चुनौती, 24 फसलों की खरीद देश में रिकॉर्ड मुख्यमंत्री ने एमएसपी खरीद के मुद्दे पर विपक्ष को खुली चुनौती देते हुए कहा कि यदि आंकड़ों के साथ चर्चा हो तो 'दूध का दूध और पानी का पानी' हो जाएगा.उन्होंने कहा कि विपक्ष चाहता है कि किसान धरनों पर बैठा रहे, जबकि हमारी सरकार चाहती है कि किसान खेती कर देश और प्रदेश को खुशहाल बनाए । 24 फसलों की एमएसपी पर खरीद पूरे देश में एक रिकॉर्ड है, यह कोई जुमला नहीं बल्कि हकीकत है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील से देश के किसानों को लाभ होगा। हरियाणा जैसे कृषि प्रधान राज्य के किसान बासमती चावल, डेयरी उत्पाद, फल, सब्जियां और प्रोसेस्ड फूड के लिए अमेरिकी बाजार तक पहुंच बना सकेंगे। साथ ही यूरोपीय संघ के साथ टैक्टाइल, ऑटोमोबाइल और हैवी इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने के अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। बुजुर्गों की पेंशन काटे जाने के आरोपों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष संवेदनशील विषय पर झूठ और भ्रम फैलाकर सस्ती लोकप्रियता लेना चाहता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन दो लाख मामलों का उल्लेख किया जा रहा है, उनमें से 1 लाख तीन हजार से अधिक मामलों में लाभार्थियों का निधन हो चुका था। लगभग 37 हजार मामलों में आयु गलत दर्ज करवाई गई थी और 39 हजार मामलों में सत्यापन लंबित था। दस्तावेजों की जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1992 में कांग्रेस सरकार ने 10 हजार रुपये आय सीमा निर्धारित की थी, जो 2009 तक नहीं बढ़ाई गई। हमारी सरकार ने वर्ष 2023 में आय सीमा 2 लाख से बढ़ाकर 3 लाख की, जिससे लाभार्थियों की संख्या 17 लाख 98 हजार तक पहुंची और आज 20 लाख से अधिक बुजुर्ग पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इनेलो शासन में पेंशन 200 रुपये और कांग्रेस के 10 वर्षों में 700 रुपये बढ़ी, जबकि हमारी सरकार ने 11 वर्षों में 2200 रुपये की ऐतिहासिक वृद्धि की है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और सफाई को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्तों के साथ मिलकर करें काम : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत कबीर कुटीर निवास स्थान पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में जिलों में सफाई, कचरा प्रबंधन, सफाई व्यवस्था, शिकायत निवारण सिस्टम को मजबूत करने और प्रशासनिक क्षमता में सुधार करनरे पर फोकस किया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी कार्यक्रम के परियोजना निदेशक डॉ. यशपाल भी मौजूद रहे। सुशासन सहयोगियों ने मुख्यमंत्री को जिलों में जमीनी स्तर पर आने वाली मुख्य चुनौतियां और अपने-अपने जिलों में किए जा रहे नए तरीकों के बारे में अवगत करवाया। उन्होंने कचरा अलग-अलग करने, नालों की सफाई, सीवरेज दुरूस्त करने, मैनपावर की कमी और लोगों में जागरूकता की कमी से जुड़े मुद्दों पर बात की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मीटिंग में शामिल हुए निगम आयुक्तों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने अपने-अपने इलाकों में साफ सफाई के साथ कचरा प्रबंधन को मज़बूत बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने नालों और सीवर लाइनों की नियमित रूप से सफाई करने और सीवरेज में आने वाली रुकावटों को तुरंत दूर करने तथा सफाई से जुड़े सभी लम्बित कामों को तेज़ी से पूरा करने की आवश्यकताओं पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि निगम आयुक्त संबंधित ज़िलों में सीवरेज से जुड़ी सभी शिकायतों के लिए नोडल ऑफ़िसर के रूप में काम करेंगे और उन्हें जनस्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर काम करना चाहिए ताकि उनका जल्दी समाधान किया जा सके। जनता या शिकायत पोर्टल से मिली किसी भी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए और समयबद्ध ढंग से शिकायतों का निवारण किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सफ़ाई और स्वच्छता पैरामीटर में औसत आधार पर कार्य कर रहे ज़िलों के निगम आयुक्तों के साथ वन-टू-वन बातचीत की और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सुधार के उपाय करने और स्वच्छता पैमाने के साथ अपनी रैंकिंग में सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ज़मीनी स्तर पर दिखने वाले ऐसे सुधारों के परिणाम भी दिखने चाहिए जिनका आंकलन किया जा सके।मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक क्षमता के महत्व को दोहराते हुए अधिकारियों को कार्य के समय आने वाली रुकावटों से बचाव के लिए ज़िला स्तर पर पर्याप्त स्टाफ को सही ढंग से तैनात करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी फ़ाइल बिना वजह पेंडिंग नहीं रहनी चाहिए और सभी मामलों का आसान प्रक्रिया से तुरंत निपटाया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की भागीदारी और व्यवहार में बदलाव को मज़बूत बनाने के लिए सूचना एवं जागरूकता गतिविधियों को तेज़ किया जाए। उन्होंने सुशासन सहयोगियों को कचरा हॉटस्पॉट स्थानों की पहचान करने और ऐसे इलाकों में स्वच्छता के स्लोगन और जागरूकता संदेश लिखने के साथ-साथ विशेष सफ़ाई अभियान चलाने के निर्देश दिये।

राजकीय स्कूलों में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का होगा आयोजन

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश के सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया जाएगा। आयोजित होने वाले कार्यक्रम में विद्यार्थियों के माता-पिता की सहभागिता रहेगी और अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, खंड मौलिक शिक्षा अधिकारियों के साथ स्कूल मुखिया और प्रभारियों को प्रार्थना सभा के दौरान अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर चर्चा करने के निर्देश जारी किए हैं। दरअसल, इस दिवस को मनाने का मकसद भाषा विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक करना है, ताकि शैक्षिक परिणामों में सुधार हो सके। 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर विद्यार्थियों के अभिभावकों के साथ एसएमसी सदस्य भी हिस्सा लेंगे। परिषद की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं कि सभी एफएनएल समन्वयकों को अधिकारियों और मेंटर्स के साथ बैठक कर कार्ययोजना तैयार करनी होगी। इस दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की जाएगी। वहीं, सभी शिक्षक और विद्यालय प्रबंधन समितियों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें अभिभावकों ओ आमंत्रित करने में सक्रिय रूप से शामिल करें, ताकि मजबूत अभिभावक भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। परियोजना परिषद की ओर से अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आयोजित गतिविधियों का शेड्यूल जारी किया गया है। बालवाटिका-2 के विद्यार्थी मातृभाषा में अपना परिचय देंगे इसके साथ ही, चुनिंदा शब्द बोलेंगे और अभिभावक बच्चों को बोलने के लिए प्रेरित करेंगे। यही नहीं, विद्यार्थी तस्वीर को देखकर उस पर मातृभाषा में चर्चा करेंगे। विद्यार्थी, फॉक गीत और स्टोरी की भी प्रस्तुति दे सकते हैं। वहीं कक्षा-3 के लिए नानी-दादी की कहानी सुनाने की गतिविधि आयोजित होगी।

पशुओं के पॉलिक्लिनिक एवं अस्पतालों के लिए आधुनिक मशीनें खरीदी जाएंगी : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में पशुओं के पॉलिक्लिनिक एवं अस्पतालों के लिए आधुनिक मशीनें खरीदी जाएंगी ताकि पशुपालकों के पशुधन का सस्ते में ईलाज हो सके। उन्होंने बताया कि आज हाई पावर्ड परचेज कमेटी में गैस एनेस्थीसिया मशीन , अल्ट्रासाउंड मशीन, ब्लड टेस्ट उपकरण तथा 'बायो सेफ्टी लैब्स लेवल - 2' स्थापित करने को मंजूरी दी गई है। राणा की अध्यक्षता में हुई बैठक में कमेटी के सदस्य हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा भी उपस्थित थे। इनके अलावा , पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रधान सचिव विजय सिंह दहिया , महानिदेशक डॉ प्रेम सिंह , संयुक्त निदेशक डॉ सुखदेव राठी , आपूर्ति एवं निपटान विभाग के महानिदेशक पंकज , वित्त विभाग के विशेष सचिव डॉ जय इंद्र सिंह समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे। पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हाई पावर्ड परचेज कमेटी में प्रदेश में पशुओं के ईलाज के लिए स्थापित पॉलीक्लिनिकों हेतु गैस एनेस्थीसिया मशीन खरीदने की मंजूरी दी गई है। इससे डॉक्टरों को पशुओं की सर्जरी करने में सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि पशुओं के इलाज (सर्जरी) में गैस एनेस्थीसिया मशीन इंजेक्टेबल की तुलना में अधिक सुरक्षित है, जो सटीक खुराक, तेज़ रिकवरी और बेहतर नियंत्रण प्रदान करती है। यह ऑक्सीजन के साथ मिलकर काम करती है, जिससे पशुओं के हृदय और अन्य अंगों पर दबाव कम पड़ता है। यह प्रणाली दर्द प्रबंधन और छोटे-बड़े जानवरों के लिए अत्यंत विश्वसनीय है। उन्होंने आगे बताया कि हिसार , रायपुररानी तथा सोनीपत में 'बायो सेफ्टी लैब्स लेवल - 2' स्थापित की जाएंगी। पशुओं में मध्यम जोखिम वाली बीमारियों की जांच के लिए उक्त लैब का उपयोग किया जाता है। यह लैब मानव/पशु स्वास्थ्य के लिए मध्यम-जोखिम वाले संक्रामक एजेंटों के परीक्षण के लिए होती है, इसमें विशेष पीपीई , बायोसेफ्टी कैबिनेट (क्र्स्ष्ट), और कीटाणुशोधन (ह्लह्लश्च्यड्ड1द्द) की सुविधा होती है, जो श्वसन या त्वचा के संपर्क से संक्रमण रोकती है। उन्होंने बताया कि 'बायो सेफ्टी लैब्स लेवल - 2' में पशुओं से इंसानों में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों की जांच की जाती है ताकि इंसान बीमार पशुओं के सम्पर्क में आकर संक्रमित न हों और वे सुरक्षित रह सकें। श्याम सिंह राणा ने यह भी बताया कि पशुओं के ईलाज के लिए अल्ट्रासाउंड मशीने भी खरीदी जाएंगी। पशु चिकित्सा में प्रयुक्त होने वाली ये अल्ट्रासाउंड मशीन जानवरों के आंतरिक अंगों, ऊतकों और गर्भावस्था का गैर-आक्रामक (non-invasive) और विकिरण-मुक्त निदान करने के लिए एक अच्छी तकनीक है।

प्रशासनिक कार्यप्रणाली समझने के लिए विद्यार्थियों ने किया विभिन्न कार्यालयों का दौरा

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत प्रशासन से परिचय कार्यक्रम के तहत दो निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों को सरकारी कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रशासनिक व्यवस्था की वास्तविक जानकारी देना और उनमें जागरूक नागरिक बनने की भावना विकसित करना रहा।

कार्यक्रम के अंतर्गत ब्राइट स्कॉलर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय और वीएसपीके इंटरनेशनल विद्यालय के विद्यार्थियों ने विभिन्न सरकारी कार्यालयों का दौरा किया। उन्होंने समाधान शिविर में आमजन की समस्याओं का मौके पर समाधान होते हुए देखा और प्रक्रिया को समझा। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने मुरथल स्थित जेबीएम कंपनी, सदर थाना, सरल केंद्र, उपमंडल अधिकारी कार्यालय तथा अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय का भी अवलोकन किया। उपमंडल अधिकारी सुभाष चंद्र ने विद्यार्थियों को समाधान शिविर की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सप्ताह में दो दिन आयोजित होने वाले इन शिविरों में लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाता है। विद्यार्थियों को शिविर के उद्देश्य और पूरी प्रक्रिया को सरल भाषा में समझाया गया।

इस दौरान प्रशासन से परिचय अभियान के नोडल अधिकारी डॉ अतर सिंह ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में उपमंडल अधिकारी सुभाष चंद्र और एसीपी राजदीप मोर ने विद्यार्थियों को प्रशासनिक बैज पहनाकर उनका उत्साहवर्धन किया। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जागरूक युवा ही जिम्मेदार और आदर्श समाज का निर्माण कर सकते हैं।

जब तक दुनियावी वस्तुओं का लालच होगा साधना सफल नहीं होगीः श्री कौशिक महाराज

एजेंसी

गुरुग्राम। गौतीर्थ तुलसी तपोवन गौशाला वृंदावन के संचालक एवं विश्व प्रसिद्ध कथावाचक पुराण मनीषी परम पूज्य श्री कौशिक जी महाराज ने आठवें दिन की श्री शिवमहापुराण कथा एवं गोमहोत्सव में साधक की साधना सफल होने को लेकर प्रेरणादायी वचन कहे। उन्होंने कहा कि जब तक दुनियावी वस्तुओं का लालच होगा, साधना सफल नहीं होगी। व्यक्ति का भोगों का लालच जिंदगीभर खत्म नहीं होता। इसलिए वह सिद्ध पुरुष नहीं बन पाता। अगर ऐसा बनना है तो भोग, विलासिता का त्याग करना होगा। वे ओल्ड जेल कॉम्पलेक्स में कथा के आठवें दिन प्रवचन कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिद्ध व्यक्ति स्वयं रतन की तरह हो जाता है। बिना मांगे सब मिल जाता है। वो जो बोलता वही पूरा हो जाता है। साधक की साधना सफल होने के लक्षणों पर पूज्य गुरुजी ने कहा कि लक्षणों से पता चलेगा हमारी साधना सफल हो रही है। जिसकी साधना सफलता की ओर से बढ़ेगी उसकी वाणी में मधुरता, क्रोध पर नियंत्रण नजर आएगा। कोई कुछ भी कहे, कोई अपमान करे तो भी उसे फर्क नहीं पड़ेगा। जिस व्यक्ति में यह

लक्षण नजर आएं तो समझें उसकी साधना सफल हो रही है। श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि व्यक्ति चलते हुए दिशाओं को प्रणाम कर रहे हैं। बच्चों को ईश्वर का रूप समझकर प्रणाम कर रहे हैं तो समझें साधना, भजन बढ़ रहे हैं। छोटों में छोटे, युवाओं में युवा, वृद्धों में वृद्ध हो जाए तो समझो साधना बढ़ रही है। उन्होंने पानी के गुणों का जिक्र करते हुए कहा कि पानी की गुणवत्ता यही है कि वह दूध में मिल जाता है तो दूध बन जाता है। रस में मिल जाता है तो रस बन जाता है। पानी के जैसा ही साधक को होना चाहिए। वह महात्माओं के पास बैठे तो महात्मा हो जाए। बच्चों के साथ बच्चा और बड़ों के साथ विवेकी बन जाए। गुरुजी ने कहा कि साधक की महिमा अद्भुत होती है। श्री कौशिक जी महाराज ने कहा कि नारायण जी की सवारी गरुड़ है, महादेव की सवारी नंदी है, गणेश जी का वाहन चूहा है। सभी देवताओं ने कभी अपने वाहन नहीं बदले। इसके पीछे बड़ी महिमा है। क्योंकि सभी देवता संतुष्ट हैं। दूसरी बात यह कि देवताओं ने पशुओं को अपना वाहन बनाकर यह संदेश दिया कि पशु मारने के लिए नहीं हैं। उनका सम्मान करें संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि 12 ज्योतिर्लिंग का अगर दर्शन इंसान कर ले तो वह पाप करने की ही ना सोचे। उन्होंने कहा कि कोई सुबह इन ज्योतिर्लिंगों का स्मरण कर ले तो उसके रातभर के पाप समाप्त हो जाते हैं और रात को सोते समय स्मरण कर ले तो दिनभर के पाप समाप्त हो जाते हैं।

नपा कनीना उपचुनाव के लिए मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य शुरू

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा स्वास्थ्य विभाग में लागू की गई ऑनलाइन तबादला पॉलिसी का विरोध शुरू हो गया है। नर्सिंग वैलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले प्रदेश भर की नर्सिंग ऑफिसर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से मुलाकात करने पहुंची और इस पॉलिसी को रद्द करने की मांग पर मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया। एसोसिएशन की प्रदेश अध्यक्ष विनीता बांगड़, प्रवीन छिक्कारा, सुशीला, कविता गुलिया, सुदेश हुड्डा, सुमन, पूनम सराय, पूनम,कमलेश, सुमन पुनिया,प्रतिभा,नवीन कुमार,दिनेश यादव ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद बताया कि नर्सिंग कैडर में 95 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। यह नीति नर्सिंग विभाग के कर्मचारियों पर लागू की जाती है, तो इससे कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों को भी कठिनाई होगी। नर्सिंग कैडर में कार्यरत अधिकांश कर्मचारी महिला कर्मचारी हैं। उन्हें अपने परिवार के सदस्यों की देखभाल करनी होती है। अनेक महिला कर्मचारियों के परिवार वहीं बसे हुए हैं, जहां उनकी वर्तमान में तैनाती है। स्थानांतरण की स्थिति में कर्मचारी को अपने परिवार को छोडकर दूसरे स्टेशन पर अपना कर्तव्य निभाना होगा। जो नर्सिंग कर्मचारी किसी स्टेशन पर लंबे समय से तैनात होते हैं, वे उस स्टेशन के इलाके से अच्छी तरह परिचित होते हैं। जिससे उन्हें नए स्थानांतरित कर्मचारी की तुलना में अपने कर्तव्यों का अधिक प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में मदद मिलती है। नर्सिंग कार्डर का काम चौबीसों घंटे सातों दिन का होता है। उन्हें काम के घंटों के बाद भी किसी भी आपातकालीन कॉल के लिए तैयार रहना पड़ता है, जो एक महिला कर्मचारी के लिए निभाना बहुत मुश्किल होगा। अगर उनका तबादला उनके परिवार से दूर किसी स्टेशन पर हो जाता है तो उन्हें अकेले रहना पड़ेगा।

आरबीआई के ड्रॉफ्ट नियमों से गिफ्ट सिटी में बढ़ेगा बैंकों का रुझान

- प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक मसौदा जारी किया है, जिसके तहत अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों को रुपये में नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट (एनडीडीसी) करने की अनुमति मिलेगी। यह सुविधा केवल उन बैंकों को मिलेगी, जिनकी इकाई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग यूनिट आईबीयू में संचालित होती है। कॉन्ट्रैक्ट सीधे या विदेशी शाखाओं के माध्यम से बैक-टू-बैक आधार पर किए जा सकते हैं, और निपटान रुपये या किसी विदेशी मुद्रा में नकद रूप में किया जा सकता है। सिंघानिया एंड कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि मसौदे का मुख्य उद्देश्य आईएफएससी में कामकाज बढ़ाना है। केवल आईएफएससी में संचालन करने वाले बैंकों को ही एनडीडीसी की अनुमति मिलने से गिफ्ट सिटी में वित्तीय गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी और विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा के अंतर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ओटीसी लेनदेन में बाजार निर्माण और मालिकाना पदों को शामिल करना, गैर-बैंक संस्थाओं के साथ एनडीडीसी में प्रवेश की अनुमति, और अपतटीय ईटीपी ट्रेडिंग में स्पष्टता विशेषज्ञों के लिए विशेष रूप से स्वागत योग्य है। आरबीआई ने अधिकृत डीलरों को नियामक सुरक्षा उपायों के तहत विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव का अपतटीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) पर लेनदेन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम भारत के फॉरेक्स बाजार के बढ़ते उदारीकरण और` गिफ्ट सिटी को एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आईडीएस रिफंड में कारोबारियों को दी बड़ी राहत

कोर्ट ने कहा, इनपुट और आउटपुट समान होने से आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता

नई दिल्ली ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर 2025 को साउथ इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के खिलाफ जीएसटी रिफंड खारिज करने के आदेशों को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इनपुट और आउटपुट समान होने के कारण आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता। सीजीएसटी कानून की धारा 54(3)(2) के तहत यह रिफंड दिया जाना चाहिए। इस फैसले से खासतौर पर उन कारोबारियों को फायदा मिलेगा जिनके व्यवसाय में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी)जमा होता है। इसमें शामिल हैं- खाद्य तेल निर्माता और वितरक, पेट्रोलियम वितरण कंपनियां, गैस सिलिंडर भरने वाले उद्योग और पैकेजिंग पर अधिक खर्च वाले एफएमसीजी कारोबार। वहीं एक अप्रत्यक्ष कर पार्टनर के अनुसार अब करदाता इस फैसले का आधार लेकर अपने आईडीएस रिफंड दावों की रक्षा कर सकते हैं। विभाग पहले इनपुट और आउटपुट समान होने का हवाला देकर रिफंड से इनकार कर देता था। यह फैसला इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। एक उदाहरण में सूरजमुखी, राइस ब्रान और पाम ऑयल को छोटे पैक (250 मिलीलीटर से 5 लीटर) में बेचने पर उत्पाद पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि पैकिंग सामग्री पर ज्यादा दर होती है। इससे आईटीसी जमा होता है और आईडीएस स्थिति बनती है। अब विभाग इस

आधार पर रिफंड नहीं रोक सकेगा। इस फैसले से जीएसटी रिफंड की लंबित प्रक्रिया में स्पष्टता और राहत मिलेगी। आईडीएस रिफंड की दिशा में यह करदाताओं के लिए एक बड़ा समर्थन साबित होगा।

ईपीएफओ जीईएम और जीएसटी डेटा के जरिए अनुपालन निगरानी कर रहा है मजबूत

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी अनुपालन निगरानी और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों के डेटाबेस के साथ इंटीग्रेशन शुरू किया है। सरकारी अधिकारी के अनुसार ईपीएफओ वर्तमान में 2024 और 2025 के लिए जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) से प्राप्त वन-टाइम डेटा डंप की जांच कर रहा है।

नवंबर 2025 में ईपीएफओ ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन जीईएम के साथ समझौता किया। जीईएम एक ऑनलाइन सरकारी खरीद मंच है, जहां केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें पीएसयू और स्वायत्त निकाय वस्तुएं और सेवाएं खरीद सकते हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेवा प्रदाताओं द्वारा भविष्य निधि योगदान का मासिक सत्यापन सुनिश्चित करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय और राजस्व विभाग के पत्राचार के बाद जीएसटी विभाग भी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन डेटा साझा करने के लिए सहमत हो गया। इससे ईपीएफओ को यह जानने में मदद मिलेगी कि पीएमवीबीआरवाय योजना के लाभार्थी संस्थान सही तरीके से योगदान दे रहे हैं। ईपीएफओ अपने अनुपालन तंत्र का विस्तार राज्य स्तर तक कर रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ पेरोल डेटा साझा किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में है, जबकि अन्य राज्यों से विवरण का इंतजार है। ईपीएफओ 99,446 करोड़ रुपये की पीएमवीबीआरवाय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। योजना लाभ के लिए संस्थानों को जीएसटीएन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जीईएम और जीएसएटी डेटा का आदान-प्रदान योजना के सही और पारदर्शी कार्यान्वयन में मदद करेगा।

आईटी शेयरों में एआई के डर से भारी बिकवाली, निफ्टी आईटी में गिरावट

- फरवरी में एफपीआई ने आईटी सेक्टर से 10,956 करोड़ निकाले

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी शेयरों में फरवरी के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 10,956 करोड़ रुपये की बिकवाली की। कुल मिलाकर, इस दौरान दलाल पथ पर 29,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, लेकिन आईटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स इस महीने अब तक 15 फीसदी गिर चुका है, जो मार्च 2020 के बाद का सबसे खराब मासिक प्रदर्शन है। कोफोर्ज के शेयरों में सबसे ज्यादा 17.7 फीसदी की गिरावट आई, इसके बाद एलटीआई माइंडट्री 17 फीसदी और इन्फोसिस 16.5 फीसदी टूटे। जबकि बेंचमार्क निफ्टी-50 1.2 फीसदी बढ़ा। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक फंडों ने आईटी के अलावा एफएमसीजी और हेल्थकेयर में करीब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं वित्तीय सेवाओं और पूंजीगत वस्तुओं में सबसे अधिक निवेश आया। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई से पारंपरिक आईटी सेवाओं के बिजनेस मॉडल को गंभीर खतरा महसूस किया जा रहा है। स्टार्टअप एंथ्रोपिक द्वारा नए एआई टूल के लॉन्च ने निवेशकों के डर को और बढ़ा दिया। विश्लेषकों ने अपने डीसीएफ मॉडल में आय अनुमानों में कटौती की, जिससे आईटी शेयरों के पीई अनुपात घटे।

एआई समाधान अपनाने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करें: अधिकारी

डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना हो सकता है जोखिमपूर्ण

नई दिल्ली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के एक अे धिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के प्रति अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए जब तक उनका पूर्ण परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित न हो। उन्होंने कनाडा के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि समान 'प्रॉम्प्ट' दिए जाने पर भी एआई विभिन्न तरीकों से डेटा का विश्लेषण कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि सरकारी विभागों को अपने आंकड़ों को मशीन-रीडेबल प्रारूप में तैयार करना चाहिए। इसके लिए डेटा में कॉन्टेक्स्ट फाइल, सिमैंटिक्स और मेटाडेटा होना जरूरी है। कॉन्टेक्स्ट फाइल जानकारी को सही संदर्भ में समझने में मदद करती है, सिमैंटिक्स डेटा के अर्थ और संदर्भ को स्पष्ट करता है, और मेटाडेटा अतिरिक्त जानकारी जैसे स्रोत, तारीख और संरचना प्रदान करता है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों और सरकारी विभागों के पास डेटा का कैटलॉग होना चाहिए। सभी फाइलें केवल पीडीएफ में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में होनी चाहिए ताकि एआई उनका सही उपयोग कर सके। गूगल के एक अे धिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी वैश्विक डेटा सेट को साझा 'नॉलेज ग्राफ' में लाकर डेटा सर्च इंजन बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसके बजाय, डेटा को प्रत्येक संगठन के पास सुरक्षित और स्थानीय स्तर पर संचालित किया जाना चाहिए।

इस वित्तीय वर्ष में उभरते बाजारों में मिलेंगे निवेश के अवसर: रिपोर्ट

- भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, 2026 में आय बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । गोल्डमैन सैक्स ऐसेट मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में उभरते बाजार (ईएम) निवेशक के लिए तीन प्रमुख थीम पेश कर सकते हैं- एआई -नेतृत्व वाला नवाचार, चीन का संरचनात्मक विकास, और भारत में चक्रीय सुधार। अनुकूल वित्तीय परिस्थितियां और आर्थिक सुधार इन बाजारों की मजबूती को बढ़ा सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार से टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में अवसर बन रहे हैं। चीन और ताइवान जैसे देशों को डेटा सेंटर, क्लाउड और ऑटोमेशन में निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। चाइना में रियल एस्टेट पर निर्भरता कम करने और हाई-टेक व ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं। ये पहल निवेशकों को लंबी अवधि के लिए आकर्षक अवसर दे सकती हैं। भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, लेकिन 2026 में आय में 14 फीसदी वृद्धि का अनुमान है, जो ईएम औसत 10 फीसदी से अधिक है।

ओमनीटेक इंजीनियरिंग 583 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

- मूल्य दायरा 216-227 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग घटक निर्माता ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 216-227 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी से खुलकर 27 फरवरी को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 24 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ 583 करोड़ रुपए का है, जिसमें 418 करोड़ रुपए नए शेयरों के माध्यम से जुटाए जाएंगे और 165 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री प्रस्ताव के तहत बेचे जाएंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ओमनीटेक के शेयर 5 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। नई इकाइयों और वित्तीय मजबूती के साथ, कंपनी को वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। निवेशक बाजार उतार-चढ़ाव और निर्माण लागत पर नजर रखकर निवेश कर सकते हैं। ओमनीटेक का यह आईपीओ निवेशकों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आ रहा है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह कंपनी के विस्तार और उद्योग में स्थिति मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम है।

सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में

इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली । सोने की कीमत ने हाल ही में लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बनाया था, लेकिन इसके बाद लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई। अब कीमतें 5,000 डॉलर के करीब स्थिर हैं। सिल्वर भी निवेशकों के फोकस में है और 133 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुल मार्केट के दौरान इस तरह के तेज करेक्शन सामान्य होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है। सिल्वर की मांग सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल मेटल भी है। सप्लाई लंबे समय से डिमांड से कम बनी हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल संभव है। वैश्विक कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 350 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। केंद्रीय बैंक भविष्य में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग कर सकते हैं। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा और करेंसी सप्लाई बढ़ेगी, जो सोने के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, माइनिंग कंपनियों के शेयर अभी तक उच्च धातु कीमतों को पूरी तरह वैल्यूएशन में शामिल नहीं कर पाए हैं। यदि कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो माइनिंग स्टॉक्स में तेज रैली देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 316, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ये बढ़त पीएसयू बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी से आई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक उछलकर 25,571.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी के अलावा निफ्टी के सभी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण एशियाई बाजारों से कमजोर संकेत मिले जिससे आज बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा।

व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे ज्यादा निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.68 फीसदी वहीं निफ्टी मेटल में 1.25 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 0.41 फीसदी का उछाल आया, निफ्टी एफएमसीजी में 0.56 फीसदी की तेजी, निफ्टी बैंक में 0.71 फीसदी की बढ़त देखी गयी जबकि निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी जबकि 8 शेयरों में गिरावट रही। एनटीपीसी, एलएंडटी, एचयूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और

बीईएल के शेयरों में 2.7 फीसदी तक की बढ़त रही और ये सबसे अधिक नुकसान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 82,272 अंक पर गिरावट के साथ खुला। इसी तरह निफ्टी 50 25,406 अंक पर कमजोर शुरुआत के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक सतर्क नजर आये। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में कहा कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए 10 से 15 दिन का समय है। इस बयान से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

केकेआर ने जताई भारतीय बाजार में बड़े बदलाव की संभावना

- भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया

नई दिल्ली । निजी इक्विटी फर्म केकेआर का मानना है कि भारत के इक्विटी और निजी बाजारों में बड़े बदलाव का समय आ सकता है। रिपोर्ट 'थॉट्स फ्रॉम द रोड' में एक मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा कि वैश्विक निवेशक पिछले कई वर्षों में भारतीय इक्विटी में सबसे कम अंडरवेट रहे हैं, जबकि अमेरिकी बाजारों में अधिक निवेश बनाए रखा है। उन्होंने निवेशकों को चेतावनी दी कि जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखते हैं, उनके लिए यह बदलाव का समय महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया। कमजोर प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारण हैं मुद्रा की कमजोरी, धीमी आय वृद्धि और डर कि एआई देश के आईटी सेवा मॉडल को प्रभावित कर सकता है। हाल की यात्रा में मुंबई और दिल्ली में निवेशक धारणा पिछली यात्राओं की तुलना में शांत रही। जेनरेटिव एआई और ऑटोमेशन के तेजी से अपनाने से भारत के श्रम-केंद्रित आईटी आउटसोर्सिंग सेक्टर में बदलाव आया है। वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में शीर्ष पांच आईटी फर्मों ने केवल 17 कर्मचारी जोड़े, जबकि पिछले साल इसी समय लगभग 18,000 कर्मचारी जुड़े थे। इसका कारण एआई-आधारित डिलिवरी मॉडल से राजस्व और हायरिंग तालमेल में बदलाव बताया गया। 2025 में भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से कमजोर प्रदर्शन किया, लेकिन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2020 के लगभग 60 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ा।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की अहम भूमिका: पिचाई

गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर कर रही सहयोग

नई दिल्ली ।

गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह बयान उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत और अमेरिका द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले दिया। पिचाई ने कहा कि गूगल दोनों देशों के बीच रूपक और वास्तविक रूप से संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर सहयोग कर रही हैं, जिससे उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। भारत से शुरू हुए नवाचार जैसे गूगल पे ने वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव में सुधार किया है। पिचाई ने कहा, हमें गर्व है कि हमारी पहलें स्थानीय नवाचार को वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान कर रही हैं। पिचाई ने भारत के एआई क्षेत्र की प्रगति को असाधारण** बताते हुए कहा कि गूगल पूरी प्रतिबद्धता के साथ उत्पादों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इसका समर्थन कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि एआई के लाभ तभी प्रभावी होंगे जब वे समान रूप से सभी लोगों और हर क्षेत्र तक पहुंचें।

भारत में डेटा सेंटर निवेश, 2030 तक 200 अरब डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

एक ऑडिट और सलाहकार फर्म ने कहा है कि भारत अगले चार वर्षों में डेटा सेंटर निर्माण में लगभग 200 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा। यह निवेश एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में किए जाने वाले 800 अरब डॉलर के कुल निवेश का बड़ा हिस्सा है। कंपनी का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 8-10 गीगावॉट की नई डेटा सेंटर क्षमता का निर्माण होगा। यह निवेश भारत और पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा आर्थिक अवसर है। डेटा सेंटरों में निवेश से स्थानीय रोजगार, तकनीकी विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि डेटा सेंटरों के विकास के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। भारत का बढ़ता हुआ नवीकरणीय ऊर्जा आधार इस प्रक्रिया को मदद करेगा, लेकिन उच्च विकास वाले क्षेत्रों में ग्रिड स्थिरता, सीमित सबस्टेशन क्षमता और लंबी ट्रांसमिशन अपग्रेड समयसीमा प्रमुख बाधाएं हो सकती हैं। भारत तेजी से एशिया-पैसिफिक का डेटा सेंटर हब बन रहा है। हालांकि विकास के लिए ऊर्जा उत्पादन और ग्रिड स्थिरता को सुनिश्चित करना होगा, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और रणनीतिक निवेश से यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में आर्थिक और डिजिटल रूप से मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

कोयला मंत्रालय ने खदान संचालन तेज करने प्रस्तावित किया संशोधन

नई दिल्ली । भारत के कोयला मंत्रालय ने खदानों के परिचालन को तेज करने के लिए सीएमडीपीए और सीबीडीपीए समझौतों में समय-सीमा और दक्षता मापदंडों में संशोधन का मसौदा तैयार किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य खदान खोलने और उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है। मसौदे में स्ट्रक्चर्ड माइलस्टोन तय किए गए हैं- पूरी तरह खोजी गई खदान के लिए कुल परिचालन समय-सीमा- 40 महीने और आंशिक रूप से खोजी गई खदान के लिए कुल समय-सीमा 52 महीने, जिसमें भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है। प्रमुख माइलस्टोन में देरी प्रदर्शन सुरक्षा को प्रभावित करती है। आंशिक रूप से खोजी गई खदानों में यदि जीआर तैयार करने में देरी होती है, तो प्रदर्शन सुरक्षा का 50 फीसदी तक कम्युलेटिव एप्रोप्रिएशन हो सकता है।

डिजिटल युग में मातृभाषाओं को बचाना बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

फरवरी 21 को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस केवल मातृभाषा संस्कृति को बचाने का अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि मानवता की सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव है। वर्ष 2026 में इसकी मुख्य थीम 'बहुभाषी शिक्षा पर युवाओं की आवाज' है, जो यह संकेत देती है कि भविष्य की भाषाई दिशा युवा पीढ़ी तय करेगी। यह वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस दिवस की 25वीं वर्षगांठ-रजत जयंती का प्रतीक है। वर्ष 1999 में यूनेस्को द्वारा इसकी घोषणा की गई और 2000 से इसे वैश्विक स्तर पर मनाया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस 13 से 18 वर्ष के युवाओं को भाषाई विविधता के संरक्षण, मातृभाषा में शिक्षा के विस्तार और डिजिटल युग में भाषाओं की भूमिका पर सक्रिय संवाद के लिए प्रेरित करना है। मातृभाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं होती, वह मनुष्य के मन, मस्तिष्क और संवेदनाओं की प्रथम अभिव्यक्ति है। बच्चा जब जन्म लेता है तो वह किसी औपचारिक शिक्षा से पहले अपनी माँ की ध्वनियों, लोरियों और संवादों के माध्यम से भाषा का संस्कार ग्रहण करता है। यही भाषा उसकी सोच, उसकी रचनात्मकता और उसकी पहचान का आधार बनती है। शोधों से यह सिद्ध हो चुका है कि प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में होने पर बच्चों की समझ, विश्लेषण क्षमता और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। फिर भी वैश्विक स्तर पर लगभग 40 प्रतिशत बच्चों को उस भाषा में शिक्षा नहीं मिलती जिसे वे बोलते या समझते हैं।

इस दिवस का ऐतिहासिक संदर्भ हमें 21 फरवरी 1952 की उस त्रासदी की याद दिलाता है जब पूर्वी पाकिस्तान में अपनी मातृभाषा बांग्ला के सम्मान के लिए छात्रों ने आंदोलन किया और गोलीबारी में अनेक युवा शहीद हो गए। बाद में यही पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र होकर बांग्लादेश बना। उन शहीदों की स्मृति में यह दिवस भाषाई अधिकारों और अस्मिता का प्रतीक बन गया। यह हमें सिखाता है कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि स्वाभिमान और स्वतंत्रता का आधार है। वर्ष 2026 की थीम युवाओं की भागीदारी को केंद्र में रखती है। आज का युवा डिजिटल संसार में जी रहा है। सोशल मीडिया, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऑनलाइन शिक्षा उसके जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। ऐसे में प्रश्न उठता है कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मातृभाषाओं के लिए पर्याप्त स्थान है? आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक ओर तो विलुप्तप्राय भाषाओं के शब्दकोश, ध्वनि-संग्रह और अनुवाद प्रणाली विकसित कर उन्हें पुनर्जीवित कर सकता है, वहीं दूसरी ओर यदि तकनीक कुछ सीमित भाषाओं तक सिमट जाए तो भाषाई असमानता और गहरी हो सकती है। इसलिए युवाओं को तकनीक का उपयोग मातृभाषा सशक्तिकरण के लिए करना

होगा-ऐप, ब्लॉग, पॉडकास्ट, यूट्यूब चैनल और डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से अपनी भाषाओं को वैश्विक मंच देना होगा।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है।

भारत जैसे बहुभाषी देश में यह चुनौती और अवसर दोनों है। पीपुल्स लिंग्विस्टिक सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार पिछले कुछ दशकों में सैकड़ों भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। यह केवल शब्दों का खो जाना नहीं, बल्कि परंपराओं, लोककथाओं, लोकगीतों और जीवनदृष्टि का विलुप्त होना है। यदि नई पीढ़ी अपनी मातृभाषा से विमुख हो जाएगी तो सांस्कृतिक जड़ों से उसका संबंध कमजोर हो जाएगा। इसलिए आवश्यक है कि विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन मिले, स्थानीय साहित्य और लोकसंस्कृति को पाठ्यक्रम में स्थान दिया जाए, और युवाओं को अपनी भाषा में अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान किए जाएँ। आज एक बड़ा भ्रम यह है कि केवल विदेशी भाषा ही विकास का मार्ग है। निस्संदेह वैश्विक संपर्क के लिए अन्य भाषाओं का ज्ञान आवश्यक है, परंतु इसका अर्थ यह नहीं कि हम अपनी मातृभाषा की उपेक्षा करें। मातृभाषा में शिक्षा से ही मौलिक चिंतन और नवाचार संभव है। भारत की नई शिक्षा नीति 2020 ने भी प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में देने पर बल दिया है। यह निर्णय वैज्ञानिक दृष्टि से भी उचित है, क्योंकि जब विद्यार्थी अपनी सहज भाषा में सीखता है तो वह केवल जानकारी ग्रहण नहीं करता, बल्कि उसे आत्मसात करता है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। युवाओं में मातृभाषा के प्रति आकर्षण कैसे बढ़ाया जाए? पहला उपाय है-भाषा को बोझ नहीं, गौरव के रूप में प्रस्तुत करना। जब हम अपने साहित्यकारों, वैज्ञानिकों और महापुरुषों की उपलब्धियों को मातृभाषा से जोड़कर बताते हैं, तो युवाओं में स्वाभिमान जागृत होता है। दूसरा उपाय है-रचनात्मक मंच उपलब्ध कराना। कविता-पाठ, नाटक, वाद-विवाद, ब्लॉग लेखन और डिजिटल कंटेंट निर्माण के माध्यम से युवा अपनी भाषा में सृजन करें। तीसरा उपाय है-परिवार की भूमिका। घर में यदि संवाद मातृभाषा में होगा तो बच्चे में स्वाभाविक अनुराग उत्पन्न होगा। भाषाई विविधता के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है। भारत में सैकड़ों भाषाएँ और बोलियाँ हैं; प्रत्येक भाषा अपने साथ एक विशिष्ट जीवनदर्शन लेकर आती है। हमें यह समझाना होगा कि किसी भी भाषा को छोटा या बड़ा कहना अनुचित है। सभी भाषाएँ समान रूप से सम्माननीय हैं। हिन्दी राजभाषा है, परंतु अन्य भारतीय भाषाएँ भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। संस्कृत हमारी प्राचीन ज्ञान-परंपरा की धरोहर है, तो तमिल, बांग्ला, मराठी, गुजराती, उड़िया, असमिया, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, कश्मीरी और अन्य भाषाएँ अपनी-अपनी सांस्कृतिक संपदा से राष्ट्र को समृद्ध करती हैं। डिजिटल युग में युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे अपनी मातृभाषा में कम से कम एक रचनात्मक कार्य अवश्य करेंगे-चाहे वह एक ब्लॉग हो, एक कहानी, एक गीत या एक शैक्षिक वीडियो। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित अनुवाद उपकरणों और भाषा मॉडल्स का उपयोग करके वे अपनी भाषा की सामग्री को वैश्विक पाठकों तक पहुँचा सकते हैं। इससे न केवल भाषा का संरक्षण होगा, बल्कि आर्थिक अवसर भी बढ़ेंगे। स्थानीय भाषाओं में स्टार्टअप, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल प्रकाशन नए रोजगार के द्वार खोल सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2026 हमें यह संदेश देता है कि भाषाई विविधता ही मानवता की वास्तविक समृद्धि है। यदि हम सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते हैं तो समावेशी शिक्षा आवश्यक है, और समावेशी शिक्षा का आधार मातृभाषा है। युवाओं की आवाज जब बहुभाषी शिक्षा के समर्थन में उठेगी, तभी समाज में व्यापक परिवर्तन संभव होगा। आज आवश्यकता है एक सामूहिक संकल्प की-हम अपनी मातृभाषा का सम्मान करेंगे, उसे डिजिटल मंचों पर प्रतिष्ठित करेंगे और आने वाली पीढ़ियों तक उसकी विरासत पहुँचाएँगे। भाषा हमारी आत्मा है; उसे जीवित रखना हमारा दायित्व है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर यही संदेश गूंजना चाहिए कि युवा ही भाषाई भविष्य के प्रहरी हैं। जब युवा अपनी जड़ों से जुड़ेंगे, तभी विश्व अधिक समावेशी, सहिष्णु और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनेगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

मुफ्त की महंगी कीमत

यह भारतीय लोकतंत्र की विडंबना ही कही जाएगी कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनाव जीतने का जरिया ही बना लिया है। मतदाताओं को चंद आर्थिक लाभ व सुविधाएं देकर मुफ्त की रेवड़ियों को सफलता का शॉर्टकट माना जाने लगा है। यही वजह है कि कुछ राज्यों में आसन्न चुनाव से पहले मुफ्त की योजनाओं की संस्कृति के वर्चस्व को देखते हुए देश की शीर्ष अदालत ने तल्ख टिप्पणी की है। जिससे यह मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय विमर्श में शामिल हो गया है। उल्लेखनीय है कि अगले दो-तीन महीनों में देश के चार प्रमुख राज्यों असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में चुनाव होने जा रहे हैं। हालांकि, लोकतंत्र की कल्याणकारी अवधारणा के चलते लोकहित में चलायी जाने वाली जनहितकारी योजनाएं शासन का अनिवार्य स्तंभ भी रही हैं। लेकिन लक्षित समर्थन और चुनाव पूर्व दिखायी जाने वाली अतिरेक उदारता के बीच अंतर तेजी से धुंधला होता जा रहा है। देश की शीर्ष अदालत ने इस बाबत चेतावनी दी है कि मुफ्त की योजनाओं का अनियंत्रित विस्तार राज्यों के राजकोषीय अनुशासन को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि राजनेता मुफ्त की बिजली, मुफ्त बस यात्रा और नकद राशि बांटने की होड़ में शामिल हैं। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि लोकलुभावनवाद के आगे राजकोषीय विवेक कमजोर पड़ रहा है।

चिंतन-मनन

सत्य की खोज अनंत

सत्य का अर्थ होता है, अनंत। सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। यात्रा शुरू तो होती है, पर पूरी नहीं होती। पूरी हो ही नहीं सकती। क्योंकि अगर पूरी हो जाए यात्रा तो उसका अर्थ होगा कि सत्य भी सीमित है। तुम आ गए आखिरी सीमा पर, फिर उसके पार क्या होगा? नहीं, सत्य असीम है। यही तो हमने बार-बार अनेक-अनेक ढंग से कहा है कि परमात्मा अनंत है, असीम है, अपार है, उसका विस्तार है, विराट है। जैसे तुम सागर में उतर गये, यह तो सच है लेकिन तुमने पूरे सागर को थोड़े ही पा लिया। तुम जितना पार करते जाओ, उतना ही सागर शेष है। फिर सागर तो शायद चुक भी जाए।

कोई तैरता ही रहे, तैरता ही रहे, तो दूसरा किनारा आ भी जाएगा पर परमात्मा का कोई किनारा ही नहीं है। इसीलिए इसे असीम कहते हैं। सत्य असीम है, अनंत है, इसलिए सत्य की खोज का कोई अंत नहीं होता। अमेरिका का एक बहुत बड़ा मनीषी हुआ-जान डैबी। वह कहा करता था, जीवन रुचि का नाम है। जिस दिन वह गयी कि जीवन भी चला गया। सत्य की खोज में रुचि है। सत्य में उतना सवाल नहीं है, जितना खोज में है। मजा मंजिल का नहीं है, यात्रा का है। मजा मिलन का कम, इंतजारी का ज्यादा है। जान डैबी से उसकी नब्बेवीं वषर्गांठ पर बातचीत करते समय एक डाक्टर मित्र ने कहा, फिलासफी, दर्शन में रखा क्या है!

डैबी ने शांतिपूर्वक कहा, दर्शन का लाभ है कि उसके अध्ययन के बाद पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है। डाक्टर ने कहा, मान लिया कि दर्शन का यही लाभ है कि पहाड़ों पर चढ़ाई संभव हो जाती है लेकिन एक पर चढ़ने के बाद दूसरा ऐसा ही पहाड़ दिखना आरंभ हो जाता है, जिस पर चढ़ना कठिन प्रतीत होता है। उसके पार होने पर तीसरा फिर चौथा। जब तक यह प्रम और चुनौती है, तब तक जीवन है। जिस दिन चढ़ने को शेष नहीं, आकषर्ण, चुनौती नहीं, उसी दिन मृत्यु घट जाएगी और मृत्यु नहीं है, जीवन ही है। तुम पहाड़ चढ़ते हो, इसी आशा में कि उसके पार कुछ नहीं है, पर पाते हो कि दूसरा पहाड़ प्रतीक्षा कर रहा है।

इससे भी बड़ा, इससे भी विराट, इससे भी ज्यादा स्वर्णमयी। फिर तुम्हारे भीतर चुनौती उठी। तुम फिर चले। शिखर पर पहुंचते ही आगे का दिखायी पड़ता है, उसके पहले दिखायी नही पड़ता। ऐसे ही सत्य की खोज अनंत है। ऐसी यात्रा जो कभी समाप्त नहीं होती। यह शुभ भी है। समाप्त हो जाए तो जीवन समाप्त हो गया।

उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ असली-नकली हिंदू कौन?

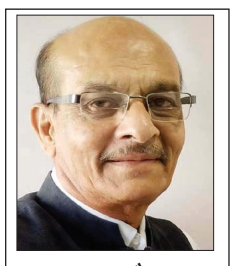

सनत जैन

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने योगी सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, कि मुख्यमंत्री योगी ने 20 दिन में निर्णय नहीं लिया तो वह लखनऊ की ओर कूच करेंगे। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से 'हिंदू होने का प्रमाण' मांगा था। शंकराचार्य ने गो-रक्षा के मुद्दे पर कानून बनाने के लिए कहा था। उनकी इस मांग पर राज्य सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि 20 दिन बीत जाने के बावजूद योगी ने ना तो हिंदू होने का प्रमाण दिया है ना ही गौ रक्षा के मामले में कोई ठोस निर्णय ही सामने आया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी को चेतावनी दी है, यदि तय समय सीमा में कदम नहीं उठाया गया तो वह 11 मार्च तक लखनऊ की ओर प्रस्थान करेंगे। प्रयागराज में हुई घटना में बटुकों के साथ कथित बदसलूकी, मारपीट और ज्यादती को लेकर उत्तर प्रदेश के दो उपमुख्यमंत्री योगी के विरोध में खड़े हो गए हैं। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने अपने घर पर बटुकों को बुलाकर उनका सम्मान किया है जिसके कारण उत्तर प्रदेश में भाजपा और संघ की स्थिति चिंताजनक हो गई है। भारतीय राजनीति में 80 और 20 का समीकरण बनाकर हिंदुओं को एकजुट करने का जो प्रयास किया गया था, वह उत्तर प्रदेश से ही टूटता हुआ नजर आ रहा है। यूजीसी ने जो नए नियम लागू किए थे, उसके बाद हिंदुओं में सामान्य जातियों, पिछड़ा वर्ग, एसटी, एससी को लेकर हिंदू बिखरने की स्थिति में आ गए हैं। रही-सही कसर शंकराचार्य और योगी महाराज के बीच जो विवाद चल रहा है, उसस हिंदुओं का हर वर्ग नाराज नजर आ रहा है। शंकराचार्य के साथ योगी के विवाद तथा यूजीसी की अधिसूचना के बाद हिंदुओं में बिखराव का एक नया दौर शुरू हो गया है।

भारतीय राजनीति एक बार फिर से अलग करवट लेने जा रही है। ब्राह्मण और दलित समुदाय के उपमुख्यमंत्री खुलकर शंकराचार्य के साथ आ गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को नई राजनीतिक चुनौती मिलना शुरू हो गई है। ऐसी स्थिति में संघ और भाजपा दोनों की चिंताएं बढ़ गई हैं। इस मामले को सुलझाने के लिए संघ प्रमुख मोहन भागवत को उत्तर प्रदेश की यात्रा करनी पड़ी। उसके बाद भी विवाद सुलझने के स्थान पर उलझता चला जा रहा है। राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्रियों के साथ विधायकों का एक बड़ा समूह योगी के विरोध में खड़ा हो गया है। जिससे स्पष्ट है, मामला गंभीर है। ऐसी स्थिति में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को शंकराचार्य को लेकर अपना रुख स्पष्ट करना होगा। उत्तर प्रदेश में दलित, अल्पसंख्यक, पिछडा वर्ग और ब्राह्मण भाजपा से नाराज हैं। अब असली और नकली हिंदुओं की बात होने लगी है। योगी आदित्यनाथ की सरकार ने अविमुक्तेश्वरानंद से शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगा था। गौ हत्या और को मांस के निर्यात को लेकर अब शंकराचार्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से योगी और हिंदू होने का प्रमाण मांग कर भाजपा के लिए एक परेशानी खड़ी कर दी है। शंकराचार्य ने कहा मुख्यमंत्री योगी ने सनातन और हिंदुओं के विरुद्ध जो 'कचरा फैलाया है'। उसे भाजपा को स्वयं साफ करना होगा। उन्होंने कहा कि जब तक पार्टी स्पष्ट रूप से यह नहीं दिखाती वह हिंदुओं और सनातन मूल्यों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। तब तक संत समाज को भाजपा के हिंदुत्व पर अब विश्वास नहीं होगा। शंकराचार्य के इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर होना तय है।

राजनीतिक विश्लेषक यह मानकर चल रहे हैं, भाजपा ने हिंदू वर्सेस अल्पसंख्यक का जो धार्मिक ध्रुवीकरण तैयार कर हिंदुओं को एकजुट किया था अब उसके बिखरने का समय आ गया है। हिंदू धर्म के शीर्ष पर बैठे शंकराचार्य जब सार्वजनिक नाराजगी व्यक्त करने लगे और योगी जैसे मठाधीश को जब हिंदू मानने से इनकार कर दें ऐसी स्थिति में राहुल गांधी ने संसद के अंदर जो असली और नकली हिंदू का मामला उठाया था अब इस मामले को शंकराचार्य हवा दे रहे हैं। जिसके कारण यह माना जा रहा है, देश की राजनीति एक बदलाव के मुकाम पर आकर खड़ी हो गई है। संघ और भाजपा ने समय रहते इस बिखराव को नहीं रोका तो आगे चलकर भाजपा और संघ को बहुत बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए उत्तर प्रदेश की सरकार पर अस्तित्व का संकट देखने को मिलने लगा है। यह बात केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रहेगी। इसका असर राष्ट्रीय स्तर पर पडना तय है।

तंबाकू महामारी-स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और नैतिकता पर बहुआयामी आघात तथा भारत में पूर्ण निषेध की तात्कालिक आवश्यकता

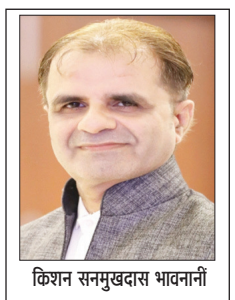

किशन सनमुखदास भावनानीं

तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है- व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू करना जरूरी...

वैश्विक स्तरपर तंबाकू का सेवन आज केवल एक व्यक्तिगत आदत या सामाजिक व्यवहार का विषय नहीं रह गया है,बल्कि यह एक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य आपदा का रूप ले चुका है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व स्तरपर प्रतिवर्ष लगभग 80 लाख लोगों की मृत्यु तंबाकू जनित बीमारियों के कारण होती है। यह आंकड़ा किसी युद्ध, प्राकृतिक आपदा या महामारी से कम नहीं है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में तंबाकू का प्रभाव और भी गंभीर है,जहाँ लाखों लोग प्रतिवर्ष कैंसर, हृदय रोग, फेफड़ों की बीमारियों और अन्यजटिलताओं के कारण असमय मृत्यु का शिकार हो जाते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि तंबाकू केवल शरीर को ही नहीं,बल्कि राष्ट्र की अर्थव्यवस्था सामाजिक संरचना और नैतिक मूल्यों को भी अंदर से खोखला कर रहा है। ऐसे परिदृश्य में यह प्रश्न अत्यंत प्रासंगिक हो जाता है कि क्या केवल कर वृद्धि और चेतावनी संदेश पर्याप्त हैं?या फिर अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू पर व्यापक और कठोर विधायी प्रतिबंध लागू किया जाए। स्वास्थ्य की दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव बहुआयामी और घातक है। धूम्रपान और धुंआ रहित तंबाकू दोनों ही शरीर के लगभग हर अंग को प्रभावित करते हैं। फेफड़ों का कैंसर, मुख कैंसर, गले का कैंसर,हृदयाघात,स्ट्रोक,क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी बीमारियाँ तंबाकू सेवन से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हैं। भारत में विशेष रूप से मुंह के कैंसर के मामलों की संख्या अत्यधिक है, जिसका मुख्य कारण गुटखा, पान मसाला और अन्य धुंआ रहित तंबाकू उत्पाद हैं। यह स्थिति केवल सक्रिय उपभोक्ताओं तक सीमित नहीं है। पैसिव स्मोकिंग यानी दूसरों के धुएँ के संपर्क में आने से बच्चे, महिलाएँ और बुजुर्ग भी गंभीर स्वास्थ्य जोखिम का सामना करते हैं। गर्भवती महिलाओं पर इसका प्रभाव भ्रूण के विकास को बाधित कर सकता है, जिससे कम वजन वाले शिशु जन्म लेते हैं या जन्मजात विकृतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। तंबाकू प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करता है, जिससे टीबी जैसी संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। इस प्रकार तंबाकू एक ऐसी महामारी है जो गैर- संचारी और संक्रामक दोनों प्रकार की बीमारियों को बहुत तेजी से बढ़ावा देती है।

साथियों बात अगर हम भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए पहले से मौजूद कानूनों को समझने की करें तो, जैसे सिगरेटटेस अदर टोबैक्को प्रोडक्ट्स एक्ट 2003, जो सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध,विज्ञापन प्रतिबंध और पैकेजिंग पर स्वास्थ्य चेतावनी जैसे प्रावधान करता है। शहर अनेकों कानून है अनेक राज्यों में तंबाकू पर प्रतिबंध भी है इसके अतिरिक्त भारत ने डब्लूएचओ फ्रेमवर्क कान्वेंशन ऑन टोबैको कण्ट्रोल पर हस्ताक्षर किए हैं, जो वैश्विक स्तर पर तंबाकू नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संधि है।बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर तंबाकू की उपलब्धता,सुलभता और सामाजिक स्वीकार्यता कम नहीं हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गुटखा और बीड़ी आसानी से उपलब्ध हैं। छोटे दुकानों और पान ठेलों पर इन्हें खुलेआम बेचा जाता है, जिससे किशोर और युवा वर्ग भी इसके संपर्क में आ जाते हैं।यह दशार्ता है कि वर्तमान व्यवस्था में कठोर प्रवर्तन और व्यापक प्रतिबंध की कमी है।

साथियों बात अगर हम सामाजिक दृष्टि से तंबाकू का प्रभाव गहरा और दीर्घकालिक है इसको समझने की करें तो धूम्रपान करने वाले व्यक्ति अक्सर परिवार में तनाव, आर्थिक दबाव और स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अलगाव का अनुभव करते हैं। जब परिवार का कमाने वाला सदस्य तंबाकू जनित बीमारी से ग्रसित होता है, तो पूरा परिवार आर्थिक और मानसिक संकट में फँस जाता है। बीड़ी उद्योग जैसे क्षेत्रों में कार्यरत लाखों श्रमिक विशेषकर महिलाएँ और बाल श्रमिक अत्यंत दयनीय परिस्थितियों में काम करते हैं। वे स्वयं भी तंबाकू धूल और रसायनों के संपर्क में आकर स्वास्थ्य जोखिम उठाते हैं। यह स्थिति सामाजिक असमानता को और गहरा करती है, क्योंकि तंबाकू उद्योग का बोझ मुख्यतः गरीब और अशिक्षित वर्ग पर पड़ता है। जो लोग पहले से आर्थिक रूप से कमजोर हैं, वे तंबाकू पर खर्च करके और अधिक निर्धनता की ओर बढ़ते हैं। इस प्रकार तंबाकू केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का अत्यंत सटीक प्रश्न भी है।

साथियों बात कर हम नैतिक दृष्टिकोण से तंबाकू उद्योग की भूमिका गंभीर बहस का विषय है इसको समझने की करें तो जब यह स्पष्ट है कि तंबाकू सेवन से मृत्यु और गंभीर रोग होते हैं, तब भी इसका उत्पादन और विपणन जारी रहना नैतिकता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। उद्योग का मूल उद्देश्य लाभ कमाना है, परंतु यह लाभ मानव जीवन की कीमत पर प्राप्त होता है। युवाओं को आकर्षित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन,फिल्मी दृश्यों में धूम्रपान का ग्लैमराइजेशन और रंगीन पैकेजिंग जैसी रणनीतियाँ अपनाई जाती हैं। किशोर अवस्था में शुरू हुई लत जीवन भर की निर्भरता बन जाती है। यह आने वाली पीढ़ी की उत्पादकता और स्वास्थ्य को कमजोर करता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी तंबाकू की खेती और उत्पादन विनाशकारी है।अनुमान है कि लगभग हर 300 सिगरेट के उत्पादन में एक पेड़ काटा जाता है। तंबाकू की खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग भूमि और जल को प्रदूषित करता है। सिगरेट के टुकड़े (बट्स) प्लास्टिक आधारित होते हैं और पर्यावरण में लंबे समय तक बने रहते हैं, जिससे पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित होता है। इस प्रकार तंबाकू केवल मानव स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय नैतिकता के भी विरुद्ध है।

साथियों बात अगर हम आर्थिक दृष्टिकोण से तंबाकू का तर्क को समझने की करें तो अक्सर राजस्व पर आधारित होता है। सरकार को तंबाकू उत्पादों से कर प्राप्त होता है, जिसे सार्वजनिक सेवाओं में लगाया जाता है। परंतु जब हम व्यापक आर्थिक विश्लेषण करते हैं, तो स्पष्ट होता है कि तंबाकू से होने वाला कुल आर्थिक नुकसान उसके राजस्व से कहीं अधिक है। तंबाकू जनित बीमारियों के इलाज पर होने वाला प्रत्यक्ष खर्च अस्पताल, दवाएँ, सर्जरी और अप्रत्यक्ष खर्च काम पर अनुपस्थिति, उत्पादकता में कमी, समयपूर्व मृत्यु मिलाकर राष्ट्रीय आय पर भारी बोझ डालते हैं। गरीब परिवार अपनी सीमित आय का बड़ा हिस्सा तंबाकू पर खर्च करते हैं, जिससे बच्चों की शिक्षा,पोषण और स्वास्थ्य पर खर्च कम हो जाता है। यह अंतरपीढ़ी गरीबी को बढ़ाता है। यदि तंबाकू से होने वाली बीमारियों और मृत्यु से जुड़ी आर्थिक लागत का समग्र मूल्यांकन किया जाए, तो यह स्पष्ट होगा कि राष्ट्र को शुद्ध रूप से नुकसान ही हो रहा है।

साथियों बात अगर हम सरकार की वर्तमान रणनीति और भविष्य में तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध कानून को बनाने की करें तो वर्तमान में मुख्यतः कर वृद्धि (टैक्स स्ट्राइक), चेतावनी चित्रों और जनजागरूकता अभियानों पर आधारित है।यह रणनीति कुछ हद तक प्रभावी अवश्य रही है, परंतु पूर्ण समाधान नहीं दे पाई है।जब तकतंबाकू उत्पाद बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, तब तक लत से ग्रसित व्यक्ति उन्हें खरीदने का तरीका खोज लेगा। कर वृद्धि से अवैध व्यापार और तस्करी की संभावना भी बढ़ जाती है। अतः यह तर्क दिया जा सकता है कि अब समय आ गया है कि भारत में तंबाकू,विशेषकर गुटखा और धुंआ रहित उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए व्यापक और कठोर कानून बनाया जाए। राष्ट्रीय तंबाकू निषेध (निर्माण, बिक्री एवं उपभोग निषेध) एवं जनस्वास्थ्य संरक्षण अधिनियम,2026 तथा भारतीय तंबाकू उत्पाद (निर्माण, भंडारण, परिवहन, बिक्री और आयात) निषेध विधेयक, 2026 जैसे प्रस्तावित विधेयक यदि संसद में प्रस्तुत किए जाते हैं, तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य की दिशा में ऐतिहासिक कदम हो सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय अनुभवों को समझने की करें तो यहदशार्ते हैं कि कठोर नीतियाँप्रभावी हो सकती हैं। कुछ देशों ने सार्वजनिक स्थानों पर पूर्ण धूम्रपान प्रतिबंध, सादे पैकेजिंग और भारी जुमार्ने लागू कर तंबाकू सेवन में उल्लेखनीय कमी लाई है। भारत भी यदि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति दिखाए, तो चरणबद्ध तरीके से उत्पादन, वितरण और बिक्री पर नियंत्रण स्थापित कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

गार्सिया द्वीप पर ब्रिटेन का कब्जा खत्म होने से घबराया यूएस

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से अपील की है कि वे हिंद महासागर क्षेत्र में स्थित द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को न सौंपें। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका और ईरान के बीच जिनेवा में चल रही बातचीत असफल रहती है तो ईरान पर हमले के लिए अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ेगी। गौरतलब है कि बीते साल ब्रिटेन ने हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से बेहद अहम द्वीप डिएगो गार्सिया को मॉरीशस को सौंपने का एलान किया था। हालांकि 99 साल की लीज पर अमेरिका-ब्रिटेन का सैन्य अड्डा द्वीप पर बरकरार रहेगा। ट्रंप ने चागोस द्वीप को मॉरीशस को सौंपने के ब्रिटेन सरकार के फैसले को एक बड़ी गलती बताया। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ट्रंप ने लिखा, मैं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से कहता रहा हूं कि देशों के मामलों में पट्टे (लीज) का कोई महत्व नहीं होता। हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से स्थित डिएगो गार्सिया पर 100 साल का पट्टा समझौता करके वे बड़ी गलती कर रहे हैं। ब्रिटेन के साथ हमारे मजबूत संबंध हैं और ये संबंध कई वर्षों से हैं, लेकिन प्रधानमंत्री स्टार्मर इस द्वीप पर अपना नियंत्रण खो रहे हैं। ट्रंप ने आगे लिखा, अगर ईरान समझौता करने से इनकार कर देता है तो अमेरिका को डिएगो गार्सिया द्वीप की जरूरत पड़ सकती है। प्रधानमंत्री स्टार्मर को किसी भी वजह से डिएगो गार्सिया पर अपना नियंत्रण नहीं खोना चाहिए। ट्रंप ने ये भी कहा कि जरूरत पड़ने पर वे ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए तैयार हैं। ट्रंप ने लिखा, अगर ब्रिटेन से जमीन छीनी जाती है तो ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। हम ब्रिटेन के लिए लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहेंगे। लेकिन ब्रिटेन को मजबूत रहना होगा। मॉरीशस को साल 1968 में ब्रिटेन के शासन से आजादी मिली, लेकिन डिएगो गार्सिया द्वीप ब्रिटेन का उपनिवेश बना रहा। हालांकि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के 2019 के फैसले और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय दबाव के चलते ब्रिटेन की सरकार ने साल 2025 में मॉरीशस के साथ हुए एक समझौते में चागोस द्वीप समूह को मॉरीशस को वापस लौटाने का फैसला किया। वहीं डिएगो गार्सिया द्वीप को 99 साल के पट्टे पर बरकरार रखने का फैसला किया, जहां ब्रिटेन का सैन्य अड्डा रहेगा। डिएगो गार्सिया द्वीप हिंद महासागर में रणनीतिक लिहाज से बेहद अहम जगह पर है। यही वजह है कि ट्रंप इस द्वीप को छोड़ने के ब्रिटेन के फैसले के खिलाफ हैं।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं। राष्ट्रपति ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत एक सफल अभियान चलाया था, जिसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट किया गया। राष्ट्रपति हमेशा स्पष्ट रहे हैं कि ईरान या किसी अन्य देश के साथ कूटनीति पहला विकल्प है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ने कई लोगों, खासतौर से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बातचीत कर रहे हैं। यह निर्णय अमेरिका और उसके लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना इस्राइल के साथ बातचीत में हैं, लेकिन किसी भी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। प्रेस सचिव ने कहा कि जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी भी काफी दूरियां हैं। उन्होंने कहा, थोड़ी प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर हम अभी भी दूर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरान अगले दो हफ्तों में विस्तृत प्रस्ताव लेकर आएगा। राष्ट्रपति इस प्रक्रिया को लगातार देखेंगे। मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान अगले दो हफ्तों में अपनी विस्तृत योजना के साथ आएगा, ताकि मुद्दों को सुलझाया जा सके। इस बीच, ट्रंप ने जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत से पहले ईरान को चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने ईरान से कहा कि अगली बातचीत में समझदारी दिखाएं और जून 2025 में कई गई बी-2 बमबारी की याद दिलाई। ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेई ने भी ट्रंप को चेतावनी दी और कहा कि दुनिया की सबसे ताकतवर सेना को भी विनाशकारी नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार कहते हैं कि उनके पास दुनिया की सबसे मजबूत सेना है। सबसे मजबूत सेना भी कभी-कभी इतनी भारी चोट खा सकती है कि फिर उठ नहीं सकती।

कंसर्ट की भीड़ से लेकर तेल के कुओं तक...

क्या इंसान भी ला सकते हैं भूकंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। भूकंप आमतौर पर धरती के अंदर मौजूद फॉल्ट लाइनों (दरारों) में होने वाली प्राकृतिक हलचल से आते हैं। लेकिन कुछ खास परिस्थितियों में इंसानी गतिविधियां भी जमीन में कंपन पैदा कर सकती हैं। वैज्ञानिक प्राकृतिक टेक्टोनिक भूकंप और इंसानों द्वारा उत्पन्न कंपन (इंड्यूस्ड भूकंप) के बीच फर्क करते हैं।

खनन, बड़े जलाशयों को भरना या जमीन के अंदर तरल पदार्थ इंजेक्ट करना जैसी गतिविधियां छोटे भूकंपीय झटके पैदा कर सकती हैं। ज्यादातर ऐसे झटके बहुत हल्के होते हैं और किसी तरह का नुकसान नहीं करते। हालांकि कुछ इलाकों में औद्योगिक गतिविधियों से अपेक्षाकृत तेज झटके भी दर्ज किए गए हैं। पिछले कुछ वर्षों में वैज्ञानिक यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसे भूकंप क्यों और कैसे आते हैं, और क्या इन्हें नियंत्रित किया जा सकता है। सवाल यह नहीं है कि इंसान जमीन को हिला सकते हैं या नहीं, बल्कि यह है कि यह कितना बड़ा असर डाल सकता है और इसे कितना नियंत्रित किया जा सकता है।

भीड़ भी पैदा कर सकती है हल्का कंपन : अमेरिका के सिएटल शहर में एक कंसर्ट के दौरान पॉप स्टार टेलर स्विफ्ट के शो में हजारों प्रशंसकों के एक साथ कूदने-नाचने से जमीन में कंपन दर्ज हुआ। यह कंपन करीब 2.3 तीव्रता के भूकंप जैसा माना गया।

ऐसी जानकारी द वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दी गई थी। वैज्ञानिकों के अनुसार जब बड़ी संख्या में लोग एक साथ उछलते हैं तो उनकी ऊर्जा जमीन में तरंगों के रूप में फैलती है।

हालांकि 2.3 तीव्रता का झटका बहुत छोटा माना जाता है। इसे केवल आसपास ही महसूस किया जा सकता है और इससे किसी तरह का नुकसान नहीं होता। यह कंपन अस्थायी होता है और इसमें धरती की गहरी फॉल्ट लाइनें शामिल नहीं होतीं।

जमीन के नीचे तरल इंजेक्शन से असली भूकंप : ज्यादा गंभीर मामले तेल और गैस उद्योग से जुड़े पाए गए हैं। मैसाचुसेट्स की तकनीकी संस्था के वैज्ञानिकों ने इटली के एक तेल क्षेत्र का अध्ययन किया। तेल कंपनियां जब अपशिष्ट पानी को जमीन के बहुत नीचे इंजेक्ट करती हैं, तो वहां दबाव बढ़ता है।

अगर यह दबाव पहले से मौजूद फॉल्ट लाइन पर असर डालता है, तो चट्टानें खिसक सकती हैं और ऊर्जा निकलने से भूकंप आ सकता है। ऐसे मामले अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिणी इटली में देखे गए हैं, जहां ज्यादा मात्रा में इंजेक्शन के बाद भूकंपों की संख्या बढ़ी।

इंजेक्शन की गति घटाने से कम हुए झटके : अध्ययन में पाया गया कि जब रोजाना इंजेक्शन की मात्रा कम की गई, तो भूकंपों की संख्या भी घट गई। पहले जहां सैकड़ों छोटे झटके दर्ज हो रहे थे, वहीं दर घटाने के बाद बहुत कम और हल्के झटके आए।

कंप्यूटर मॉडल और भूगर्भीय आंकड़ों की मदद से वैज्ञानिकों ने यह समझा कि दबाव को धीरे-धीरे और नियंत्रित तरीके से बढ़ाना जोखिम कम कर सकता है। इससे संकेत मिलता है कि मानव-जनित भूकंपों को कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है, बशर्ते निगरानी और योजना सावधानी से की जाए।

रोकथाम भूगोल और योजना पर निर्भर : प्राकृतिक भूकंपों को रोका नहीं जा सकता, क्योंकि वे धरती की परतों में वर्षों से जमा हो रहे दबाव के कारण आते हैं। लेकिन मानव-जनित झटकों को कम किया जा सकता है, अगर औद्योगिक परियोजनाएं स्थानीय भूगोल को ध्यान में रखकर चलाई जाएं और जमीन के नीचे दबाव में बदलाव को सावधानी से नियंत्रित किया जाए।

विशेषज्ञों का मानना है कि पूरी तरह काम बंद करना ही एकमात्र उपाय नहीं है। सही डेटा, सावधानीपूर्वक योजना और लगातार निगरानी से जोखिम कम किया जा सकता है। जमीन हिल सकती है, लेकिन शायद कम बार।

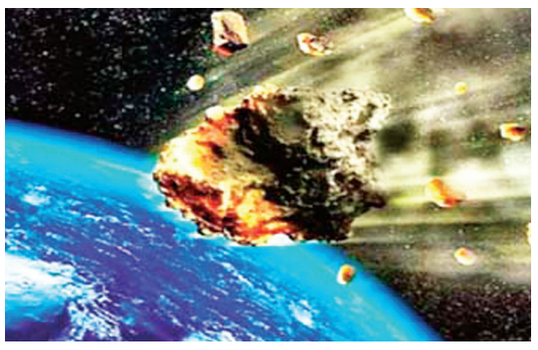

नासा का अलर्ट: 25 हजार एस्टेरॉयड धरती के पास, आधों का अब तक नहीं लगा सुराग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चेताया है कि पृथ्वी के पास लगभग 25,000 ऐसे एस्टेरॉयड (क्षुद्रग्रह) मंडरा रहे हैं। लेकिन इनका अभी तक पता नहीं चल पाया है।

चिंता की बात ये है कि ये किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह खत्म कर समतल करने की ताकत रखते हैं। नासा में प्लैनेटरी डिफेंस (ग्रह रक्षा) की प्रमुख केली फास्ट ने अमेरिकी एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ साइंस में बोलते हुए कहा कि जो चीज मुझे रात में सोने नहीं देती, वह हैं वे एस्टेरॉयड जिनके बारे में हम जानते ही नहीं हैं। केली के मुताबिक, वैज्ञानिक बहुत छोटे और बहुत बड़े पत्थरों को तो ट्रैक कर लेते हैं, लेकिन मध्यम आकार (लगभग 140 मीटर) वाले पत्थर अभी भी नजरों से ओझल हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि ये सिटी-किलर्स वैश्विक विनाश भले न करें, लेकिन क्षेत्रीय स्तर पर भारी तबाही मचा सकते हैं। अनुमान है कि ऐसे 25,000 पत्थरों में से हम केवल 40 फीसदी को ही ढूंढ पाए हैं।

50 फीसदी से अधिक एस्टेरॉयड का स्थान अज्ञात : जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की डॉ. नैन्सी चाबोट, जिन्होंने 2022 में नासा के डार्ट मिशन का नेतृत्व किया था, उन्होंने भी इस खतरे पर मुहर लगाई है। उनके अनुसार यह खोज अभी अधूरी है, हमें अभी भी 50 फीसदी से ज्यादा 140 मीटर वाले एस्टेरॉयड्स के ठिकाने का पता नहीं है।

एस्टेरॉयड को नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं : नासा ने कहा कि वर्तमान में हमारे पास किसी अचानक आने वाले एस्टेरॉयड को मोड़ने या नष्ट करने की सक्रिय तकनीक तैयार नहीं है। इस रक्षा प्रणाली को तैयार रखने के लिए निवेश की भारी कमी है।नैन्सी ने स्पष्ट किया कि हमारे पास जैसा कोई दूसरा स्पेसक्राफ्ट स्टैंडबाय पर नहीं रखा है, जिसे तुरंत लॉन्च किया जा सके।

न्यूयॉर्क में फिर शुरू होगी बेघर लोगों के कैंप हटाने की कार्रवाई

ममदानी बोले- इस बार तरीका मानवीय होगा

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने एलान किया है कि शहर में सड़क किनारे और पार्कों में बने अस्थायी बेघर कैंप (टेंट बस्ती) फिर से हटाए जाएंगे। लेकिन इस बार उनका कहना है कि तरीका पहले से अलग और ज्यादा मानवीय (इंसानियत भरा) होगा। बता दें कि, मेयर बनने के कुछ ही दिनों बाद जोहरान ममदानी ने पुराने मेयर एरिक एडम्स की कैंप हटाने वाली नीति रोक दी थी। उनका मानना था कि सिर्फ कैंप हटाने से समस्या हल नहीं होगी, लोगों को घर और सही मदद मिलनी चाहिए।

हाल ही में न्यूयॉर्क में कड़ाके की ठंड पड़ी, जिसमें कम से कम 19 लोगों की बाहर ठंड से मौत हो गई। हालांकि यह साफ नहीं है कि ये लोग कैंप में रह रहे थे या नहीं, लेकिन इस घटना के बाद शहर की नीतियों पर सवाल उठने लगे।

फैसले के खिलाफ और समर्थन में कौन?

जोहरान ममदानी के इस फैसले को सिटी काउंसिल की स्पीकर जूल मेनिन ने सही कदम बताया। उनका कहना है कि इतनी ठंड में लोगों को सड़क पर छोड़ना अमानवीय है। वहीं इसके विरोध में बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था बेघरों के लिए गठबंधन के निदेशक डेविड गिफेन ने कहा कि यह राजनीतिक फैसला है। उनका कहना है कि जब लोगों का सामान फेंक दिया जाता है, तो वे सरकार पर भरोसा नहीं कर पाते।

30 मीटर तक हवा में उड़कर घर के बाथरूम में घुसा तेज रफ्तार ट्रक, बाल-बाल बचा परिवार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक चौंकाने वाला हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार से आ रहा एक ट्रक मिट्टी के टीले से उछलकर हवा में करीब 30 मीटर तक उड़ता हुआ एक घर में जा घुसा। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ट्रक को हवा में उड़ते हुए साफ देखा जा सकता है।

यह हादसा पिछले शुक्रवार तड़के करीब 3 बजे टाइगार्ड में हुआ। स्थानीय पुलिस के अनुसार, ट्रक पश्चिम दिशा में साउथवेस्ट स्कोल्स फेरी रोड पर जा रहा था और चालक तेज रफ्तार व लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। दरवाजे पर लगे कैमरे की फुटेज में दिखता है कि ट्रक पहले एक मिट्टी के टीले से उछला, फिर एक रिटेनिंग वॉल को पार करता हुआ सीधे घर की दीवार से टकरा गया।

घर के बाथरूम में जा घुसा ट्रक : ट्रक डेविड ब्रूडनोक के घर के ग्राउंड फ्लोर के बाथरूम में जा घुसा। ब्रूडनोक ने स्थानीय चैनल से बातचीत में कहा, ÷मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि कोई ट्रक उड़कर आएगा। अचानक जोरदार धमाका हुआ और घर हिल गया। नीचे जाकर देखा तो घर का पूरा सामने का हिस्सा टूट चुका था। हादसे के समय ब्रूडनोक, उनकी पत्नी और उनके तीन छोटे बच्चे ऊपर की मंजिल पर थे। अच्छी बात यह रही कि परिवार का कोई सदस्य घायल नहीं हुआ। ब्रूडनोक ने कहा कि वह भगवान का शुक्रगुजार हैं कि हादसे के वक्त पूरा परिवार ऊपर था, नहीं तो बड़ा नुकसान हो सकता था।

ड्राइवर पर मामला दर्ज : हादसे के बाद ड्राइवर खुद गाड़ी से बाहर निकल आया, जबकि फायर ब्रिगेड की टीम ने मलबे में फंसे यात्री को बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक ड्राइवर और यात्री दोनों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने 33 साल के ड्राइवर जैकब हैंकिंस पर लापरवाही से गाड़ी चलाने और दूसरों की जान खतरे में डालने का मामला दर्ज किया है। जांच अधिकारी अभी इस हादसे की पूरी परिस्थितियों की समीक्षा कर रहे हैं, जिसमें ट्रक की रफ्तार और टक्कर से पहले की ड्राइविंग का तरीका शामिल है।

जमीन के नीचे दौलत और सहत पर संकट

दुनिया का सबसे बड़ा तेल रिजर्व होने के बावजूद वेनेजुएला में क्यों बिगड़े हालात?

कराकास एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल रिजर्व है, जो आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक करीब 303 बिलियन बैरल है। यह दुनियाभर के क्रूड ऑयल का लगभग 17 प्रतिशत हिस्सा है। यह तेल का भंडार मुख्य रूप से ओरिनोको बेल्ट में फैला हुआ है, जहां तेल बेहद घना और भारी किस्म का है।

कैसे बना इतन विशाल तेल भंडार? : वेनेजुएला की भूवैज्ञानिक संरचना ने ही इस बड़े तेल रिजर्व को संभव बनाया है। वेनेजुएला के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में फैला ओरिनोको बेल्ट सेडिमेंट्री चट्टानों का एक बड़ा इलाका है, जहां पुराने जैविक पदार्थ दबाव और समय के साथ हाइड्रोकार्बन में बदल गए।

कैसे चट्टानों से निकला तेल? : एक केस स्टडी के अध्ययन के अनुसार, लाखों सालों में, कैरिबियन और साउथ अमेरिकन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच हलचल की वजह से पूर्वी वेनेजुएला के कुछ हिस्से डूब गए। जब जमीन लंबे समय तक धीरे-धीरे पानी में डूबती है, तो इससे एक गहरा बेसिन बनता है। इसे एक बड़े नेचुरल कटोरे की तरह समझा जा सकता है। इस कटोरे ने समय के साथ सेडिमेंट रॉक्स की मोटी परतें बनने दीं। सेडिमेंट बाद में चट्टानें बन गईं जिनमें तेल होता है।

बढ़ते हुए एंडीज पर्वत से बहने वाली नदियां इस बेसिन में बहुत ज्यादा रेत, मिट्टी और दबे हुए ऑर्गेनिक मटीरियल ले गईं, जिससे बहुत मोटी, तेल से भरपूर परतें बनीं जो आखिर में रिजर्वॉयर बन गईं।

इस इलाके में समुद्र के लेवल में बार-बार बढ़ोतरी और गिरावट ने भी इस दबे हुए ऑर्गेनिक मैटर को बचाने में मदद की, क्योंकि उथले समुद्रों ने कम ऑक्सीजन वाली कंडीशन बनाईं जिससे यह पूरी तरह से सड़ नहीं पाया, इसलिए ज्यादा गहराई में दबे होने पर तेल बनाने के लिए ज्यादा मटीरियल मौजूद था।

इसके अलावा, टेक्टोनिक ताकतों की वजह से होने वाले फॉल्ट और स्ट्रक्चरल ट्रैप ने तेल बनने के बाद उसे बाहर निकलने से रोकने में मदद की, जिससे असल में बड़ी मात्रा में हाइड्रोकार्बन वहीं सील हो गए।

वेनेजुएला में उत्पादन क्यों घटा? : वेनेजुएला में भले ही तेल रिजर्व का आकार दुनिया में सबसे बड़ा है, लेकिन इसका असर उत्पादन या आर्थिक स्थिरता पर नहीं पड़ा।

कनाडा में घटी विदेशी छात्रों की संख्या

61 प्रतिशत की आई कमी, इन नियमों का भारतीय छात्रों पर दिखा असर

टोरंटो एजेंसी। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सरकार द्वारा अस्थायी निवासियों (जिनमें छात्र भी शामिल हैं) की संख्या कम करने और आवास, बुनियादी ढांचे व सार्वजनिक सेवाओं पर दबाव घटाने के लिए उठाए गए कदमों का असर अब साफ दिखने लगा है।

हालिया आंकड़ों में यह सामने आया है कि नए स्टडी परमिट जारी होने की संख्या में करीब 61 प्रतिशत की कमी आई है। इमिग्रेशन, रिफ्यूजिस एंड सिटिजनशिप कनाडा के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 2024 में जहां 2 लाख 93 हजार 60 नए अंतरराष्ट्रीय छात्र आए थे, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर 1 लाख 15 हजार 470 रह गई है।

कितनी हो गई संख्या? : दिसंबर 2024 में 29,835 नए छात्र पहुंचे थे जबकि दिसंबर 2025 में यह संख्या घटकर सिर्फ 9665 रह गई। अगस्त और दिसंबर में आमतौर पर ज्यादा स्टडी परमिट जारी होते हैं, क्योंकि इन्हीं महीनों में फॉल और विंटर सेमेस्टर शुरू होते हैं।

मासिक आंकड़ों में भी गिरावट देखी गई है। उदाहरण के लिए अप्रैल 2024 में 45 हजार 790 नए परमिट जारी हुए थे, जो अप्रैल 2025 में घटकर 8525 रह गए। अगस्त 2024 में 79 हजार 740 परमिट जारी हुए, जबकि अगस्त 2025 में 45 हजार 35 रह गए।

कनाडा सरकार ने कैप की तय : कनाडा सरकार ने 2024 में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सालाना सीमा (कैप) तय की थी। इसके बाद 2025 और 2026 के लिए भी लक्ष्य कम कर दिए गए। पिछले साल घोषित 2025-2027 की योजना में 2026 के लिए 3.05 लाख छात्रों का लक्ष्य रखा गया था। अब नई 2026-2028 आव्रजन योजना में इसे घटाकर 1.55 लाख कर दिया गया है और अगले दो साल में इसमें हल्की और कमी होगी।

रेगुलेटेड कनाडियन इमिग्रेशन कंसल्टेंट मैथ्यू मैकडोनाल्ड ने कहा था कि 2026 के लिए लक्ष्य में 50 प्रतिशत की कटौती बड़ी बात है। इससे कॉलेज और यूनिवर्सिटी कम एडमिशन ऑफर दे पाएंगे, जिससे कनाडा के शिक्षा क्षेत्र पर दबाव बढ़ेगा। सरकार का कहना है कि वह आव्रजन को सस्टेनेबल स्तर पर लाना चाहती है और अस्थायी निवासियों की संख्या को कुल आबादी के 5 प्रतिशत से नीचे रखना चाहती है।

चीन का कार बाजार फिर सिकुड़ने जा रहा है? दुनिया भर के कार निर्माताओं पर पड़ेगा असर?

बीजिंग, एजेंसी। साल 2018 में, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर पहली बार डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख का असर दिखने लगा था, तब दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार, चीन अचानक सुस्त पड़ गया था। दशकों तक लगातार बढ़त के बाद चीन में कार बिक्री गिरने लगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो गई। उस समय विदेशी कार कंपनियां, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी, सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

अब एक बार फिर आशंका जताई जा रही है कि चीन का कार बाजार पीछे जा सकता है। फर्क बस इतना है कि इस बार चोट ज्यादा स्थानीय कार निर्माताओं को लग सकती है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दम पर आज बाजार पर हावी हैं। हालांकि, विदेशी कंपनियां भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगी, क्योंकि चीनी ब्रांड आक्रामक तरीके से विदेशों में विस्तार कर रहे हैं।

गिरावट के संकेत कितने गंभीर हैं? : चीन में मौजूदा गिरावट का पैमाना अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन चेतावनी के संकेत साफ दिख रहे हैं। 2021 में दोबारा ग्रोथ की राह पर लौटने के बाद, पिछले साल चीन में कारों की सालाना बिक्री 2.38 करोड़ यूनिट्स तक पहुंची, जो 2024 के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत ज्यादा थी। यह आंकड़े चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के हैं।

लेकिन साल की आखिरी तिमाही में हर महीने बिक्री पिछले साल से कम रही। उम्मीद है कि इस साल बिक्री स्थिर रहेगी, मगर सभी इतने आशावादी नहीं हैं। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि बिक्री में 5 से 9 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है।

और कौन-से संकेत चिंता बढ़ा रहे हैं? : पिछले महीने चीन ऑटोमोबाइल निर्माता संघ ने अपना साप्ताहिक बिक्री डेटा जारी करने में देरी की, जिसे जानकार कमजोर आंकड़ों को लेकर बढ़ती बेचैनी का संकेत मान रहे हैं।

इसके अलावा, रिसर्च फर्म गावेकल का मानना है कि कई साल की तेज बढ़त के बाद इस साल ईवी की बिक्री में भी गिरावट देखी जा सकती है।

चीन के कार बाजार में सुस्ती क्यों आ रही है? : इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं। गावेकल के मुताबिक, 2024 के आखिर में पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर दी गई सब्सिडी के चलते ईवी की खरीद में तेज उछाल आया था। खासकर कंपनियों और सरकारी संस्थानों की तरफ से। लेकिन इस साल सब्सिडी कम होने से मांग पर दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ईवी पर 5-10 प्रतिशत का नया खरीद टैक्स लगाया गया है। वहीं, डीलरों पर यह पाबंदी भी सख्त की गई है कि वे सिर्फ बिक्री आंकड़े बढ़ाने के लिए खुद गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें ÷जीरो-माइल÷ सेकेंड-हैंड कार बताकर निर्यात न करें। इन सभी वजहों से बिक्री के आंकड़े प्रभावित हो रहे हैं।

क्या कीमतों की जंग और तेज होगी? : जैसे-जैसे चीन का घरेलू बाजार सिकुड़ता है, वहां लंबे समय से चल रही प्राइस वॉर (कीमत की जंग) और तेज होने की आशंका है। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते कंपनियां पहले से ही भारी छूट दे रही हैं।

इसी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में डिस्काउंट पर लगाम लगाने की कोशिश की है। 12 फरवरी को चीन की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने नियम जारी कर कहा कि कंपनियां अब गाड़ियां निर्माण लागत से कम कीमत पर नहीं बेच सकेंगी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन नियमों को कितनी सख्ती से लागू किया जाएगा। विदेशी कार कंपनियों को उम्मीद है कि यह पहल सफल होगी, क्योंकि वे चीनी ब्रांड्स से कीमत के मोर्चे पर मुकाबला नहीं कर पा रही हैं।

हेल्थ प्लस

लाल अंगूर खाने से दिल की बिमारियाँ कम होती हैं

स्पेनिश वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि लाल अंगूर खाने से रक्तचाप कम होता है, कोलेस्ट्रोल घटता है और दिल की बिमारियाँ कम होती हैं।

मेड्रिड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अपनी जाँच मे पाया कि लाल अंगूर के छिलके और अंदर के गुदे में मौजूद फाइबर से तथा एंडिओक्सिड से दिल की बिमारियाँ कम हो सकती है।

वैज्ञानिकों ने कुछ स्वयंसेवकों के उपर इसका शोध का परीक्षण किया। इस परीक्षण से पता चला कि इन स्वयंसेवकों के शरीर में मौजूद कोलेस्ट्रोल 14 प्रतिशत तक कम हो गया।

इन वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें दिन में कम से कम 30 ग्राम लाल अंगूर खाना चाहिए। यह स्वास्थ्य वर्धक है और दिल की बिमारियों को होने से रोकता है।

गर्भावस्था के दौरान होने वाली तकलीफे

गर्भावस्था के दौरान महिलाएं विभिन्न शारीरिक तथा मानसिक समस्याओं से गुजरती है। इन्हे दूर करने के लिए चिकित्सक की सलाह लेनी चाहिए। गर्भावस्था को समान्यरूप से तीन चरणों में बाँटा जा सकता है। पहला चरण 1 से 12 सप्ताह का, दूसरा चरण 13 से 28 सप्ताह का तथा तीसरा चरण 29 से 40 सप्ताह का।

प्रथम चरण में होने वाली तकलीफे

- उबकाइयाँ आना, घबराहट होना, खाने में अरूची तथा उल्टियाँ होना।

- अतिशय उल्टियाँ होने के कारण निम्न हो सकते है : जुड़वाँ बालक होना, खून का ऊँचा दबाव, असामान्य गर्भ, पीलिया, एसिडिटी, मधुप्रमेह तथा मूत्र पिण्ड की कोई तकलीफ।
- योनिमार्ग से रक्तस्त्राव होना, यह लाल रंग का भी हो सकता है, तो गहरा कत्थई भी। इस स्थिति में गर्भ सुरक्षित हो सकता है, तो गर्भपात भी हो सकता है।

गर्भावस्था के दूसरे चरण में होने वाली तकलीफे

- डकारें आना, घबराहट होना, वायु तथा एसिडिटी बनना।
- गर्भावस्था के दौरान होने वाले अंत:स्त्राव के कारण कुछ जोड़ व स्नायु ढिले होते है, इसके कारण कमर दर्द, पैर खीचना, चलने में तथा करवट बदलने में तकलीफ होना।
- सरदर्द तथा कब्ज होना तथा मस्से से खून गिरना
- नींद न आना, विचारों का उमड़ना, चिड़चिड़ापन, मूड बदलना, याददाश्त कमजोर होना।
- स्तनों से चिकना द्रव्य निकलना तथा स्तन भारी होना तथा उसके कारण दर्द होना।
- मुँह, योनि तथा बगल में संक्रमण लगना।

गर्भावस्था के तीसरे चरण में होने वाली तकलीफे

- नींद न आना। इसके कारणों में गर्भाशय का बढ़ना, डकारें, उबकाईयाँ, प्रसूति सम्बन्धी चिंताएं शामिल है।
- चमड़ी सम्बन्धी तकलीफे होना, गर्भाशय के बढ़ने से चमड़ी व स्नायु खींचते है जिससे पेट व स्तनो पर धारियाँ बन जाती है।
- खून का दबाव बढ़ना, पैरों में सूजन आना, पेशाब में प्रोटीन जाना वगेरे समस्याजनक हो सकते है।
- योनिमर्ग से द्रव्य गिरना। यह दुर्गंधयुक्त हो तो संक्रमण को दर्शाता है, अगर प्रवाही पतला पेशाब जैसा हो तो वह गर्भजल भी हो सकता है। चिकित्सक की सलाह लें।
- बालक असामान्य अवस्था में रहना। 36 - 37 सप्ताह तक बालक उल्टा नहीं होता है तथा टेढी मेढी अवस्था में रहता है तो शल्य-चिकित्सा द्वारा प्रसूति करवानी पड़ती है।

रसोई में छिपा सेहत का खजाना

गुणकारी हींग

- दिल से जुड़ी बीमारियों में आराम पाने के लिए चुटकी भर हींग 1 बड़े मुनक्के के साथ रोज सुबह खाएं। हृदय से जुड़ी बीमारियों में आराम मिलता है।
- पेट की गैस की समस्या होने पर पके केले में चुटकी भर हींग मिला कर खाएं।
- पेट में दर्द होने पर 1 कप गर्म पानी में 1 छोटा चम्मच हींग घोल लें और नरम कपड़े को उसमें भिगो कर पेट की सिंकाई करें।

अनार के छिलके

- आधा छोटा चम्मच दालचीनी और 2 छोटे चम्मच शहद 1 कप अनार के रस में मिला कर पीने से खून की कमी जाती रहती है।
- अनार के छिलकों को सुखा कर बारीक पीस लें। इस पाऊडर को गुनगुने सरसों के तेल में मिला कर छालों पर लगाने से राहत मिलती है।
- अनाक के छिलकों को पीस कर उसका लेप लगाने से घाव जल्दी ठीक होता है।

स्वस्थ रहने के लिए टिप्स

स्वस्थ रहना सबको भता है पर स्वस्थ रहना आसान नहीं है। स्वस्थ रहना है तो इन्हें अपनाएं और स्वस्थ रहें।

- उम्र के अनुसार अन्न का सेवन करें-
- नाश्ता अवश्य करें पर ध्यान रखें कि नाश्ते में अन्न की मात्रा अधिक न लें।
- टी.वी. देखते और पढ़ते समय भोजन न करें। न ही बातें करते हुए भोजन करें।
- बीमार होने पर भोजन में संयम बरतें।
- लम्बी आयु पाने के लिए भूख से कम भोजन खाएं। एक ही समय में अधिक न खाएं।
- तीन बार मुख्य भोजन लें और दो बार हल्का नाश्ता लें।
- सुबह और रात के खाने में विभिन्नता रखें।
- बासी खाना न खाएं। थोड़ा खाएं पर ताजा खाएं।
- चाहे घर हो या बाहर, मर्यादा में रहकर खाएं।
- खाना खाते समय मन में किसी प्रकार के बुरे विचार न रखें। प्रसन्न मन से भोजन करें।
- एक ही समय अधिक चीजों का सेवन न करें। भोजन में तले हुए भोज्य पदार्थों का सेवन कम से कम करें।
- भोजन चबा-चबा कर खाएं। शीघ्र भोजन न खाएं, न ही अधिक चटखारे लेकर खाएं।
- भोजन से एकदम पहले और एकदम बाद पानी न पीएं।

क्या दिन में आठ ग्लास पानी पीना आवश्यक है ?

कोई जरूरी नहीं कि हमें दिन में 8 ग्लास पानी पीना ही चाहिए

एक पुरानी मान्यता के अनुसार हमें दिन में आठ ग्लास पानी पीना चाहिए। इस बात पर अमूमन हर कोई यकीन करता है, लेकिन बहुत कम इसके पीछे कितनी सच्चाई है यह जानने की कोशिश करते हैं।

यकीकत यह कि यह कोई जरूरी नहीं कि हमें दिन में 8 ग्लास पानी पीना ही चाहिए। शरीर के लिए पानी बहुत आवश्यक होता है यह सच है। लेकिन शरीर पानी की जरूरत को कई अन्य स्त्रोतों से भी पूरा करता है। जैसे कि फल, सब्जी, वातावरण, चाय अथवा कॉफी इत्यादि।

तो शरीर को नमी प्रदान करने के लिए पानी पीना ही एकमात्र विकल्प नहीं होता है। इसके अलावा पानी की जरूरत मौसम के हिसाब से बदलती भी है। बरसाती माहौल में आप कम पानी पीते हैं, क्योंकि वातावरण मे मौजूद नमी बाकी की जरूरत को पूरा कर देती है।

तो आपको पानी कब पीना चाहिए? जाहिर है, जब प्यास लगी हो। इसके अलावा अपने मूत्र के रंग को भी ध्यान मे रख सकते हैं। सामान्य स्थिति मे यह सफेद या हल्का पीला होना चाहिए। गहरा पीला हो रहा है तो इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि आप कम पानी पी रहे हों।

नजला-जुकाम के उपचार

सर्दी लग जाने, शरीर में बने मल, मूत्र, पसीना, कफ आदि की सफाई न हो सकने, किसी चिंता में रहने धूल-मिट्टी में जाने, अधिक शराब आदि पीने, कब्ज के ठीक न होने, गलत खान-पान से, पानी में भीग जाने आदि से जुकाम हो जाता है।

घरेलू उपचार- नजला या जुकाम को साधारण रोग तो मानते हैं मगर जब यह बार-बार होने लगता है, बिगड़ जाता है तो सांस के रोग, दमा आदि का जन्मदाता भी बन जाता है। टी.बी. जैसे रोग का भी कारण बनता है अत: उपचार जरूरी है।

सावधानियां- 1. रात को देर तक नहीं जागें। प्रात: जल्दी बिस्तर त्यागें।

2. कब्ज की शिकायत न होने दें। अधिक तरल खाएं।

3. एकदम सर्दी में न निकलें। गर्म-सर्द न हों।

4. पूरा आराम किया करें। हर समय की भाग-दौड़ बंद करें।

5. भारी, तला हुआ तेल व मसालों वाले भोजन न खाएं।

उपचार- निम्नलिखित कुछ उपचार करें-

कपूर की पोटली- यदि नजला जुकाम का रोगी कपूर की पोटली दिन में कई बार सूंघ ले तो आराम मिलेगा।

लौंग का तेल- इस रोग को शांत करने के लिए लौंग का तेल सूंघें अथवा दो-तीन बूंदें नाक में डालें।

दूध व हल्दी- एक गिलास दूध में एक चम्मच हल्दी मिलाएं। इसे अच्छी प्रकार उबालें व रोगी को पिलाएं। कुछ दिन नियमित पिलाते रहें।

काढ़ा तैयार करें- ग्रीन टी 2 चम्मच, 7 दाने काली मिर्च, 11 पत्तियां तुलसी की, दो लौंग, अंदाज से दाल चीनी तथा तेजपत्ता इन सबको एक गिलास पानी में खूब उबालें। जब एक चौथाई रह जाए तो उतार लें।

एक गिलास दूध में इस काढ़े का एक तिहाई डालें, फिर उबालें। रोगी इसे गर्म चाय की तरह पीता जाए। इसमें जरूरत के अनुसार शक्कर भी डाल लें।

बादाम तथा मुनक्के- रात को एक गिलास पानी में चार गिरी-बादाम, 11 मुनक्के डालें। रात भर पड़ा रहने दें। प्रात: इन बादामों व मुनक्के को पिसी काली मिर्च के साथ रोगी खा ले। पांच दिनों तक बिना नागा इसे खाएं, आराम रहेगा।

काली मिर्च- नजला-जुकाम से बचने या इसे ठीक करने के लिए काली मिर्च के पांच दाने गर्म पानी के साथ चबा कर निगल जाएं।

अजवायन- अजवायन को तवे पर भूनें। पोटली बनाकर सूंघें। काफी आराम मिलेगा। चार दिन लगातार इस उपचार को करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1994

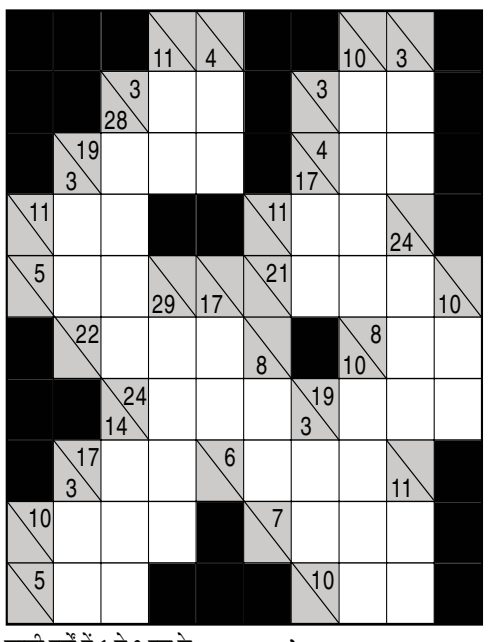

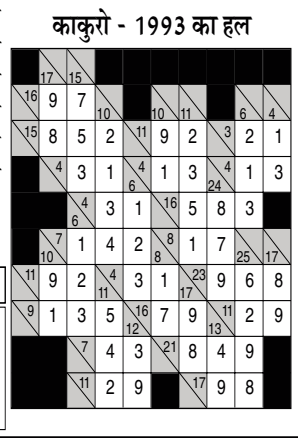

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 1993 का हल

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

□ □ □

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

□ □ □

एक ग्राहक होटल के बैरे से - अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

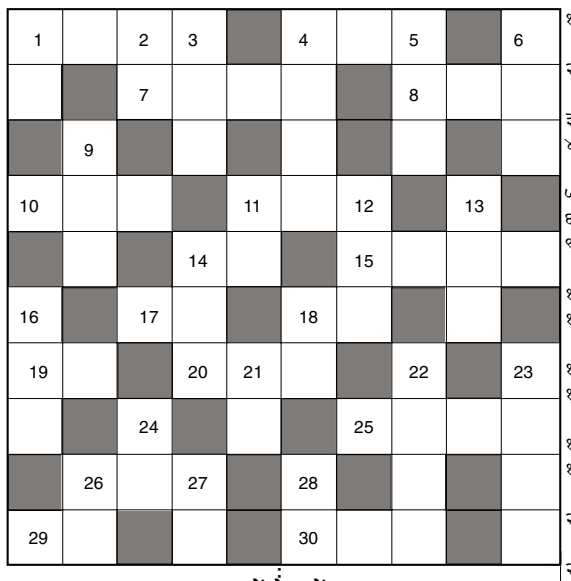

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

□ □ □

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 1994

बायें से दायें:-

१. सैफअली खान, रानी मुखर्जी की 'सांसों को सांसों में ढलने दो' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'रंग भरे मौसम से रंग चुराके' गीत वाली जैकी श्रॉफ, जूही चावला की फिल्म-३
७. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
८. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
१०. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली फिल्म-३
११. फिल्म 'मनोरंजन' में शम्मीकपूर के साथ नायिका कौन थी-३
१४. सलमान, सोमी की 'दिल मेरा यहां' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'कब के बिछड़े हुए' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
१७. अमजद खान, बिंदिया गोस्वामी की 'दिल के टुकड़े टुकड़े' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'मेरे खयालों की मलिका' गीत वाली शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की फिल्म-२
१९. सुनील शेट्टी, रंभा की 'कहां गये ममता' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'तुम भी चलो' गीत वाली अमिताभ, विनोद खन्ना, सायरा बानो की फिल्म-३
२५. अमिताभ, अरशद वारसी, करिश्मा, विजय शांति की फिल्म-४
२६. 'ये दपनियावाले' गीत वाली देवानंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२९. धर्मेन्द्र हेमा की 'दुनिया जब' गीत वाली फिल्म-२
३०. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. नसीरूद्दीनशाह, जैकीश्रॉफ, नगमा की फिल्म-२
२. करणनाथ, मनीषा नतान्यासिंह की 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-२
३. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
४. ऋषिकपूर, श्रीदेवी की 'बदली है ना बदलेगी' गीत वाली फिल्म-४
५. देवानंद, मधुबाला की फिल्म-३
६. 'बनाकेक्यूं बिगाड़ा रे' गीत वाली फिल्म-३
९. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षयखन्ना, अमृता राव की फिल्म-३
११. 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'खाई है रे हमने' गीत वाली राजेंद्र, शर्मिला की फिल्म-३
१३. फिल्म 'सपने साजन के' की नायिका-३
१४. राजकपूर, दिलीपकुमार, नर्गिस की 'झूम झूम के नाचो आज' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-३
१८. सनी देओल, सुष्मिता सेन की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे तो गिरधर गोपाल' गीत वाली फिल्म-२
२२. मनोजकुमार, साधना की फिल्म-४
२३. 'जो उनकी तमन्ना है' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
२६. 'सुना था देखा ना था' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
२७. अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२८. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1993

सूडोकु -1994

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1993 का हल

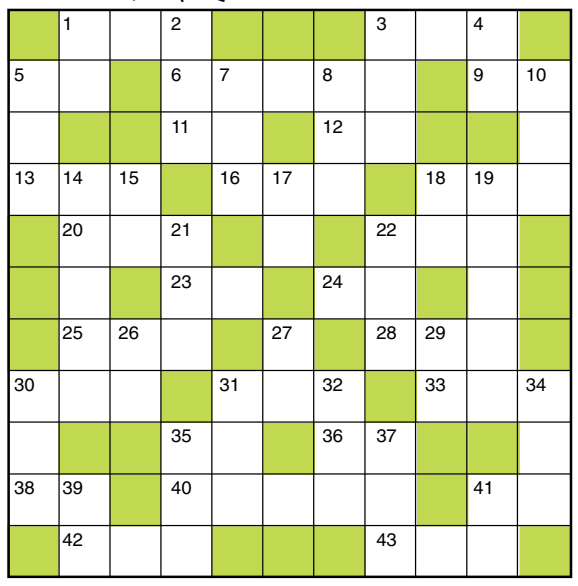

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

शब्द पहेली - 1994

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली - 1993 का हल

‘पूर्णमदः पूर्णमिदं’ के संदेश के साथ प्रधानमंत्री ने बताया ज्ञान की अनंतता का अर्थ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ज्ञान की अनंतता और उसकी अक्षुण्ण पूर्णता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सच्चा ज्ञान बांटने से कम नहीं होता, बल्कि और अधिक विस्तृत तथा समृद्ध होता जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा ज्ञान से सीखना और नए परिणाम उत्पन्न करना अनंत नई संभावनाओं और नवाचारों को जन्म देता है, जबकि मूल बुद्धिमत्ता वही रहती है। प्रधानमंत्री ने ईशा उपनिषद के शाश्वत ज्ञान का उल्लेख करते हुए सोशल मीडिया एक्स पर संस्कृत श्लोक साझा किया, ‘पूर्णमदः पूर्णमिदं पूर्णात् पूर्णमुदच्यते।पूर्णस्य पूर्णमादाय पूर्णमेवावशिष्यते॥‘ इसका अर्थ है कि परम सत्य या ब्रह्म अनंत और अखंड है। उससे सृष्टि की उत्पत्ति होने पर भी उसकी पूर्णता में कोई कमी नहीं आती। यह श्लोक हमें सिखाता है कि ज्ञान, ऊर्जा और सृजनशीलता जितनी अधिक बांटी जाए, उतनी ही बढ़ती है; उसकी मूल सत्ता सदैव पूर्ण और अविनाशी रहती है।

बेलडांगा हिंसा : एनआईए ने मुर्शिदाबाद पुलिस से केस डायरी मांगी

कोलकाता। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की पुलिस को ईमेल भेजकर पिछले महीने बेलडांगा में हुई हिंसा से संबंधित केस डायरी उपलब्ध कराने को कहा है। एनआईए के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक बेलडांगा हिंसा मामले की केस डायरी एनआईए को सौंपे जाने को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी का दावा है कि सर्वोच्च न्यायालय ने निर्देश दिया है कि बेलडांगा हिंसा मामले की केस डायरी 26 फरवरी तक प्रस्तुत की जाए। फिलहाल एनआईए इस मामले में मुर्शिदाबाद पुलिस की अगली कार्रवाई पर नजर रखे हुए है। उल्लेखनीय है कि इसी वर्ष जनवरी में मुर्शिदाबाद जिले का बेलडांगा उस समय लंबे समय तक अशांति का केंद्र बन गया था, जब जिले के प्रवासी श्रमिक अलाउद्दीन शेख की झारखंड में मृत्यु की खबर सामने आई। 16 जनवरी को जब अलाउद्दीन का शव झारखंड पहुंचा, तो स्थानीय लोग सड़कों पर उतर आए। पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों की अन्य राज्यों में हुई मौतों के विरोध में भी प्रदर्शन हुए।

आपातकाल में किस तरह लोकतंत्र का अपहरण हुआ, इस विषय में युवाओं को जानने की जरूरतः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि आपातकाल में जिस तरह से लोकतंत्र का अपहरण हुआ, इस विषय में जानने की सबसे ज्यादा जरूरत युवाओं को है, क्योंकि लोकतंत्र लंबे समय के संघर्ष के बाद स्थापित हुआ और देश की बेहतरी के लिए हुआ था, देश को फिर से विश्व गुरु के स्थान पर पहुंचाकर दुनिया का नेतृत्व करने के लिए हुआ था, जिससे दुनिया में शांति की स्थापना हो सके और हम लोकतंत्र को अमर बना सकें। उप मुख्यमंत्री शुक्ल गुरुवार को भोपाल में हिन्दुस्थान समाचार बहुभाषी न्यूज एजेंसी और सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के तत्वावधान में आयोजित देश में आपातकाल की घोषणा के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ‘आपातकाल और युवा’ विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय विमर्श को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सत्ता के सदुपयोग और दुरुपयोग में क्या अंतर होता है और जब सत्ता का दुरुपयोग होता है तो स्थिति विकट हो सकती है, ये आपातकाल में हम लोगों ने देखा। जनता के आशीर्वाद से मिली हुई सत्ता इस बात के लिए नहीं है कि जो कुर्सी हमारे हाथ से जाने का खतरा आ जाए और वह भी उच्च न्यायालय के आदेश पर, तो हम ऐसी स्थिति पैदा कर दें कि लाखों लोगों को जेल के अंदर ठूस दिया जाए, प्रताड़ना दी जाए, प्रेस की स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया जाए इससे भयावह स्थिति नहीं हो सकती। उन लोगों के लिए इससे बड़ी चिंता का विषय नहीं हो सकता कि लोगों ने लोकतंत्र की स्थापना एक बड़े मिशन की पूरा करने के लिए गई थी।

भारत की नीति पड़ोसी देशों के सांस्कृतिक क्षेत्र पर समावेशिता को बढ़ावा देना है : डॉ जोशी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने गुरुवार को कहा कि भारत की नीति पड़ोसी देशों के सांस्कृतिक क्षेत्र पर साम्राज्यवाद स्थापित करना नहीं बल्कि समावेशिता को बढ़ावा देना है। डॉ जोशी ने यह बात आज नई दिल्ली स्थित आईजीएनसीए के बृहत्तर भारत एवं क्षेत्र अध्ययन विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन के अवसर पर कही। यह कार्यक्रम ‘भारत और मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान’ विषय पर आधारित था। इसका उद्देश्य भारत और ‘बृहत्तर भारत’ की परिधि में आने वाले देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चा कराना था। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए डॉ जोशी ने कहा, भारत- मंगोलिया के बीच सांस्कृतिक संबंध हमेशा से मजबूत रहे हैं। ‘बृहत्तर भारत’ की मूल भावना यही है कि हम अपने पड़ोसी देशों में उन जड़ों को तलाशें, जिनमें संस्कृति, समाजशास्त्र, दर्शन, मनोविज्ञान और यहां तक कि राजनीति के स्तर पर भी समानताएं मौजूद हैं। ऐसे कार्यक्रम हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत-मंगोलिया सम्बंधों के अध्ययन का मार्ग प्रशस्त करेंगे। उन्होंने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों और महाविद्यालयों में सांस्कृतिक संबंधी शोध, कार्यशालाएं और प्रदर्शनी आयोजित करने तथा शिलालेखों, पाण्डुलिपियों और अन्य दस्तावेज़ों के अध्ययन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया।

भारत का ‘पैक्स सिलिका’ में शामिल होना रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण : अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत शुक्रवार को आधिकारिक रूप से ‘पैक्स सिलिका’ में शामिल हो गया है। यह सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और एडवांस टेक्नोलॉजी सप्लाई चेन को मजबूत करने की एक अमेरिकी पहल है। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में भारत के इस पहल में शामिल होने को अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने एक बहुत रणनीतिक और जरूरी कदम बताते हुए कहा कि ‘पैक्स सिलिका’ का युग 21वीं सदी में आर्थिक और तकनीकी ऑर्डर को तय करेगा। भारत की अपार प्रतिभा और वैश्विक प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती देने की क्षमता पर जोर देते हुए, अमेरिकी राजदूत ने कहा कि नई दिल्ली महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण की क्षमताओं को आगे बढ़ा रही है और अमेरिका इस क्षेत्र में भारत के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। गोर ने आगे कहा कि वाशिंगटन भारत के साथ विश्वसनीय

प्रौद्योगिकियां साझा करने के लिए तैयार है और भारत को दुनिया के इस हिस्से की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं की अच्छी समझ है। उन्होंने कहा कि यह समिट बहुत ही प्रभावशाली रहा है और ‘हमारे दोनों देशों के बीच कई अवसर हैं, इसलिए हम उन पर आगे बढ़ने के लिए उत्सुक हैं। ‘ केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि आज दुनिया को भारत पर पहले से कहीं अधिक भरोसा है। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा, ‘हमारे पास प्रतिभाओं का विशाल भंडार है और हमने अपनी विदेश नीति को इस तरह से संचालित किया है जिससे उनका भरोसा कायम हुआ है। इसी के तहत आज पैक्स सिलिका समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जो सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला, सेमीकंडक्टर विनिर्माण और चिप डिजाइन के लिए, और हमारे देश में संपूर्ण सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ‘ उन्होंने कहा कि इससे भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग को व्यापक लाभ होगा। वैष्णव ने कहा, ‘भारत में दस संयंत्र पहले से ही स्थापित हैं और कई स्थापित किए जा रहे हैं। बहुत जल्द, पहला सेमीकंडक्टर संयंत्र व्यावसायिक उत्पादन शुरू कर देगा। आज भारत में सबसे उन्नत दो-नैनोमीटर चिप्स डिजाइन किए जा रहे हैं। भारत में एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र उभर रहा है।

भारत की आध्यात्मिक विरासत सिर्फ आस्था नहीं, यह हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक विकास की जीवंत नींव हैः सीपी राधाकृष्णन

एजेंसी

नई दिल्ली। उप-राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कांग्रेस नेता डॉ. शशि थरूर की लिखित पुस्तक ‘द सेज हू रीइमैजिन्ड हिंदूइज्म-द लाइफ, लेसन्स एंड लेगेसी ऑफ नारायण गुरु’ का विमोचन किया। इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने कहा कि

भारत की आध्यात्मिक विरासत सिर्फ आस्था का विषय नहीं है बल्कि यह हमारे सांस्कृतिक और सामाजिक विकास की जीवंत नींव है। उन्होंने कहा कि नारायण गुरु जी का अमर आध्यात्मिक संदेश, मानव जाति के लिए एक जाति, एक धर्म, एक ईश्वर, समानता, गरिमा और सार्वभौमिक बंधुत्व के लिए एक क्रांतिकारी आह्वान के रूप में भी काम करता है।

‘भारत रंग महोत्सव’ के तहत सात महाद्वीपों में कई नाटकों की प्रस्तुति

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) की ओर से आयोजित 25वें ‘भारत रंग महोत्सव 2026’ के तहत अबतक 7 महाद्वीपों और 15 से अधिक देशों में सफलतापूर्वक कई नाटकों को प्रस्तुत किया गया। अंटार्कटिका की धरती पर ‘वंदे मातरम’ और ‘भगवद गीता’ की गूंज ने इस महोत्सव को दुनिया का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय थिएटर महोत्सव बना दिया है।इस दौरान 13 फरवरी को अंटार्कटिका के मैत्री स्टेशन पर तैनात भारतीय वैज्ञानिकों की टीम ने थिएटर को अपना समर्थन दिया। इंडियन अंटार्कटिक कार्यक्रम के तहत काम कर रहे इन वैज्ञानिकों ने अर्जुन और श्रीकृष्ण के संवादों के माध्यम से भगवद गीता के सार को जीवंत किया। साथ ही राष्ट्रीय गीत ‘वंदे मातरम’ की 150 साल की यात्रा का जश्न मनाते हुए कोरस प्रस्तुति दी, जिसने बर्फीले रेगिस्तान में देशभक्ति का जज्बा भर दिया। उत्सव का आगाज 27 जनवरी को नई दिल्ली में निशांत भारती के लिखे और डॉ. रेखा मेहरा द्वारा निर्देशित नाटक ‘मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम’ से हुआ था। 31 जनवरी को कनाडा के मिसिसॉगा में रेडियो ढिशुम के सहयोग से सात नाटकों के मंचन के साथ इसका अंतरराष्ट्रीय सफर शुरू

हुआ। कनाडा, जर्मनी, कतर, यूएई, सूरीनाम, नीदरलैंड, तंजानिया और मॉरीशस जैसे देशों में भारतीय कला का प्रदर्शन किया गया। एनएसडी के निदेशक चित्तरंजन त्रिपाठी ने कहा, 25वां भारत रंग महोत्सव अब केवल एक संस्थान का आयोजन नहीं बल्कि एक भारतीय महोत्सव’ बन गया है। यह सबको साथ लेकर चलने वाले थिएटर का प्रतीक है, जिसमें आदिवासी समुदायों, बच्चों और समाज के हर तबके की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

इस महोत्सव में कनाडा के ‘डॉक्टर वांट्स टू टॉक टू यू’, ‘पुत्र का प्रश्न’ और ‘फ्रीबीज़’ जैसे नाटकों को प्रस्तुत किया गया। दक्षिण अमेरिका के सूरीनाम में आज ‘नरसिंह’ नाटक का सफल मंचन हुआ। कतर में ‘सपनों की उड़ान’ और दुबई में मराठी नाटक ‘कामाची’ का मंचन हुआ। 20 फरवरी को अबू धाबी में ‘भारतीय भोजनालय’ पेश किया जाएगा। विदेशों में होने वाले दूसरे शो में नीदरलैंड और तंजानिया शामिल हैं। थिएटर को जन-जन तक पहुंचाने के लिए एनएसडी ने आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया है। हाल ही में इंटरनेट रेडियो ‘रंग आकाश’ और विशेष ओटीटी प्लेटफॉर्म ‘नाट्यम’ लॉन्च किया गया है, ताकि दुनिया भर के थिएटर प्रेमी अपने पसंदीदा प्रोडक्शन घर बैठे देख सकें।

इमरजेंसी की कल्पना करते ही शरीर में सिहरन पैदा हो जाती है : कैलाश सोनी

एजेंसी

भोपाल। पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश सोनी ने 25 जून 1975 की रात को भारतीय लोकतंत्र का ‘काला अध्याय’ बताया। उन्होंने कहा कि उस समय संविधान की आत्मा पर प्रहार किया गया और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कुचल दिया गया। सोनी ने कहा कि आपातकाल की कल्पना करते ही आज भी शरीर में सिहरन पैदा हो जाती है, क्योंकि मैंने उस दौर को स्वयं भोगा है।

पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजधानी भोपाल स्थित सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में ‘आपातकाल और युवा’ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय विमर्श कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन हिन्दुस्थान समाचार बहुभाषी संवाद समिति और सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में कैलाश सोनी ने नई पीढ़ी को लोकतंत्र के संघर्षमय इतिहास से अवगत कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को बिना

न्यायिक प्रक्रिया के जेलों में बंद किया गया। प्रेस पर कठोर सेंसरशिप लागू की गई और मौलिक अधिकारों को स्थगित कर दिया गया। यह केवल सत्ता का केंद्रीकरण नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की परीक्षा थी। कैलाश सोनी ने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र मात्र चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिक स्वतंत्रता, संवैधानिक मूल्यों और जनसहभागिता से जीवित रहता है। उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी जिस स्वतंत्र वातावरण में अपने विचार व्यक्त कर पा रही है, वह अनेक लोकतंत्र सेनानियों के त्याग और संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि हिन्?दुस?तान की दूसरी आजादी के लिए अनेक लोगों ने जेलों में यातनाएं सही। यह संघर्ष केवल राजनीतिक परिवर्तन का नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को बचाने का अभियान था। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास की भूलों से सीख लेना आवश्यक है। यदि युवा वर्ग संविधान के मूल्यों के प्रति सजग रहेगा, तो भविष्य में कोई भी सत्ता नागरिक अधिकारों का हनन नहीं कर सकेगी। उन्होंने युवाओं को लोकतंत्र का प्रहरी बनने का आह्वान किया। अंत में कैलाश सोनी ने दोहराया कि लोकतंत्र की रक्षा केवल अतीत की स्मृति नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की जिम्मेदारी है।

भारत ऑस्ट्रेलिया का युद्धाभ्यास ‘ऑस्ट्राहिंद’, होगा और व्यापक व प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई सेना के वरिष्ठतम कमांडर्स से बातचीत की है। सेना के मुताबिक यहां सैन्य तैयारियों, ट्रेनिंग के नए तरीकों और भविष्य की चुनौतियों पर खुलकर चर्चा हुई। भारत-ऑस्ट्रेलिया के संयुक्त सैन्य अभ्यास ‘ऑस्ट्राहिंद’ पर खास फोकस रहा। ऐसे में माना जा रहा है 2026 में भारत में होने वाला ‘ऑस्ट्राहिंद’ का अगला संस्करण पहले से ज्यादा व्यापक और प्रभावी होगा। दरअसल भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में इस हफ्ते एक नया अध्याय जुड़ गया। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 16 से 19 फरवरी 2026 तक ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया। यह दौरा केवल औपचारिक मुलाकातों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि रणनीतिक समझ और आपसी भरोसे को और मजबूत करने वाला साबित हुआ। जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य

अभ्यासों, सैन्य शिक्षा के आदान-प्रदान और ऑपरेशनल सहयोग को और व्यापक बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। खास बात यह रही कि दोनों देशों की सेनाएं आने वाले समय में अपने संयुक्त अभ्यासों को और प्रभावी बनाने पर सहमत दिखीं। सिडनी में जनरल द्विवेदी ने फोर्सेस कमांड, स्पेशल ऑपरेशंस कमांड और ऑस्ट्रेलियाई सेना की दूसरी डिवीजन के अधिकारियों से बातचीत की। इस दौरान सैन्य तैयारी, प्रशिक्षण के तरीके और ऑपरेशन से जुड़ी रणनीतियों पर विचार-विमर्श हुआ। कैनबरा में उन्हें औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। यहां उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट से मुलाकात की। दिलचस्प बात यह है कि दोनों अधिकारी वर्ष 2015 में अमेरिका के आर्मी वॉर कॉलेज के सहपाठी रह चुके हैं। मुलाकात के दौरान दोनों ने संस्थागत सहयोग को और गहरा करने पर जोर दिया। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मुख्यालय में हुई एक अहम बैठक में सेना के आधुनिकीकरण, नई तकनीकों और भविष्य के युद्ध के स्वरूप पर भी चर्चा हुई। जनरल द्विवेदी ने ऑस्ट्रेलियाई कमांड एंड स्टाफ कॉलेज में अधिकारियों को संबोधित भी किया। उन्होंने बदलते सुरक्षा माहौल में संयुक्तता, नेतृत्व और बहुराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत पर जोर दिया। यात्रा के दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई डिफेंस फोर्स के प्रमुख और रक्षा विभाग के सचिव से भी मुलाकात की।

पर्यावरणविदों को कृषि क्षेत्र पर भी फोकस करने की ज़रूरत : आचार्य देवव्रत

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुंबई में कहा कि पर्यावरणविदों को कृषि क्षेत्र पर फोकस करने की जरुरत है। कृषि क्षेत्र में रसायनों के बढ़ते इस्तेमाल से एनवायरनमेंट के साथ एग्रीकल्चर को भी बहुत नुकसान हो रहा है। राज्यपाल आचार्य देवव्रत मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में हुए ‘मुंबई क्लाइमेट वीक’ के समापन प्रोग्राम को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने ‘मुंबई क्लाइमेट वीक’ के तीन दिन के कॉन्फ्रेंस के लिए ऑर्गनाइज़र को बधाई दी, जिसमें देश-विदेश के एक्सपर्ट्स ने क्लाइमेट चेंज जैसे गंभीर मुद्दे पर बात की। राज्यपाल देवव्रत ने कहा कि केमिकल खेती के साइड इफेक्ट्स खतरनाक हैं। इससे पूरा एनवायरनमेंट पॉल्यूटेड हो रहा है, और गंभीर बीमारियों का संकट भी बढ़ रहा है। इसलिए, ग्लोबल एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन के बारे में सोचते हुए एनवायरनमेंटल एक्सपर्ट्स से एग्रीकल्चर और रूरल इकॉनमी पर भी विचार करने की अपील की। राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति प्रकृति की पूजा करने वाली है। पुराने एजुकेशन सिस्टम में बच्चों को प्रकृति के पास रहकर पढ़ाया जाता था। लेकिन, आज के समय में भोग-विलास बढने से पर्यावरण का नुकसान हुआ है। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान नदियां साफ हो गईं और आसमान साफ हो गया था। इससे साफ पता चलता है कि पर्यावरण के नुकसान का मुख्य कारण इंसानी दखल है महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री श्रीमती पंकजा मुंडे ने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए ठोस और बड़े पैमाने पर कदम उठाने की जरुरत है। पर्यावरण की समस्या किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्लोबल है। इसलिए, इससे निपटने के उपाय करते समय ग्लोबल नज़रिया ज़रूरी है। पंकजा मुंडे ने कहा कि मिट्टी, पानी और हवा पर्यावरण के तीन ज़रूरी हिस्से हैं।

भाजपा सरकार के खिलाफ 20 सूत्री ‘चार्जशीट’ जारी : प्रियंका गांधी

गुवाहाटी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम में भाजपा-नीत सरकार के खिलाफ 20 सूत्री ‘चार्जशीट’ जारी करते हुए उस पर भ्रष्टाचार, अधूरे वादों और अल्पसंख्यकों के बीच भय का वातावरण पैदा करने का आरोप लगाया। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले गुवाहाटी में इस दस्तावेज का अनावरण किया गया। प्रियंका ने आरोप लगाया कि राज्य प्रशासन ने व्यापक स्तर पर भ्रष्टाचार किया है और सरकारी तंत्र का दुरुपयोग कर समाज के कुछ वर्गों में असुरक्षा की भावना उत्पन्न की है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार अपने कार्यकाल के दौरान किए गए प्रमुख वादों को पूरा करने में विफल रही है। पार्टी के अनुसार छह स्वदेशी समुदायों को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने तथा चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी 351 रुपये करने का आश्वासन अब तक पूरा नहीं हुआ है। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा पर भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके करीबी सहयोगियों और मंत्रियों के परिजनों के साथ मिलकर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित की गई है।

एसआरसीसी युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव में शामिल हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) ने शुक्रवार को युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह उपस्थित रहें।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इंडिया एआई शिखर सम्मेलन के संदर्भ में कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी उठाई है। एआई शिखर सम्मेलन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अब तक भारत एआई का उपयोगकर्ता रहा है, लेकिन धीरे-धीरे देश ‘सॉवरेन एआई’ की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जरूरतमंद देशों की क्षमता बढ़ाने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने का भी संकल्प लिया है। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में युगांतर वार्षिक प्रबंधन कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि 1926 में स्थापित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स अपनी शताब्दी मना रहा है और पिछले 25 वर्षों से यहां एक प्रतिष्ठित बी-स्कूल सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि एसआरसीसी के पास शैक्षिक उत्कृष्टता की एक शानदार विरासत है। देश में वाणिज्य शिक्षा को आकार देने के 100 गौरवशाली वर्षों पर एसआरसीसी परिवार को बधाई। उन्होंने कहा कि भारत की अभिनव क्षमता अतुलनीय है और इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को उसकी वास्तविक भावना के साथ लागू करना आवश्यक है। उन्हें विश्वास है कि एसआरसीसी और जीबीओ जैसे पाठ्यक्रम अपनी नेतृत्वकारी भूमिका बनाए रखेंगे।

उन्होंने एसआरसीसी के पूर्व छात्र स्वर्गीय अरुण जेटली को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अरुण जेटली का एक बड़े भाई और गुरु के रूप में मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव था। केंद्रीय मंत्री ने एसआरसीसी के छात्रों को बड़े सपने देखने और नवाचार की भावना से प्रेरित रहने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि उन्हें न केवल भारत की समृद्धि के लिए बल्कि वैश्विक कल्याण के लिए भी काम करना होगा। मंत्री ने छात्रों पर विश्वास जताते हुए कहा कि छात्र भारत ब्रांड के वैश्विक राजदूत बनेंगे। साथ ही शिक्षा मंत्री ने यह घोषणा करते हुए खुशी जाहिर की कि ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशंस (जीबीओ) पाठ्यक्रम को जल्द ही मास्टर डिग्री प्रोग्राम में बदल दिया जाएगा। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री का एसआरसीसी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए समय निकाला पर विश्वविद्यालय और एसआरसीसी प्रबंधन की ओर स्वागत और आभार व्यक्त किया।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज, पीड़िता की मां ने ली राहत की सांस

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिसमें उच्च न्यायालय ने कहा था कि पायजामे का नाड़ा खींचना रेप का प्रयास नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस फैसले को खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद पीड़िता की मां ने खुशी जाहिर करते हुए राहत की सांस ली है। नाबालिग पीड़िता की मां ने कहा कि इस आदेश से न्याय में उनका भरोसा बहाल हुआ है। पीड़िता, जो घटना के समय सिर्फ 11 वर्ष की थी, की मां ने कहा, ‘इस फैसले से मेरा यह विश्वास बहाल हुआ है कि कानून बच्चों व पीड़ितों की सुरक्षा कर सकता है। मुझे उम्मीद है कि अब किसी बच्चे को अपने साथ हुए अत्याचार का विश्वास दिलाने के लिए ठोकर नहीं खानी पड़ेगी और इस फैसले से उन बहुत सारे बच्चों को मदद मिलेगी जो आवाज नहीं उठा पा रहे हैं।’ उन्होंने कहा कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) तब उनके साथ खड़ा हुआ जब उन्हें लग रहा था कि वे असहाय हैं और कोई उनकी आवाज नहीं सुनेगा। उनके समर्थन से हम न्याय के लिए संघर्ष जारी रखने की हिम्मत जुटा पाए।

नवंबर 2021 में उत्तर प्रदेश के कासगंज में दो युवक 11 साल की नाबालिग बच्ची को जबरन घसीट कर एक पुलिया के नीचे ले गए और उसके कपड़े उतारने की कोशिश की। बच्ची की चीख पुकार सुन उधर से गुजर रहे दो राहगीर वहां पहुंचे जिसके बाद दोनों आरोपित मौके से भाग निकले। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन की ओर से पीड़िता की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता एच. एस. फूलका ने इसे ऐतिहासिक करार देते हुए कहा, ‘यह बच्चों की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक दूरगामी फैसला है। यह एक स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक विवेचना में पीड़ितों के खिलाफ किसी भी तरह के भेदभाव या पूर्वाग्रह की कोई जगह नहीं है। इस फैसले के लिए हम खंडपीठ के आभारी हैं।’ उच्चतम न्यायालय ने दिशानिर्देश तय करने में नेटवर्क से सुझाव भी मांगे हैं।

जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के राष्ट्रीय संयोजक रवि कांत ने कहा, ‘यह फैसला यौन हिंसा के पीड़ितों के लिए न्याय, गरिमा और संवेदनशीलता सुनिश्चित करने के हमारे लंबे और दृढ़ संघर्ष का नतीजा है। हम सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हैं जिसने न्यायिक तंत्र में भरोसा बहाल किया है और इस विश्वास को मजबूत किया है कि बच्चों एवं कमजोर व संवेदनशील पृष्ठभूमि के लोगों के खिलाफ अपराधों को गंभीरता और अपेक्षित संवेदनशीलता के साथ देखा जाएगा। ‘उल्लेखनीय है कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पिछले साल मार्च में दिए गए फैसले में कहा था कि नाबालिग पीड़िता के वक्ष पकड़ने व सलवार का नाड़ा खोलने को बलात्कार का ‘प्रयास’ नहीं माना जा सकता और यह सिर्फ बलात्कार की ‘तैयारी’ थी। बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए नागरिक समाज संगठनों के नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) ने हाई कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ तत्काल पीड़िता की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति जोयमाल्या बागची और एन. वी. अंजारिया की खंडपीठ ने हाई कोर्ट के फैसले को स्पष्ट रूप से त्रुटिपूर्ण और आपराधिक दंड विधान के स्थापित सिद्धांतों के पूरी तरह खिलाफ करार देते हुए खारिज कर दिया। साथ ही, शीर्ष अदालत ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत दोनों आरोपितों के खिलाफ पहले से लगे बलात्कार के प्रयास के आरोप को भी बहाल कर दिया।

प. बंगाल एसआईआरः निर्वाचन आयोग ने पहचान दस्तावेज अपलोड में जानबूझकर देरी करने वाले अधिकारियों की पहचान की

एजेंसी

कोलकाता। भारत निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद दावों और आपत्तियों की सुनवाई के दौरान प्राप्त पहचान दस्तावेजों को अपलोड करने की प्रक्रिया में जानबूझकर देरी करने वाले निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) तथा सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ) की पहचान की है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, लगभग 120 से 150 निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी इस प्रकरण में दोषी पाए गए हैं। हालांकि आयोग की ओर से अभी तक संबंधित अधिकारियों की आधिकारिक संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों का कहना है कि कुछ अधिकारियों ने 14 फरवरी को सुनवाई सत्रों की बढ़ाई गई अंतिम

तिथि समाप्त होने के बाद भी पांच दिनों तक दस्तावेज अपलोड करने की प्रक्रिया लंबित रखी। इस कथित उदासीनता के कारण बड़ी संख्या में मतदाताओं के दस्तावेज अब भी प्रणाली में दर्ज नहीं हो सके हैं। जब तक इन दस्तावेजों का अपलोड और पंजीकरण पूर्ण नहीं होगा, तब तक उनकी विधिवत जांच संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में 21 फरवरी तक दस्तावेजों की जांच पूरी करने की वर्तमान समयसीमा पर संदेह उत्पन्न हो गया है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि दस्तावेजों की जांच की समय सीमा बढ़ानी पड़ी तो 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की निर्धारित तिथि भी आगे बढ़ाई जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, आयोग दोषी पाए गए अधिकारियों के विरुद्ध जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में दो निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, नौ सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों, एक आंकड़ा प्रविष्टि कर्मी तथा तीन सूक्ष्म प्रवेक्षकों के विरुद्ध पहले ही कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है।

दक्षिण अफ्रीका के ये खिलाड़ी करेंगे अभिषेक के खिलाफ गेंदबाजी की शुरूआत

अहमदाबाद (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा लगातार तीन बार शून्य के स्कोर पर आउट हुए लेकिन भारत का अभियान बिना रूके पटरी पर चल रहा है लेकिन इस खिलाड़ी का बल्ले का नहीं चलना चर्चा का विषय बना हुआ है। इसका कारण या तो पेट के संक्रमण से उनका कमजोर होना है या फिर धीमे विकेट पर स्पिनरों के खिलाफ तकनीकी कमजोरी का उभरना है। लेकिन जिन्होंने इस प्रारूप और इस खिलाड़ी को करीब से देखा है उनका कहना है कि 'फॉर्म अस्थायी है, उसका आत्मविश्वास स्थायी' है।

अभिषेक का स्ट्राइक रेट 192 से ज्यादा का है लेकिन अचानक उनकी फॉर्म खराब हो गई जिसका मुख्य कारण पेट के संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती होने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी हो सकती है। फिर धीमी पिचों ने भी उनकी मदद नहीं की है। अब तक टीम के एकजुट प्रयास ने पक्का किया है कि नतीजों पर कोई असर नहीं पड़े। लेकिन शनिवार से सुपर आठ चरण शुरु होने वाला है इसलिए यह जरूरी होगा कि उनका बल्ला चले।

भारत सुपर 8 चरण के पहले मैच में 22 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। और उनके पिछले आउट होने के तरीके को ध्यान से देखने के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मारक्रम पावरप्ले के अंदर दोनों छोर से कागिसो रबाडा या लुंगी एनगिडी को गेंदबाजी कराने के बजाय खुद ऑफ-ब्रेक गेंदबाजी करने के बारे में सोच सकते हैं या फिर जॉर्ज लिंडे से गेंदबाजी करने को कह सकते हैं। सबसे छोटे प्रारूप में गलती की गुंजाइश बहुत कम होती है।

अभिषेक का टी20 विश्व कप में अपना खाता नहीं खोल पाना चिंता की बात नहीं है। हो सकता है वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ या फिर इसके बाद चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ और कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में लय हासिल कर लें। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी के एक मशहूर बल्लेबाजी कोच ने लीग के दौरान अभिषेक के खिलाफ योजना बनाई और उनकी बल्लेबाजी का विश्लेषण किया। उनसे जब पूछा गया कि क्या टीमों ने आखिरकार अभिषेक की बल्लेबाजी को समझ लिया है तो उनका जवाब 'नहीं' था।

उन्होंने नाम नहीं बताने की शर्त पर कहा, 'बिलकुल नहीं। पहले मैच में डीप एक्स्ट्रा कवर पर वह खराब गेंद पर कैच हुए थे जो 6 रन के लिए जा सकती थी। या फील्डर के बाएं या दाएं एक पैर से बाहर जाकर चौके के लिए जा सकती थी।' अभिषेक के तीनों मैच में आउट होने के तरीके पर उन्होंने आगे कहा, 'ऑफ-स्पिनर की अंदर आती गेंद पर बोल्ड होना, ना कि बाहर जाती हुई गेंद पर, इससे ज्यादा कुछ पता नहीं चलता। और मिड-ऑन पर कैच होना।'

उन्होंने कहा कि इस तरह आउट होने से पहले ऐसा कोई डेटा नहीं है जो यह बताए कि ऑफ-स्पिनर उन्हें हमेशा परेशान करते हैं। कोच ने कहा, 'वह आम तौर पर ऑफ-स्पिन काफी अच्छा खेलते हैं। मैंने कुछ भी गलत नहीं देखा है।' हालांकि विकेटों का धीमा होना उनकी आउट होने का कारण बन सकता है क्योंकि उनके बल्ले की स्विंग बहुत तेज है, जिससे उन्हें तेज गेंदबाजों के मुफीद ट्रैक पर बहुत सफलता मिलती है।

अभिषेक के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत से यह पहला चरण हैं जहां उन्हें लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। यहीं पर बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक का भूमिका अहम हो जाती है। अभिषेक के आत्मविश्वास से भरे व्यक्तित्व को देखते हुए साफ लगता है कि वह कुछ निराशाओं से हिलने वाले नहीं हैं लेकिन उन्हें पता होगा कि भारत के टी20 विश्व कप अभियान का एक बड़ा हिस्सा उनकी शुरुआत पर निर्भर करता है।

टी20 क्रिकेट में ये उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय बने पांड्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने नीदरलैंड के खिलाफ मैच में अपनी 30 रनों की पारी और एक विकेट लेने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। इस पारी के साथ ही पांड्या टी-20 क्रिकेट में 6000 रन और 200 विकेट लेने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गये हैं। डच टीम के खिलाफ मैच में उन्होंने 3 ओवर में 40 रन देकर एक विकेट लिया।

पांड्या ने साल 2013 में घरेलू टी-20 क्रिकेट में बड़ौदा की ओर से टी-20 डेब्यू किया था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन के बल पर साल साल 2015 में मुंबई इंडियंस की आईपीएल टीम में जगह बनायी। जनवरी 2016 में आईपीएल खेलने के बाद उन्हें भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया गया। पांड्या ने साल 2016 टी-20 विश्व कप में भी अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2018 में मुम्बई इंडियंस ने उन्हें रिटेन किया। वहीं 2022 में वे गुजरात जायंट्स आईपीएल टीम के कप्तान बने और उसे पहले ही सत्र में टीम को विजेता बनाने में सफल रहे। आईपीएल 2024 में उन्होंने एक बार फिर मुंबई इंडियंस में वापसी करते हुए कप्तानी हासिल की। पांड्या ने 2024 टी20 विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में शानदार गेंदबाजी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी।

श्रीजेश एक बार फिर बन सकते है भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच बन सकते हैं। उन्होंने कोच के लिए आवेदन किया है। श्रीजेश को अगस्त 2024 में जूनियर पुरुष टीम का मुख्य कोच बनाया गया था और उसके बाद भारतीय टीम ने चेन्नई में आयोजित एफआईएच पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप जीता था। ऐसे में उन्हें एक बार फिर जिम्मेदारी दिये जोन की अधिक संभावना है। श्रीजेश का कोच पद से करार विश्व कप के बाद गत दिसंबर में समाप्त हो गया था और उसके बाद से ही वह नये काम की तलाश में हैं। अब उन्होंने कोच पद के लिए दोबारा आवेदन भेजा है। इसमें उनके अलावा सात अन्य उम्मीदवार भी दावेदार हैं। उन्होंने अपने कोचिंग के अनुभव को लेकर कहा कि इसमें सीखने का शानदार अनुभव रहा। मैंने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने अनुभव साझा किए। संन्यास के बाद मेरा लक्ष्य खेल को कुछ लौटाना था और जूनियर खिलाड़ियों के साथ अपने अनुभव का साझा करने से बेहतर क्या हो सकता था।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि कम से कम छह अन्य उम्मीदवार भी दौड़ में हैं। उन्होंने हालांकि नामों को सार्वजनिक नहीं किय है। उन्होंने कहा, नियमित प्रक्रिया के तहत जूनियर पुरुष टीम के कोच पद के लिए विज्ञापन जारी किया गया है क्योंकि श्रीजेश का अनुबंध विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था। छह-सात उम्मीदवारों ने रुचि दिखाई है, जिनमें श्रीजेश भी शामिल हैं। स्क्रीनिंग और साक्षात्कार के बाद अगले एक-दो सप्ताह में नियुक्ति कर दी जाएगी। वहीं भोला नाथ ने एफआईएच प्रो लीग के राउरकेला चरण में सीनियर भारतीय पुरुष टीम के निराशाजनक प्रदर्शन पर कहा कि चिंता की कोई बात नहीं है। उनके अनुसार मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन सर्वश्रेष्ठ संयोजन तलाशने के लिए टीम में प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, चिंता की कोई बात नहीं है। महत्वपूर्ण टूर्नामेंट से पहले हम प्रो लीग में कुछ युवा और नए खिलाड़ियों को आजमा रहे थे। हमें जरूरी फीडबैक मिल गया है और भविष्य में परिणाम दिखाई देंगे। भारत अपना अगला दौरा 20 से 25 फरवरी तक होने वाले एफआईएच प्रो लीग के होबार्ट चरण के लिए करेगा।

टी20 विश्व कप: सुपर-8 में आज होगा पाकिस्तान और न्यूजीलैंड का मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर 8 में शनिवार को यहां पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला होगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। पाक टीम बड़ी मुश्किल से सुपर-8 में पहुंची है और उसका लक्ष्य किसी प्रकार जीत दर्ज कर आगे की संभावनएं बनाये रखना रहेगा। वहीं कीवी टीम का प्रदर्शन उससे कहीं अच्छा रहा है और ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है। आंकड़ों पर नजर डालें तो

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच अब तक कुल 49 मैच खेले गए हैं। पाकिस्तान ने 24 मैचों में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने 23 मैचों में जीत दर्ज की है।

पाक और न्यूजीलैंड ग्रुप स्तर में खेले 4 मैचों में तीन जीत और एक हार के साथ सुपर-8 में पहुंची हैं। पाकिस्तान की ओर से साहिबजादा फरहान की अब तक अच्छी बल्लेबाजी कर पाये हैं। नामीबिया के खिलाफ खेले गए मुकाबले में फरहान ने शतकीय पारी खेली थी, ऐसे में पाक उनसे इस मैच में भी बड़ी पारी की उम्मीद करेगा। पाक के लिए समस्या यह रही है कि फरहान के अलावा टीम के अन्य बल्लेबाज अब तक असफल रहे हैं। ऐसे में कीवी टीम के खिलाफ टीम को सैम अयूब, बाबर आजम और कप्तान सलमान आगा से बड़ी पारी खेलनी होगी। उसके बल्लेबाजों को न्यूजीलैंड के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का मुकाबला करना होगा जो आसान नहीं है। शादाब खान ने पहले दौर में बल्ले और गेंद दोनों से अच्छी भूमिका निभाई। वहीं, उस्मान तारिक विकेट लेने के साथ-साथ काफी कसी गेंदबाजी करते रहे हैं। पाक टीम अधिक स्पिनरों के साथ उतरेगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड का प्रदर्शन ग्रुप स्तर पर अच्छा रहा है। टिम साइफर्ट सहित उसके बल्लेबाजों ने काफी रन बनाये हैं। सीफर्ट ने 4 मैचों में 173 रन बनाये हैं। कनाडा के खिलाफ 36 गेंदों में 76 रनों की आक्रामक पारी खेलकर ग्लेन फिलिप्स भी फॉर्म में लौट चुके हैं।

मैट हेनरी और जैकब डफी की जोड़ी ने शुरुआती ओवर में बेहतरीन गेंदबाजी की है।

कोलंबो की पिच आमतौर पर धीमी रहती है। यहां पर स्पिनर्स को काफी सहायता मिलती है और गेंद थोड़ा फंसकर बल्ले पर आती है। यही कारण है कि कोलंबो के इस मैदान पर ज्यादा बड़े स्कोर नहीं लगते हैं। इस मैदान पर पहली पारी में औसतन स्कोर 144 रन रहा है, जबकि दूसरी इनिंग का औसत स्कोर 129 रन है। इस मैच में बारिश की भी संभावना है।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम 11

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, बाबर आजम, ख्वाजा नफे, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर) मोहम्मद नवाज/फहीम अशरफ, सलमान मिर्जा, उस्मान तारिक, अबरार अहमद

न्यूजीलैंड: मिशेल सैंटनर (कप्तान), टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), फिन एलन, रचिन रविंद्र, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, डैरिल मिशेल, जिमी नीशम, मैट हेनरी, ईश सोढ़ी, जैकब डफी

आईपीएल की तैयारियां करते नजर आये शुभमन

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम आजकल जहां टी20 विश्वकप में व्यस्त है। वहीं इससे बाहर चल रहे एकदिवसीय और टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल आजकल आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। शुभमन आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस के भी कप्तान हैं। शुभमन को टी20 विश्वक कप के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऐसे में अब वह अगले माह मार्च में शुरु हो रहे आईपीएल की तैयारियों में लगे हैं। इसी सिलसिल में शुभमन को नेट्स पर बल्लेबाजी करते देखा गया। इस दौरान उन्होंने टीम की नई ट्रेनिंग किट पहनी हुई थी। वह बल्लेबाजी के दौरान काफी अच्छे फार्म में दिखे। टाइटंस टीम के कोच आशीष नेहरा भी उनपर नजर रखे हुए थे। वह बल्लेबाजी सत्र के दौरान बड़ी आसानी से बड़े शॉट खेलते हुए दिखे। इस दौरान वह आत्मविश्वास से भरे दिखाई दिये।

वहीं इससे पहले उन्हें खराब फॉर्म के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही टी20 टीम से बाहर कर उनकी जगह पर संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया गया था। शुभमन को अंतिम बार रणजी ट्रॉफी में पंजाब की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ खेलते देखा गया था। जिसमे उन्होंने वह दोनो पारी में असफल रहे थे और कुल 14 रन ही बना पाये थे। अब वह आईपीएल 2026 में काफी रन बनाने चाहेंगे। शुभमन को आईपीएल 2026 की नीलामी से पहले ही बरकरार रखा गया था। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। गुजरात टाइटंस ने 2022 में अपना पहला खिताब जीता था और इस बार कप्तान का लक्ष्य टीम को एक बार फिर खिताब जिताना रहेगा। शुभमन के नाम अब तक 118 आईपीएल मैचों में 3866 रन हैं।

जिम्बाब्वे के बेनेट ने टी20 विश्वकप में एक भी मैच में आउट नहीं होने का रिकार्ड बनाया

कोलंबो । जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने इस इस टी20 विश्व कप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। बेनेट एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं जो इस विश्वकप में एक बार भी आउट नहीं हुए हैं। जिम्बाब्वे के सुपर-8 में पहुंचने में बेनेट की अहम भूमिका रही है। अब तक इस विश्व कप में प्रतिद्वंद्वी टीम का कोई भी गेंदबाज उन्हें एक बार भी आउट नहीं कर पाया है।जिम्बाब्वे की अंतित ग्रुप मैच में श्रीलंका के खिलाफ जीत में बेनेट की 63 रनों की नाबाद पारी की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। बेनेट ने इस विश्व कप में तीन मैचों में दो अर्धशतक लगाये हैं। तीनों ही मैच में वह नाबाद रहे। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को 23 रन से हराया था। उस मैच में भी उन्होंने 64 रनों की नाबाद पारी खेली थी। ओमान के खिलाफ मैच में भी वह 48 रन बनाकर नाबाद रहे थे। बेनेट अब तक विश्वकप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी हैं। बेनेट ने इस विश्व कप में अब तक 3 मैच में 2 अर्धशतकों के साथ 175 रन बनाए हैं। तीनों ही मैच में वह नॉट आउट रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट 125 का है हालांकि वह इस विश्व कप में वह एक भी छक्का नहीं लगा पाये हैं। उनके नाम केवल 22 चौके जड़े हैं। उनसे ज्यादा चौके सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के एडेन मारक्रम के नाम हैं जिन्होंने इस विश्व कप में अब तक 24 चौके लगाए हैं।बेनेट के अंतरराष्ट्रीय करियर की बात करें तो उन्होंने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में मैच खेले हैं, जिनमें उनके नाम 1771 रन हैं। इसमें 11 अर्धशतक और एक शतक शामिल है। उनका सर्वोच्च स्कोर 111 रन है और स्ट्राइक रेट 143.16 का है।

भारतीय बल्लेबाजों को अंगुली के स्पिनरों से रहना होगा सावधान : डोएशे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने कहा है कि उसे सुपर-8 में उतरने से पहले कुछ सुधार करने होंगे। डोएशे के अनुसार टीम जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गयी है पर अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं रहा हे जिसमें पूरी तरह से वह हावी रही हो। उन्होंने कहा कि अब भी शीर्ष क्रम के बाएं हाथ के बल्लेबाज अंगुली के स्पिनरों के खिलाह सहज होकर नहीं खेल पा रहे और ये कमजोरी उन्हें दूर करनी होगी। कोच के अनुसार

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के अलावा तिलक वर्मा बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और ये तीनो ही अंगुली के स्पिनरों के निशाने पर रहेंगे। अब तक हुए मैचों से साफ अंदाजा हो गया है कि विरोधी टीमें समझ गयी हैं कि अंगुली के स्पिनरों का सामना करते समय ये गलती कर रहेहैं। ये टीमें इन बल्लेबाजों को रनों से रोकने के लिए अब पावरप्ले में इन स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। नीदरलैंड के स्पिनर आर्यन दत्त ने पावरप्ले में इसी रणनीति से अभिषेक और किशन को शिकार बनाया। डोएशे का मानना है कि ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों को स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार करना होगा। उसे दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा। वहीं नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने भी अपनी इसी गेंदबाजी से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था, जिसके बाद पाकिस्तान के उस्मान कादिर, सलमान आगा और साइम अयूब भी कोलंबो में भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाने में सफल रहे। अगर आप आंकड़ों की बात करें तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान ने पिछले मैच में 14 ओवर अंगुली के स्पिनरों से करवाए। डोएशे ने कहा, अगले तीन मैच में भी हमें अंगुली के स्पिन गेंदबाजी का सामना करना पड़ेगा और उसे देखते हुए मुझे लगता है कि हमें इस पर ध्यान देना होगा। भारतीय टीम रविवार को यहां सुपर 8 के अपने पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से खेलेगी। इसके बाद उसे जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज से खेलना है।

हाईकोर्ट ने सुशील कुमार की याचिका पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

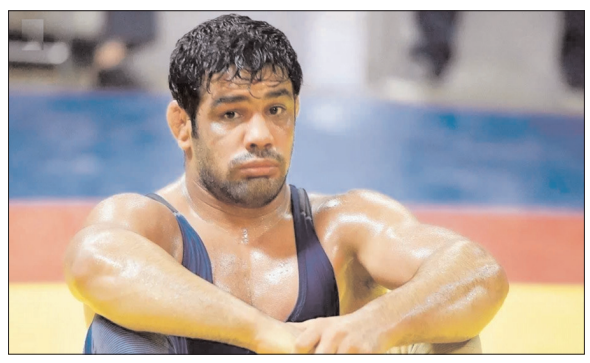

नई दिल्ली । दिल्ली हाईकोर्ट ने जूनियर पहलवान सागर धनखड़ की हत्या के मामले में आरोपी ओलंपियन पहलवान सुशील कुमार की जमानत अर्जी पर दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने इस मामले में दिल्ली पुलिस से स्टेटस रिपोर्ट भी मांगी है। इस मामले पर अगली सुनवाई 4 मई को होगी। इससे छह फरवरी को रोहिणी कोर्ट ने सुशील की जमानत याचिका खारिज कर दी थी । उसी फैसले को अब हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी है। सुशील कुमार मई 2021 में हुए सागर हत्याकांड में आरोपी हैं और फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। सागर हत्या के मामले में 13 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट में एक सुनवाई हुई थी। तब शीर्ष अदालत ने सुशील कुमार की जमानत रद्द कर दी थी और एक सप्ताह के अंदर सरेंडर करने को कहा था। इस मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस संजय करोल और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने सागर धनखड़ के पिता द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को स्वीकार किया था। याचिका में सुशील को जमानत देने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि सुशील और अन्य लोगों पर 4 मई, 2021 को कथित संपत्ति विवाद को लेकर शहर के छत्रसाल स्टेडियम के पार्किंग स्थल में पूर्व जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियन सागर धनखड़ और उनके दो दोस्तों सोनू और अमित कुमार पर जानलेवा हमला करने के आरोप है। अक्टूबर 2022 में, दिल्ली की एक निचली अदालत ने सुशील कुमार और 17 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे उनके मुकदमे की शुरुआत हुई थी।

आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 में भारत ने लगाये हैं सबसे अधिक छक्के , एसोसिएट टीमों इटली और अमेरिका ने पाक को पीछे छोड़ा

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार सबसे अधिक चौके, छक्के मारने वाली टीमें में भारतीय टीम पहले नंबर पर है। यहां अभी तक 20 टीमों में हुए 39 मुकाबलों में 1000 से अधिक चौके और 500 से ज्यादा छक्के लगे हैं। अभी तक सबसे अधिक छक्के लगाने वाली टीमों में भारत 40, इंग्लैंड- 36, वेस्टइंडीज- 36, अफगानिस्तान- 34 हैं। वहीं मजेदार बात ये है कि इटली और अमेरिका की टीमें छक्के मारने में पाकिस्तान से आगे हैं। भारत की ओर से 11 छक्के तो अकेले ईशान किशन ने ही लगाए हैं। बता दें, ईशान किशन टी20 विश्व कप 2026 में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके अलावा पाकिस्तान के ओपनर साहिबजादा फरहान ने भी इतने ही छक्के लगाए हैं। इटली ने अफगानिस्तान के बराबर 34 छक्के लगाए। उनके आगे दो ही टीमें इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ने 36-36 सिक्स लगाए है।पाक टीम इस सूची में नौवें नंबर पर है पाक ने टी20 विश्व कप 2026 में कुल 28 सिक्स लगाए हैं। उनसे ज्यादा अमेरिका ने 33 छक्के लगाये हैं।

नॉटिंघम फॉरेस्ट ने यूरोपा लीग प्लेऑफ में फेनरबाचे पर जीत हासिल की, सेल्टिक हारा

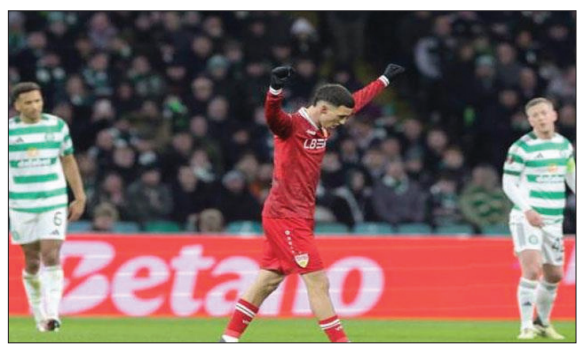

लंदन । नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे पर 3-0 से जीत हासिल की। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल अपनी टीम को जीत दिलाई जिसमें विटोर परेरा ने अपने पहले ही मैच में प्रभावित किया। वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को अपने करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला। चैंपियंस लीग की तरह लीग चरण में शीर्ष आठ टीम स्वत- ही अंतिम 16 में पहुंच गई जबकि नौ से 24 नंबर की टीम दो चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी। दूसरा चरण अगले बृहस्पतिवार को होना है।

उस्मान का गेंदबाजी एक्शन अनोखा लेकिन पाकिस्तान से मिलनी वाली चुनौती का अंदाजा :चैपमैन

कोलंबो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मध्यक्रम बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने शनिवार को यहां खेले जाने वाले टी20 विश्व कप सुपर-आठ मुकाबले से पहले कहा कि पाकिस्तान के रहस्यमयी (अनोखे तरीके से गेंदबाजी करने वाले) स्पिनर उस्मान तारिक की अगुवाई वाले गेंदबाजी आक्रमण से निपटने में उनकी टीम के लिए आपसी मुकाबलों का अनुभव अहम भूमिका निभाएगा।

सुपर-आठ चरण के ग्रुप-दो मैच में शनिवार को यहां न्यूजीलैंड का मुकाबला पाकिस्तान से होगा। अगस्त 2024 से अब तक न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच वनडे और टी20 प्रारूपों में कुल 20 द्विपक्षीय मुकाबले खेले जा चुके हैं। चैपमैन का मानना है कि इन मैचों ने उनकी टीम को पाकिस्तान के गेंदबाजी आक्रमण को बेहतर ढंग से समझने में मदद की है।

चैपमैन ने कहा, 'उस्मान तारिक का एक अलग तरह का एक्शन है, खासकर क्रीज पर रुककर गेंदबाजी करने का अंदाज अनोखा है और इसे ध्यान में रखना होगा। पाकिस्तान के पास उनके अलाव भी कई बेहतरीन स्पिनर है हर स्पिनर अपनी अलग चुनौती पेश करता है।' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान उन टीमों में से एक है जिसके खिलाफ हमने सबसे ज्यादा मैच खेले हैं। हमें अच्छी तरह अंदाजा है कि वे किसी तरह की चुनौती पेश करेंगे। हमारे लिए अहम यह है कि हम एक टीम के रूप में अपनी रणनीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट रहें।'

चैपमैन ने यह भी स्वीकार किया कि श्रीलंका की पिचें भारत की तुलना में धीमी हैं, ऐसे में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। भारत में खासकर लाल मिट्टी वाली पिचों पर बल्लेबाजों को काफी मदद मिली है और यह गेंदबाजों के लिए मुश्किल रहा है। आपने कई मुकाबलों में नियमित रूप से 200 के आसपास के स्कोर बनते देखे हैं। गेंदबाजों के सामने निश्चित रूप से चुनौती रही है। लेकिन यहां की पिचें थोड़ी धीमी हैं, जिससे गेंदबाजो को अपने कौशल दिखाने का बेहतर मौका मिल सकता है।'

उन्होंने संकेत दिया कि यहां स्पिन की भूमिका अधिक अहम हो सकती है। उन्होंने कहा कि संभावना है कि यहां स्पिन ज्यादा असर डाले। फिलहाल हमें पिच को देखकर ही अंतिम आकलन करना होगा। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने उम्मीद जताई कि सुपर-8 के सभी मुकाबले कोलंबो में खेले जाने से न्यूजीलैंड को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, 'ऐसे टूर्नामेंटों में लगातार अलग-अलग मैदानों पर खेलना और परिस्थितियों के मुताबिक ढलना चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन यहां तीनों मैच एक ही स्थल पर खेलने से हम हर मुकाबले के साथ बेहतर सीख हासिल कर पाएंगे। एक ही मैदान और लगभग समान पिचों पर खेलना हमारे लिए सकारात्मक है। यह ऐसी चीज है जिसकी हम शिकायत नहीं करना चाहेंगे।'

चैपमैन ने न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर की फिटनेस को लेकर चिंताओं को दूर किया। सेंटनर अस्वस्थता के कारण कनाडा के खिलाफ पिछला मैच नहीं खेल पाए थे। उन्होंने कहा, 'मिच सेंटनर पूरी तरह स्वस्थ नजर आ रहे हैं और मैदान पर वापसी को लेकर उत्साहित हैं। अंतिम समय में अगर कोई दिक्कत नहीं हुई तो वे उपलब्ध रहेंगे। लॉकी फर्ग्यूसन पितृत्व अवकाश पर टीम से अलग हुए थे। वह वापसी की राह पर है और जल्द ही कोलंबो पहुंच सकते हैं। यह देखना होगा कि लंबी उड़ान के बाद उनकी स्थिति कैसी रहती है।'

'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने महीप कपूर को दी नई पहचान

नेटफ्लिक्स की मशहूर सीरीज 'फैबुलस लाइव्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स' ने अभिनेता संजय कपूर की पत्नी महीप कपूर को ऐसी पहचान दी, जो केवल संजय कपूर की पत्नी या सोनम कपूर की चाची तक सीमित नहीं है। दिल्ली में 1982 में जन्मी और ऑस्ट्रेलिया में पली-बढ़ी महीप ने बॉलीवुड में कदम एक अभिनेत्री के तौर पर रखा था। महिप कपूर का बेबाक, नो-फिल्टर अंदाज और परिवार के प्रति समर्पण ने उन्हें दर्शकों के बीच खासा लोकप्रिय बनाया है। उन्होंने 1994 में फिल्म 'निगम' में काम किया था, लेकिन यह फिल्म रिलीज नहीं हो सकी। अभिनय से दूरी बनाने के बाद उन्होंने अपने करियर को नया मोड़ देते हुए ज्वेलरी डिजाइनिंग में कदम रखा और 'सत्यानी फाइन ज्वेल्स' के लिए ऐसे डिजाइन तैयार किए, जिन्हें बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियों ने अपनाया। महीप और संजय कपूर की शादी 1997 में हुई थी। बाहर से उनका रिश्ता एक खुशहाल फैमिली की तस्वीर जैसा दिखता था, लेकिन असलियत इससे अलग थी। 'बॉलीवुड वाइव्स' के दूसरे सीजन में महीप ने अपनी निजी जिंदगी का वह दर्दनाक सच साझा किया, जिससे दर्शक अनजान थे। उन्होंने बताया कि शादी के शुरुआती सालों में संजय कपूर ने उन्हें धोखा दिया था। जब उनकी बेटी शनाया कपूर छोटी थीं, तब संजय का किसी और महिला से संबंध था। इस खुलासे ने फैंस को हैरान कर दिया। महीप ने यह भी बताया कि अफेयर की जानकारी मिलते ही वह बेटी को लेकर घर से निकल गई थीं, हालांकि बाद में उन्होंने संजय को माफ कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह फैसला अपने बच्चों शनाया और जहान के लिए लिया और अपनी शादी को एक और मौका देने का निर्णय सही साबित हुआ, क्योंकि आज दोनों एक मजबूत रिश्ता साझा कर रहे हैं। महीप कपूर को लोग अक्सर 'मामा बियर' कहकर पुकारते हैं। वह अपनी बेटी शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू को लेकर हमेशा प्रोटेक्टिव रही हैं। सोशल मीडिया पर भी वह अपने बच्चों के साथ बिताए गए पलों को साझा करती रहती हैं, जिससे साफ पता चलता है कि परिवार उनकी प्राथमिकता है। शनाया अब फिल्मों में कदम रख चुकी हैं, और महीप का समर्थन हर कदम पर उनके साथ दिखता है। ज्वेलरी डिजाइनर के रूप में सफलता हासिल करने के बाद महीप आज एक डिजिटल इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो स्टार के रूप में भी लोकप्रिय हैं।

एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है: अभिषेक बच्चन

बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन का कहना है कि एआई ऐसी टेक्नोलॉजी है जो उन्हें डराती है और एक्टर्स के भविष्य के लिए नुकसानदायक हो सकती है। अभिषेक बच्चन ने एआई को लेकर अपनी राय साझा करते हुए कहा कि वह इस तकनीक के साथ बहुत कम्फर्टेबल नहीं हैं। उनके

मुताबिक, एआई भविष्य में क्रिएटिव फील्ड में बड़े बदलाव ला सकता है और अगर इसे सही तरीके से उपयोग नहीं किया गया तो इससे एक्टर्स के अवसरों पर खतरा उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने कहा कि एआई के सहारे एनिमेशन, स्पेशल इफेक्ट्स और तकनीकी प्रक्रियाएँ आसान हो जाएंगी, जिससे फिल्म निर्माण का समय और बजट दोनों कम होंगे। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी जोड़ा कि एक्टिंग जैसे मानवीय कला के क्षेत्र में एआई कभी भी उस 'जान' को नहीं ला सकता, जो किसी कलाकार की आत्मा से निकलकर पर्दे पर दिखाई देती है। अभिषेक ने बताया कि उन्होंने कई एआई से तैयार चीज़ें देखी हैं जो देखने में बेहद आकर्षक और परफेक्ट लगती हैं, लेकिन उनमें मानवीय भावनाओं की गर्माहट और असलियत नहीं होती। उनका मानना है कि कलाकार की आत्मा, उसकी कमियाँ और उसकी अनूठी अभिव्यक्ति ही उसे खास बनाती हैं, और यही बात एआई कभी हासिल नहीं कर सकता।

वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में शिवांगी वर्मा

बॉलीवुड अभिनेत्री शिवांगी वर्मा इन दिनों वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें अभिनेत्री के एपिसोड का टाइटल 'मिडनाइट ब्राइड' है, जिसमें उन्होंने एक विधवा का किरदार निभाया है। बातचीत में शिवांगी ने बताया कि 'हसरतें' पहले से ही बेहद लोकप्रिय सीरीज है और वे इसकी फैन रही हैं। ऐसे में जब उन्हें 'सीजन 3' का हिस्सा बनने का मौका मिला, तो उनके लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने कहा, 'मैं मेकर्स की बेहद आभारी हूं कि उन्होंने मुझे इस सीरीज के लिए चुना और मुझ पर भरोसा दिखाया। यह प्रोजेक्ट मेरे दिल के बहुत करीब है।' अभिनेत्री ने अपने किरदार के बारे में बताया कि यह उनके असली व्यक्तित्व से बिल्कुल उलट है। असल जीवन में वे काफी मॉडर्न, फैशनेबल और स्टाइलिश हैं, जबकि शो में वे एक ऐसी विधवा बनी हैं जिन्हें समाज की रूढ़िवादी अपेक्षाओं के साथ दिखाया गया है। उन्होंने कहा, 'समाज में अक्सर विधवा महिलाओं पर मेकअप न करने, रंगीन कपड़े न पहनने और साधारण रहने जैसे कई दबाव डाल दिए जाते हैं। इस किरदार को निभाते हुए मुझे एहसास हुआ कि सादगी में भी अलग तरह की खूबसूरती होती है।' शिवांगी बताती हैं कि शूटिंग के दौरान उन्होंने पूरा प्रयास किया कि किरदार की भावनाओं और उसकी परिस्थितियों को सही तरह से दर्शाया जा सके। उन्होंने कहा कि चुनौतीपूर्ण होने के बावजूद इस रोल ने उन्हें काफी कुछ सिखाया। शो के प्रसारण के बाद उन्हें हर तरफ से बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली, जिसे वे अपने करियर का बड़ा सम्मान मानती हैं। अपने काम के प्रति गंभीर रहने वाली शिवांगी कहती हैं कि उनके लिए कहानी सबसे अधिक मायने रखती है। यदि स्क्रिप्ट भावनाओं से जुड़ी हो और उन्हें बतौर अभिनेत्री चमकने का मौका दे, तो वे पूरी समर्पण के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती हैं। उन्होंने कहा, 'अच्छी कहानी हो तो मैं बाकी चीजों को भूल जाती हूं। मैं खासकर महिला-केंद्रित किरदारों की ओर आकर्षित होती हूं, क्योंकि ऐसे रोल में भावनाओं और अभिव्यक्ति के कई आयाम होते हैं।' भविष्य की योजनाओं पर बात करते हुए शिवांगी ने बताया कि उन्हें रोमांटिक थ्रिलर करने की काफी इच्छा है। इसके अलावा यदि कोई दमदार बायोपिक का प्रस्ताव मिलता है, तो वह भी वे जरूर करना चाहेंगी।

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं : श्वेता त्रिपाठी

कला सिर्फ मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का सशक्त जरिया भी है। यह कहना है अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी का। इसी सोच के साथ उन्होंने हाल ही में अपनी पहली क्वीर फिल्म मुझे जान ना कहो मेरी जान को प्रोड्यूस करने की घोषणा की है। इस फिल्म में मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम और यह एक संवेदनशील क्वीर प्रेम कहानी है, जिसके इस साल फ्लोर पर आने की उम्मीद है। फिल्म में श्वेता स्वयं भी अभिनय कर रही हैं। प्रोडक्शन की दुनिया में यह श्वेता का पहला प्रयास नहीं है। इससे पहले वे क्वीर विषय पर आधारित थिएटर प्ले कॉक को भी प्रोड्यूस कर चुकी हैं, जो ब्रिटिश लेखक माइक बार्टलेट के ओलिवर अवॉर्ड जीत चुके ड्रामा पर आधारित है। यह नाटक देश के कई शहरों में प्रदर्शित हुआ था और दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी। श्वेता कहती हैं कि यह उनके लिए सिर्फ एक पेशेवर निर्णय नहीं, बल्कि निजी स्तर पर भी जुड़ा हुआ कदम है। उन्होंने कहा, 'अगर समाज में बदलाव चाहिए, तो पहल खुद से करनी होती है। महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियां हमेशा रही हैं, लेकिन उन्हें वह स्थान और सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। अब जब मुझे चुनने और बनाने का मौका मिला है, तो मैं इसे सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं।' श्वेता का मानना है कि क्वीर कहानियों को असरदार बनाने के लिए उन्हें सनसनीखेज होने की जरूरत नहीं होती। कई बार ये कहानियां बेहद सरल, कोमल और दैनिक जीवन से जुड़ी होती हैं, जो दर्शकों के मन में लंबे समय तक जगह बनाए रखती हैं। श्वेता आगे कहती हैं कि उन्हें वह रास्ता अब साफ दिखाई देता है, जिस पर वे आगे बढ़ना चाहती हैं महिलाओं की कहानियों को मंच देना, क्वीर आवाज़ों को बढ़ावा देना और अपने फैसलों में ईमानदारी बनाए रखना। उनके अनुसार यही उनके लिए एक कलाकार के रूप में अपनापन और उद्देश्य दोनों का भाव पैदा करता है। अभिनेत्री जल्द ही दर्शकों के सामने एक बड़े प्रोजेक्ट के साथ होने वाली हैं। वे मिर्जापुर-द मूवी में नजर आएंगी, जो 4 सितंबर को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म में उनके साथ पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, दिव्येंदु और रसिका दुग्गल सहित कई पुराने और नए कलाकार दिखाई देंगे। बता दें कि अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहना चाहतीं, बल्कि महिलाओं और क्वीर समुदाय की कहानियों को मुख्यधारा में मजबूत जगह दिलाने के लिए प्रोड्यूसर की भूमिका भी निभा रही हैं।

इमेज को लेकर सजग थी, इसीलिए ठुकराए कई ऑफर: रवीना टंडन

90 के दशक की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन अपने ग्लैमरस अंदाज़ से लेकर निजी जीवन तक सुर्खियों में रही हैं। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में अपने करियर के ऐसे फैसलों पर बात की है, जो आज भी चर्चा का विषय बन जाते हैं। रवीना ने खुलासा किया कि उन्होंने निर्माता-निर्देशक करण जौहर की ब्लॉकबस्टर फिल्म कुछ कुछ होता है और सुपरस्टार शाहरुख खान के आइकॉनिक गाने छैंया छैंया को करने से इनकार कर दिया था और इसके पीछे की वजहें दिलचस्प हैं। रवीना ने बताया कि 90 के दशक में उन्हें कई

बड़े प्रोजेक्ट ऑफर होते थे, लेकिन वह अपनी इमेज को लेकर बेहद सजग थीं। फिल्म कुछ कुछ होता है में टीना का रोल, जिसे बाद में अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने निभाया, पहले रवीना को ऑफर हुआ था। लेकिन रवीना ने यह रोल ठुकरा दिया क्योंकि वह अपने दौर की दूसरी बड़ी स्टार काजोल के अपोजिट सेकंड लीड निभाना नहीं चाहती थीं। उन्होंने बताया कि उन्होंने करण जौहर से साफ कहा 'काजोल मेरी ही जनरेशन की हैं, मैं उनके पीछे खड़ी नहीं हो सकती।' रवीना ने हंसते हुए कहा कि करण जौहर आज भी मजाक में इस बात की शिकायत करते हैं कि उन्होंने उनकी पहली फिल्म ठुकरा दी थी। हालांकि यह रोल रानी मुखर्जी के करियर का टर्निंग प्वाइंट बन गया और फिल्म आज भी बॉलीवुड की सबसे यादगार फिल्मों में गिनी जाती है। इसके अलावा, रवीना ने फिल्म दिल से के मशहूर गाने छैंया छैंया, जिसमें बाद में अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा दिखीं, को भी करने से मना कर दिया था। उन्हें डर था कि 'शहर की लड़की' जैसे सुपरहिट गाने के बाद उन्हें इंडस्ट्री में 'आइटम सॉन्ग गर्ल' का टैग न दे दिया जाए। उस दौर में एक्ट्रेसेस के लिए स्टीरियोटाइप होना आसान था, इसलिए उन्होंने गाना छोड़ दिया। रवीना का कहना है कि उन्हें अपने निर्णयों पर कोई पछतावा नहीं है क्योंकि हर अभिनेता अपने करियर को अपनी समझ से दिशा देता है। दिलचस्प बात यह है कि जिन अवसरों को उन्होंने छोड़ा, वे रानी मुखर्जी और मलाइका अरोड़ा के लिए माइलस्टोन साबित हुए।

फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर फराह ने किया बड़ा खुलासा

अपनी सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं ना' को लेकर बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान ने एक बड़ा खुलासा किया है। उनके मुताबिक फिल्म में शाहरुख खान के अपोजिट निभाया गया चांदनी का आइकॉनिक रोल शुरुआत में सुष्मिता सेन को नहीं, बल्कि अभिनेत्री समीरा रेडडी को ऑफर किया जाना था। फराह ने यह राज अपने यूट्यूब व्लॉग में समीरा रेड्डी के साथ हुई हालिया बातचीत के दौरान खोला। फराह ने बताया कि उन्होंने समीरा को पहली बार 'आहिस्ता कीजिए बातें' म्यूजिक वीडियो में देखा था, जहां इंडियन ट्रेडिशनल लुक में उनकी खूबसूरती ने उन्हें बेहद प्रभावित किया। उस समय फराह को लगा कि 'मैं हूं ना' में चांदनी का रोल समीरा के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। यह सुनकर समीरा भी हैरान रह गईं और मजाकिया अंदाज में पूछा कि फिर उन्हें कास्ट क्यों नहीं किया गया। इसके जवाब में फराह ने बताया कि समीरा के करियर की दिशा उस समय बदल चुकी थी, क्योंकि वह सोहेल खान के साथ अपनी डेब्यू फिल्म 'मैने दिल तुझको दिया' कर चुकी थीं। इस फिल्म के कारण उनकी स्क्रीन इमेज और प्रोजेक्ट्स अलग दिशा में जा रहे थे, जिसके चलते 'मैं हूं ना' के लिए सुष्मिता सेन को चुनना पड़ा। फराह ने साफ कहा कि समीरा उनकी पहली पसंद थीं, लेकिन उस समय परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं रहीं। समीरा रेड्डी ने इस खुलासे पर खुशी तो जताई, लेकिन थोड़ी निराश भी दिखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें अफसोस है क्योंकि 'मैं हूं ना' उस दौर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक थी और इस फिल्म ने सुष्मिता सेन की लोकप्रियता को एक नई ऊंचाई दी। फिल्म में सुष्मिता द्वारा निभाया गया चांदनी का ग्लैमरस साड़ी लुक आज भी दर्शकों के बीच बेहद मशहूर है। फिल्म रिलीज़ के बाद यह फराह खान के निर्देशन करियर की धमाकेदार शुरुआत साबित हुई। दूसरी ओर, समीरा रेड्डी 'डरना मना है', 'मुसाफिर', 'नो एंट्री' और 'रेस' जैसी फिल्मों में नजर आईं, लेकिन बाद में उन्होंने मेनस्ट्रीम सिनेमा से दूरी बना ली।

बदले हुए लुक को लेकर सुर्खियों में राजकुमार राव

हाल ही में अभिनेता राजकुमार राव एक शॉर्ट फिल्म के इवेंट में नजर आए, जहां रेड कार्पेट पर उनका अंदाज देखकर पैपराज़ी भी दंग रह गए। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही राजकुमार राव की ताजा तस्वीरों और वीडियो में बदले हुए लुक में नजर आ रहे है। राजकुमार राव

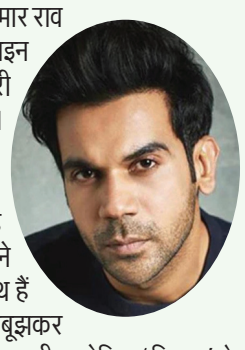

का वजन बढ़ा हुआ दिखता है, हेयरलाइन बदली हुई नजर आ रही है और उनकी पूरी पर्सनैलिटी में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है। उनके इस नए लुक ने फैंस के बीच चिंता पैदा कर दी कि कहीं उनकी तबीयत तो खराब नहीं, लेकिन धीरे-धीरे असली वजह सामने आ गई है। एक्टर के करीबी सूत्र ने बताया कि राजकुमार राव पूरी तरह स्वस्थ हैं और उनके लुक में आया यह बदलाव जानबूझकर किया गया है। सूत्र के अनुसार, वे अपनी अगली बायोपिक 'निकम' के लिए यह भारी-भरकम रूप लेकर आए हैं। उन्होंने बताया कि फिल्म के किरदार के लिए उन्होंने काफी वजन बढ़ाया है क्योंकि वे अपनी उम्र से काफी बड़े एक जाने-माने व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं। सूत्र ने यह भी बताया कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और राजकुमार राव इस समय दोबारा वजन कम करने की प्रक्रिया में हैं। जानकारी के अनुसार, यह बायोपिक भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान और दिग्गज खिलाड़ी सौरव गांगुली की जिंदगी पर आधारित है। फिल्म में गांगुली की क्रिकेट यात्रा, शुरुआती संघर्ष, कप्तान के रूप में उनके फैसले और भारतीय क्रिकेट के बदलाव में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाया जाएगा।

'बैटल ऑफ गलवान' ने असली सैनिकों की सीरीज की जारी

'बैटल ऑफ गलवान' फिल्म के मेकर्स ने असली आर्मी वेटरन्स और उनके परिवारों की कहानियों से जुड़ी एक विशेष वीडियो सीरीज जारी की है, जो उन खामोश ताकतों को सम्मान देती है, जो हर सैनिक के पीछे चुपचाप खड़ी रहती हैं। इन वीडियो को साझा करते हुए मेकर्स ने लिखा कि 'बैटल ऑफगलवान' उन परिवारों को सलाम करता है जिन्होंने हर पोस्टिंग, हर विदाई और हर वापसी को अपने दिल से जिया है। पहले वीडियो में तीसरी गोरखा राइफल्स के कर्नल महीप सिंह चड्ढा की बेटी मिसेज गानवी चड्ढा नज़र आती हैं। कर्नल चड्ढा 1965 और 1971 की जंग में शामिल रहे थे। मिसेज चड्ढा याद करती हैं कि कैसे उनके पति फील्ड एरिया में तैनात रहते थे और उनसे बात करने के लिए लोकल एक्सचेंज के जरिए कॉल बुक करनी पड़ती थी, जिसमें पूरा प्रोटोकॉल निभाना होता था।
वह बताती हैं कि परिवार उन्हें कितना याद करता था, खासकर उनका पसंदीदा खाना बनाते समय। जब वह छुट्टी लेकर घर लौटते थे, तो वही खाना साथ बैठकर खाने में एक अलग ही खुशी होती थी। दूसरे वीडियो में 16 बिहार रेजिमेंट के लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा (रिटायर्ड) की पत्नी मिसेज सविंदर मनचंदा उन तनाव भरी यादों को साझा करती हैं, जब उनके पति की यूनिट को अरुणाचल प्रदेश के वांगचुक जनजाति वाले क्षेत्र में भेजा गया था। वह बताती हैं कि उस इलाके में लगातार खतरा बना रहता था। टेलीफोन लाइनें बहुत दूर थीं और आवाज भी साफ नहीं आती थी, लेकिन किसी भी तरह पति की आवाज सुन लेना उनके लिए बड़ा सुकून था। तीसरे वीडियो में खुद रिटायर्ड लेफ्टिनेंट कर्नल जगदीप मनचंदा दिखाई देते हैं, जिन्होंने 1972 से 2003 तक देश की सेवा की। वह अपने 32 साल के आर्मी सफर को जिंदगी का सबसे अनमोल हिस्सा बताते हैं। गलवान घाटी के संघर्ष समेत कई कठिन ऑपरेशन्स को याद करते हुए उन्होंने भारतीय सेना और अपने साथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इन भावुक और प्रेरणादायक कहानियों के माध्यम से सलमान खान फिल्म्स न सिर्फसैनिकों की बहादुरी को सम्मान दे रहा है, बल्कि उन परिवारों की कुर्बानियों को भी सलाम कर रहा है, जो हर वर्दी के पीछे की असल ताकत होते हैं। सलमा खान के प्रोडक्शन और अपूर्व लाखिया के निर्देशन में बनी 'बैटल ऑफ गलवान' बहादुरी, बलिदान और मानवीय रिश्तों की गहराई को दर्शाने की कोशिश करती है। चित्रांगदा सिंह भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, जो कहानी को और प्रभावशाली बनाती है। बता दें कि 'बैटल ऑफगलवान' के टीज़र को मिली दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया के बाद सलमान खान फिल्म्स लगातार देशभक्ति की भावना को और मजबूत कर रहा है। हाल ही में रिलीज़ हुए इसके गाने 'मातृभूमि' और 'मैं हूँ' ने लोगों के दिलों में जोश और भावनाओं का एक नया उभार पैदा किया है।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए-

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग-अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी-सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार-बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10-11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए-

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके -हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता-पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता-पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए-

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता-पिता दूसरे लोगों या आस-पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता-पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी-पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे-

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उतेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ-साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग-अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल- टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान -जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल-पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन - छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर- ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब- वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2- 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।